लाल आतंक
नहीं, अब हराभरा छत्तीसगढ़

दिग्गजों को लील गया नक्सलवाद

पं. विद्याचरण शुक्ल, नंदकुमार पटेल, महेंद्र कर्मा, उदय मुदलियार, वीके चौबे, योगेन्द्र शर्मा

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

डेडलाइन के साथ नक्सलवाद रह गया अब सिर्फ नाम का

टूटा बारूदी तिलस्म, नक्सलवाद हुआ भस्म

देश से नक्सलवाद तकरीबन खत्म हो गया। देश के साथ छत्तीसगढ़ के लिए नासूर बने माओवाद ने भी आखिरी सांस ले ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की डेडलाइन यानी 31 मार्च की रात तक आखिरी खेप की सरेंडर की खबरें भी आती रही। देखा जाए तो बस्तर, राजनांदगांव, गरियाबंद समेत सभी इलाकों से नक्सली सिमट गए। इक्का-दुक्का कहीं बच गए हो, उनका भी मुख्यधारा में आना तय है। चूंकि बड़े कैडर के नक्सली समर्पण कर चुके हैं या मारे गए हैं, इसलिए यहां माओवाद पूरी तरह नियंत्रित हो चुका है। अब बारी बस्तर की हरियाली लौटाने की है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

हरिभूमि खास

बस्तर आईजीपी सुंदरराज पट्टलिंगम ने हरिभूमि से चर्चा में बताया कि आज बस्तर नक्सल-मुक्त स्थिति की वास्तविकता को महसूस कर रहा है। माओवादी उपस्थिति अब नगण्य स्तर तक सिमट चुकी है और उनकी संगठनात्मक तथा लड़ाकू क्षमता लगभग पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। पिछले वर्षों में सुरक्षा बलों की सतत कार्रवाई, बेहतर खुफिया समन्वय, विकास कार्यों के विस्तार तथा प्रभावी आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के कारण मिशन 2026 अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है और इसके सफल समापन के बाद विकास और विश्वास का मार्ग अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

आईजीपी बस्तर सुंदरराज पट्टलिंगम ने कहा कि अब प्राथमिकता अब तक हासिल उपलब्धियों को और सुदृढ़ करना है। पूर्व में प्रभावित क्षेत्रों तक शासन ▶▶| शेष पेज 5 पर

हाथों से छूटे हथियार... दंतेवाड़ा में आखिरी खेप का भी सरेंडर

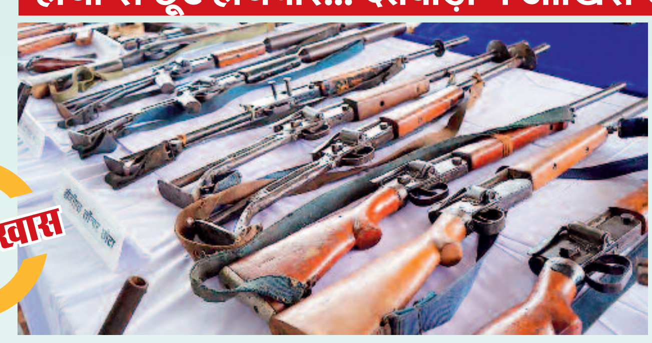

दंतेवाड़ा। पुलिस लाइन कारली में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 5 माओवादी कैडरों की मुख्यधारा में आज वापसी हुई। जिनमें 4 महिला माओवादी शामिल रहे। 5 माओवादी कैडरों पर 9 लाख रुपए का इनाम घोषित है। पुनर्वास करने वाले माओवादी से प्राप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों द्वारा कार्रवाई करते हुए इंसास, एसएलआर, बीजीएल सहित 40 घातक हथियारों की बरामदगी विभिन्न डम्पों से की गई। पुनर्वास से पुनर्जीवन की पहल से प्रभावित होकर दंतेवाड़ा जिले में वर्ष 2024 से आज तक 607 माओवादी कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर शांति पूर्ण जीवन के लिए अग्रसर हुए। जिले में संयुक्त नक्सल उन्मूलन अभियानों ▶▶| शेष पेज 5 पर

सात जिलों के ऐसे हालात

संभागीय मुख्यालय बस्तर जिले की बात करें तो वर्ष 2020 से 30 मार्च 2026 तक बीते सात वर्ष की बात करें तो पुलिस व नक्सलियों के बीच चार बार मुठभेड़ हुई, इन मुठभेड़ों में वर्ष 2021 में सुरक्षाबलों ने दो हार्डकोर नक्सली का मार गिराए थे। वहीं इन वर्षों में पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हुए जबकि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों की संख्या 73 है। 24 नक्सलियों को गिरफ्तार भी किया गया।

पहली बार... बस्तर के 1382 शहीदों के नाम, एक ही जगह- भीतर देखें

त्वरित टिप्पणी

नक्सलवाद की राख में छिपे अश्वत्थामा से सतर्क रहने का वक्त

डॉ. हिमांशु द्विवेदी

यह समय उल्लास का तो है लेकिन उत्सव का नहीं। यह समय उम्मीद बांधने का तो है, साथ ही आशंका का भी है। यह समय अपेक्षाओं का भी ही है लेकिन साथ ही साथ जिम्मेदारी का भी है। वह इसलिए क्योंकि भले ही पांडव अठारह दिन के भीषण संघर्ष के बाद महाभारत का युद्ध जीत गए लेकिन जीत के बाद निश्चिंतता की नींद ने उनके पक्ष के तमाम योद्धाओं को अश्वत्थामा के हाथों हमेशा के लिए सुला दिया था। वह तो द्वापर युग था तो एक ही अश्वत्थामा का अस्तित्व था। इस कलियुग काल में तो अब कौन अश्वत्थामा बन जाए, कहा नहीं जा सकता। महाभारत तो महज अठारह दिन का युद्ध था, नक्सलवाद के खिलाफ हमारे संघर्ष की अवधि तो छह दशक की है।

बीस हजार से अधिक निर्दोष नागरिकों और हजारों सुरक्षाकर्मियों को मौत के घाट उतार देने वाले सशस्त्र नक्सलवाद को लेकर मोदी सरकार में गृहमंत्री अमित शाह ने जब 24 अगस्त 2024 को छत्तीसगढ़ में दहाड़ते हुए कहा था कि देश से हम 31 मार्च 2026 को इसे खत्म कर देंगे तो लोग हैरत में पड़ गए थे। अमित शाह की राजनीतिक क्षमता और प्रशासनिक दक्षता के लोग कायल हैं लेकिन यह ऐलान तो बतौर ज्योतिषी महसूस हुआ था। वक्त गुजरने के साथ लेकिन समझ में आने ▶▶| शेष पेज 5 पर

नारायणपुर

नारायणपुर में सात साल में 106 नक्सली ढेर

नारायणपुर जिले में पुलिस व नक्सलियों के बीच 71 मुठभेड़ दर्ज की गई। सुरक्षाबलों ने इन मुठभेड़ों में 106 नक्सलियों को मार गिराया इनमें संगठन का महासचिव बसवराजू व चार सीसी मेंबर भी शामिल हैं। नक्सलियों से बहादुरी से मुकाबला करते हुए 31 सुरक्षाकर्मी इस दौरान शहीद हुए जबकि 360 नक्सलियों ने हथियार डालने में अपनी भलाई समझी और समर्पण कर दिया। इस दौरान 287 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। समर्पण व मुठभेड़ के दौरान नक्सलियों से रिकार्ड 352 अत्याधुनिक हथियार जब्त किए गए।

सुकमा

सुकमा जिले में सर्वाधिक 142 मुठभेड़

सुकमा जिले की बात करें तो पुलिस व नक्सलियों के बीच 142 बार मुठभेड़ हुई। इन मुठभेड़ों में 109 नक्सलियों को मार गिराया गया, जबकि शहीद

सुरक्षाकर्मियों की संख्या 38 है। सुकमा जिले में रिकार्ड 1511 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। 893 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया। नक्सलियों से 261 हथियार भी बरामद किए गए। इस दौरान नक्सलियों ने पुलिस मुखबरी का आरोप लगाकर 60 निर्दोष ग्रामीणों की हत्या की थी।

गरियाबंद

गरियाबंद में 20 वर्षों बाद लौटी शांति

गरियाबंद। गरियाबंद जिला नक्सलवाद से मुक्त है। पुलिस के अनुसार जिले में सक्रिय सभी नक्सली संगठन पूरी तरह समाप्त हो चुके हैं और शेष बचे माओवादी भी आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में लौट आए हैं। हालांकि, आधिकारिक रूप से नक्सल-मुक्त घोषित करने की प्रक्रिया लंबित है। गरियाबंद में वर्ष 2006 में माओवादियों की आमद के साथ ही नक्सली गतिविधियां शुरू हुई थीं। उदंती-सीतानदी, नगरी, एसडीके और सीनापाली जैसी पांच क्षेत्रीय समितियां यहां सक्रिय थीं। लंबे समय तक चली हिंसा में कई जवान शहीद हुए और बड़ी संख्या में माओवादी मारे गए। वर्ष 2025 में भालूडीगी मुठभेड़ के बाद नक्सली संगठनों का विघटन तेज हुआ। नवंबर 2025 में उदंती समिति के आत्मसमर्पण के बाद ▶▶| शेष पेज 5 पर

कांकेर

कांकेर में बच गए सिर्फ 15 नक्सली

कांकेर। नक्सलवाद के खात्मे के लिए तय की गई डेडलाइन का समय 31 मार्च को रात 12 बजे खत्म हो जाएगा। परंतु जिले में सक्रिय 15 नक्सलियों ने न तो हथियार डाले और न ही फोर्स खोजकर खत्म कर पाई। रात 12 बजे तक सफलता पाने के लिए फोर्स लगातार प्रयासरत है। 1 अप्रैल को खुलासा हो जाएगा कि डेडलाइन में कांकेर जिला नक्सल मुक्त हुआ या नही। बीती रात को कंपनी नंबर 05 के ▶▶| शेष पेज 5 पर

दंतेवाड़ा

दंतेवाड़ा जिले में सात वर्ष में 76 बार मुठभेड़

दंतेवाड़ा जिले की बात करें तो बीते सात वर्ष में पुलिस व नक्सलियों के बीच 76 मुठभेड़ हुई। इनमें सुरक्षाबलों ने 90 माओवादियों को मार गिराया जबकि शहीद हुए सुरक्षाकर्मियों की संख्या 15 है। इस अवधि में रिकार्ड 1270 नक्सली समर्पण कर मुख्यधारा में शामिल हुए। गिरफ्तार किए गए नक्सलियों की संख्या 366 तथा बरामद हथियार की संख्या 136 है। आईईडी की बात करें तो दंतेवाड़ा जिले में 248 आईईडी जब्त किया जबकि नक्सलियों की ओर से प्लांट किए गए 33 आईईडी ब्लास्ट के मामले सामने आए। इन वर्षों में नक्सलियों ने पुलिस मुखबरी का आरोपी लगाकर 31 निर्दोष ग्रामीणों की हत्या की थी।

बीजापुर

बीजापुर जिले में 218 मुठभेड़, 273 मारे गए

बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों व नक्सलियों के बीच 218 मुठभेड़ हुई, जिसमें सुरक्षाबलों ने 273 नक्सलियों को ढेर कर दिया। शहीद सुरक्षाकर्मियों की संख्या 73 है जबकि आत्मसमर्पण

कर मुख्यधारा में 1123 शामिल हुए। गिरफ्तार किए गए नक्सलियों की संख्या 1856 है। नक्सलियों से 363 हथियार बरामद किए गए। इन वर्षों में नक्सलियों ने 114 निर्दोष ग्रामीणों की हत्या की।

INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY* *Conditions apply

Hero GoodLife — Stand a chance to win Gold and Silver Coins and many more assured benefits#

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC0173541. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ~As per the cumulative dispatch numbers of the Splendor family series of motorcycles until March 2025. World's no 1 disclaimer- World's largest Two-Wheeler manufacturer with the highest Two-wheeler unit sales by a single corporate entity globally, for the past 25 years. Data Source: Certificate from SIAM dated 9th January 2026.^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. #Limited period offer, T&C apply. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice. *Ex-showroom price of Splendor+ drum brake non i3S variant applicable in Chhattisgarh.

TOLL FREE 1800 266 0018

अधिकृत डीलर: रायपुर: छत्तीसगढ़ हीरो 9289922351, आरसन हीरो 9289922864, राजधानी हीरो 9289922414, राजनांदगांव: जय हीरो 9289922357, धमतरी: सत्योम हीरो 9289922525, कांकेर: राहुल हीरो 9289922834, महासमुंद: वत्स हीरो 9289922623. बलोदाबाजार: अग्रवाल हीरो 9289922959, आरंग: श्री राम हीरो 9289922968, बेमेतरा: श्री सांई हीरो 9289922835, कवर्धा: सरस्वती हीरो 9289922958, जगदलपुर: विजयपाल हीरो 9289923064, दंतेवाड़ा: जय विजय हीरो 9289922990, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983, भाटापारा: कुशल हीरो 9289923052, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, चौहान मोटर्स, 9289233817, दुर्ग: उत्सव हीरो 9289923114, उत्सव हीरो: (स्टेशन रोड) 7000595300, एसोशिएट डीलर: रायपुर: संजय ऑटोव्हील 9289924245, 0771-4266555, पंडरिया: ललित सर्विसेज़ 8770383767, भनपुरी: ओम ऑटो एजेंसी: 6261535855, दोमुहानी: किरण मोटर्स 9754069392, लवन: गणपति ऑटो 9926601111/ 9340379300, गिधौरी: श्री राम मोटर्स: 8462900028/9340005833 गुरुर: श्री गुरुनानक ऑटो, 8349484458 / 7224880123, बोड़ला: विक्की मोटर्स: 9755583102, पांडातराई: शक्ति ऑटोमोबाइल्स: 9179035073, अभनपुर: राजधानी ऑटोमोबाइल्स, 9325529033, छुरिया: अंकित ऑटो: 9425240565, नवागढ़: श्री मोटर्स 9165525555/9009866899 राजिम: गुरुदेव ऑटोमोबाईल्स 9977280000, खरोरा: अग्रवाल मोटर्स 9424212141, सरायपाली: बंसल ऑटो 9425513611, डोंगरगढ़: युवराज मोटर्स 8085160380, तिल्दा: आरसन मोटर्स 9340335266, नगरी: हर्ष ऑटो 8109502100, पाटन: दिव्या ऑटो 9893492107, बागबाहरा: प्रियंका ऑटोकेयर 9131058752, कोण्डागांव: आहुजा ऑटोमोबाईल्स 9131794017/9993861888, नारायणपुर: गुरुनानक ऑटो 9425596290, केशकाल: साहिल ऑटो सेल्स 9893199247, झगरंडी: किरन ऑटोकेयर 9754069392, फरसगांव: राजा ऑटोमोबाईल्स 9425594144, बेरला: कान्हा मोटर्स 6260472025, कसडोल: बजरंग मोटर्स 9425511973, बालोद: जैन ऑटोकेयर 9425563502, सिमगा: माँ सरवेश्वरी ऑटोमोबाईल्स 9301361155, गरियाबंद: छत्तीगढ़ ऑटो केयर 8319358443, बरोदा: सत्यम ऑटोमोबाईल्स 9977155055, गुंडरदेही: एम.एम. ऑटो 9893542300/ 8720051135, जामुल: जय अम्बे ऑटो एजेंसी 9826386346, रिसाली: भारत मोटर्स 9993417123, फिंगेश्वर: अभिषेक ऑटो, 9977737000 / 9300093200, भिलाई-3: महावीर मोटर्स, 8109100019, कुरुद: शिव ऑटो, 8305711110/ 9993454103, इरपानार- कांकेर: अंशू ऑटो, 9406054292, पखांजूर: रिशान सर्विसेज, 6267323235, मोहला मानपुर: गोविंद ऑटो केयर, 9303664769, कुदकुदुर: दिलीप मोटर्स, 7869151152, सुकमा: आशुतोष ऑटोमोबाइल, 9425260291, भानुप्रतापपुर: संस्कार मोटर्स, 9406203600, मानपुर: दिलीप ऑटो केयर, 7999054324, लाखोली: शुभम ऑटो केयर, 9754000069, अम्बागढ़ चौकी: अमर मोटर्स, 9827969901, सालेवाड़ा: साई मोटर्स, 9754329434, राजिम: राजीव लोचन ऑटोमोबाइल्स, 7000186678, सारागांव: जी वी मोटर्स, 7566666243, सरसींवा: श्रीराम ऑटो, 6260060443, बीजापुर: माँ भवानी ऑटोमोबाइल्स, 9301683268/7987037477, चारामा: श्री करणी ऑटोमोबाइल, 9827894444, गुढ़ियारी: श्री राम मोटर्स, 7697966999/9425502611, भखारा: प्रेम ऑटो, 8770027422, डीलर एक्सटेंशन काउंटर: रायपुर: आरसन हीरो (फाफाडीह) 7428587575, 0771-4000233, भिलाई (सुपेला) इंडियन हीरो 0788-4911301, 8305597651, ऐडिशनल वर्कशॉप: रायपुर: आरसन मोटर्स (फाफाडीह) 7697868545/0771-4000233, आरसन मोटर्स (टिकरपारा) 2274333/666, राजधानी ऑटो केयर, (रिंग रोड नं.1, तेलीबांधा चौक) 0771-2420037, जेन्युईन स्पेअर पार्ट्स के लिए संपर्क करें: अधिकृत स्टॉकिस्ट: संजय ऑटोमोबाईल्स 2226732/7474. Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) रायपुर: आरसन हीरो 9285052266, भिलाई: इंडियन हीरो 9289922355, दल्लीराजहरा: लक्ष्मी हीरो 9289922983.

RS/Hero/03/26

ऐसा हुआ नक्सलवाद पर प्रहार...

हरिभूमि
कांकेर में बचे केवल 24 नक्सली, चंदर और रूपी मोस्ट वांटेड, एसपी ने कहा- जल्द खत्म कर देंगे

हरिभूमि
सुकमा में उखड़ रहे पैर, डीवीसी राजे समेत 13 नक्सली बचे, फोर्स ने कहा- सरेंडर करो या मरो

माड़ में डीवीसीएम मल्लेश ओड़ी समेत 18 सक्रिय, समर्पण या मौत के बाद नारायणपुर हो जाएगा नक्सलमुक्त
दो साल में 99 मारे गए 315 ने हथियार डाला
नक्सल प्रभावित जिलों की कहानी 5
जल्द ही नारायणपुर जिला होगा नक्सलमुक्त
नक्सलवाद के खात्मे की डेडलाइन में 36 दिन शेष

दंतेवाड़ा में बचे सिर्फ 15 नक्सली सरेंडर नहीं करने पर मारे जाएंगे, ढूंढा जा रहा ठिकाना

राजेश दास ⏭ जगदलपुर

केन्द्र सरकार द्वारा जारी नक्सल प्रभावित जिलों की सूची में छग के छह जिले में दंतेवाड़ा भी शामिल है। दंतेवाड़ा में सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के खिलाफ विशेष अभियान चला रखा है, यही वजह है कि बीते दो साल में 53 हार्डकोर नक्सलियों को मार गिराया गया। इन पर करोड़ों रुपए का ईनाम घोषित था। हालांकि इस वर्ष नक्सलियों के साथ कोई मुठभेड़ नहीं हुई है, लेकिन वर्ष 2024 और 25 की बात करें तो फोर्स को नक्सल उन्मूलन में कई बड़ी ⏭ शेष पेज 5 पर

नक्सल प्रभावित जिलों की कहानी 3

दो साल में चार शीर्ष नक्सलियों के साथ 53 ढेर

25 माह में 569 ने किया आत्मसमर्पण

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नक्सलवाद के खात्मे के एलान के बाद जिले में रिकार्ड 569 नक्सली समर्पण कर चुके हैं। वर्ष 2024 में 234, 20... 272 तथा वर्ष 2026 में अब तक 63 नक्सली समर्पण कर मुख्यधारा में ... चुके हैं। इन दो वर्षों में अलग अलग इलाकों से 92 नक्सलियों को गिर... किया जा चुका है। बरामद हथियारों की बात करें तो बीते ⏭ शेष पेज...

बस्तर आईजी सुंदरराज ने कहा- हम नक्सलमुक्त के करीब

अब कभी नहीं लौटेगा नक्सलवाद

नक्सलवाद के खात्मे में अहम भूमिका निभाने वाले बस्तर के आईजी सुंदरराज पी का 31 मार्च 2026 की नक्सलवाद खात्मे की डेडलाइन पर कहना है कि लक्ष्य लगभग प्राप्त कर लिया गया है और अब बस्तर नक्सलमुक्त कहलाने के बहुत करीब है। उनके अनुसार, बस्तर अब नक्सल-मुक्त माने जाने के बेहद करीब है और माओवादी आंदोलन के बड़े पैमाने पर पुनरुद्धार की संभावना अब अत्यंत दूर या दूर की कौड़ी लगती है।

उन्होंने कहा कि बस्तर में नक्सली कैडरों की संख्या में भारी कमी आई है। पूरे रेड कॉरिडोर में जहां पहले लगभग 6,000 सशस्त्र माओवादी थे, अब कुछ ही सक्रिय कैडर ही बचे रहने का अनुमान है। डेडलाइन से ठीक पहले, उन्होंने नक्सलियों को चेतावनी दी थी कि वे हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा में शामिल हों, अन्यथा अंजाम भुगतने के लिए तैयार रहें। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व लगभग समाप्त हो चुका है और बचे हुए लोगों के पास केवल आत्मसमर्पण का ही विकल्प है। आईजीपी ने जोर देकर कहा कि मिशन 2026 केवल सुरक्षा के बारे में नहीं है, बल्कि यह "शांति, विश्वास और विकास" के बारे में है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा कैंपों को अब स्कूलों और अस्पतालों में बदला जा रहा है और अंदरूनी इलाकों तक सड़क और मोबाइल नेटवर्क जैसी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं। पिछले दो सीजन के दौरान सुरक्षा बलों ने बस्तर क्षेत्र में 450 से अधिक नक्सलियों के शव बरामद किए हैं और कई बड़े कैडर मारे गए हैं। समन्वित रणनीति के चलते माओवाद को नेस्तनाबूत किया गया है। उन्होंने यहभी कहा कि डेडलाइन खत्म होने के बाद भी ऑपरेशन बंद नहीं होगा। अब फोकस सिर्फ एनकाउंटर नहीं, बल्कि सरेंडर, पुनर्वास और विकास पर रहेगा। बचे हुए नक्सलियों को फिर से सरेंडर का मौका दिया जाएगा। जो सरेंडर नहीं करेंगे, उनके खिलाफ ऑपरेशन जारी रहेगा। उन्होंने माना कि नक्सलवाद समाप्तप्राय है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। अब रणनीति "बुलेट के साथ-साथ विकास" की होगी। स्थानीय लोगों को जोड़कर नक्सल प्रभाव वाले इलाकों को स्थायी रूप से शांत करने पर जोर दिया जाएगा।

पूर्व डीजी डीएम अवस्थी की डायरी से अनकहे पन्ने

उस वक्त ऐसा लगा जैसे एक किलोमीटर का सफर सैकड़ों कोस का बन गया

सड़क के दोनों तरफ मौत का सन्नाटा था...चारों तरफ खामोशी और वीरानी

आज जब मैं उस मंजर को याद कर रहा हूं, 10 साल पहले जनवरी 2016...

जब मुझे पदोन्नति देकर डीजी नक्सल आपरेशन बनाया गया था। क्या समय था वह... जब मैं पहली बार जगदलपुर-सुकमा पहुंचा था जनवरी 2016 में तो मैंने देखा कि सुरक्षा बलों की रणनीति सुरक्षात्मक ज्यादा थी। नक्सली बेहद आक्रामक थे और उनके मंसूबे खतरनाक। सुरक्षा बलों का मनोबल भी काफी कम था। राज्य पुलिस और केंद्रीय बलों का परस्पर समन्वय भी काफी कमजोर था। एक अत्यंत चुनौतीपूर्ण माहौल में सुरक्षा बलों को लीड करना जोखिम भरा परंतु रोमांचक भी था।

मुझे याद आ रहा है 11 मार्च 2017 की वह घटना जब भेजी कैंप से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर नक्सलियों ने सीआरपीएफ के 12 जवानों को मौत के घाट उतार दिया था। मुझे दूसरे दिन घटनास्थल जाना था। हम हेलीकॉप्टर से भेजी कैंप सुबह पहुंच गए। सीआरपीएफ का अतिरिक्त सुरक्षा बल मौजूद था और बहुत सारे अधिकारी भी। डीआईजी, सीआरपीएफ ने मुझसे कहा कि इस वक्त घटनास्थल पर जाना ठीक नहीं है क्योंकि नक्सलियों ने जरूर वहां पर एंबुश लगा रखा होगा क्योंकि उन्हें पता है कि आज अधिकारी वहां आएंगे और फिर एक बड़ा एंबुश लगाकर ज्यादा कैज्युल्टी कराएंगे।

भेजी इलाका बेहद खतरनाक था

इंजरम से भेजी तक की 20 किमी की सड़क खूनी सड़क थी। इस सड़क ने सुरक्षा बलों को बहुत नुकसान पहंचाया था। नागा बटालियन के काफी सारे जवानों को भी उन्होंने शहीद कर दिया था। सीआरपीएफ और राज्य पुलिस का तो कहना ही क्या!

फिर मैंने सोचा कि जाना तो पड़ेगा ही। क्योंकि नेतृत्व का प्रश्न है। एक तरफ फोर्स के सामने प्रोटोकाल मना कर रहा था दूसरी ओर खतरा भी था और चुनौती भी। मैंने निर्णय किया कि मैं जाऊंगा। मेरे साथ जाने के लिए फोर्स में कोई तैयार नहीं था...मन से। फिर एक सीआरपीएफ का जवान सामने आया जो बिहार से थे, वह तैयार हुए और उनकी बाइक पर पीछे बैठकर मैं घटनास्थल रवाना हुआ। थोड़ी दूर जाने पर देखा कि कुछ लोगों को पीछे सुरक्षा के लिए आना था पर वो नहीं आ रहे थे। हम दोनों आपस में बात करते चले जा रहे थे। एक किमी का यह सफर सैकड़ों किमी का लग रहा था। नक्सलियों का खतरा, घात लगाकर हमला करने का खतरा और सड़क भी सुरक्षित नहीं। हम उस माहौल को भूलकर मंजिल की ओर बढ़ रह थे। उस वक्त मैंने महसूस किया कि सड़क के दोनों तरफ

मौत का सन्नाटा...खामोशी और वीरानी थी। जवान के साथ बाइक पर बैठकर एक किलोमीटर का सफर बेहद खतरनाक था। मैंने उस वक्त महसूस किया बस्तर की फिजा में नक्सलियों का कितना खौफ है।

खैर...

हम सकुशल पहुंच गये और थोड़ी देर बाद पीछे से जवान भी आ गये और सीआरपीएफ के अधिकारी भी। मौके पर आधा घंटा रुकने के बाद हम वापस भेजी कैंप पहुंच गए। सभी ने इस दुस्साहसपूर्ण कदम को पूरे मन से बधाई दी। ऐसी अनेक घटनायें हैं जिनमें हर पल मौत का खतरा था लेकिन ईश्वर की कृपा से सारे खतरों को पार करते हुए आखिर आज हम इस दिन आ गये हैं जब नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है।

भय और आतंक का वातावरण समाप्त हो रहा है और बस्तर में मांदर की थाप सुनाई दे रही है।

सभी शहीदों जिन्होंने इस लड़ाई को अंजाम दिया है उन्हें और उनके परिवारों को मेरा सादर नमन।

एक चुनौती भरा सफर

मुझे 2013 से 2018 तक प्रदेश के गृहमंत्री के रूप में सेवा का अवसर मिला, तब हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती 'नक्सलवाद' थी। जब मैं गृहमंत्री बना उससे पहले झीरम जैसी दुखद घटना ने देश को झकझोंर दिया था। हम सब दुखी थे और आक्रोशित भी। उन दिनों बस्तर और सरगुजा के दुर्गम इलाकों में विकास कार्य करना किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं था। नक्सली निसंदेह हावी थे। लेकिन हमारी सरकार की इच्छाशक्ति दृढ़ थी। हम उन्हें पीछे धकेलने में कामयाब हुए। लोगों को यह विश्वास दिला सके कि हथियार से केवल विध्वंश होता है, सृजन के लिए मुख्यधारा में लौटना ही समझदारी है। लोगों ने हम पर भरोसा किया और नक्सलवाद कमजोर होने लगा।

रामसेवक पैकरा
पूर्व गृहमंत्री

सरकार की साख और छत्तीसगढ़ की शांति का सवाल था...नक्सली हावी थे हम उन्हें बैकफुट पर लेकर आए

हमने सीआरपीएफ और जिला पुलिस बल की संयुक्त टीमें बनाईं। मुझे गर्व है अपने उन जवानों पर, जिन्होंने घने जंगलों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में लगातार सर्चिंग ऑपरेशन चलाए। हमने रणनीतिक रूप से संवेदनशील इलाकों में नए थाने, चौकियां और कैंप स्थापित किए। इसी का परिणाम रहा कि सरगुजा संभाग धीरे-धीरे पूरी तरह नक्सल मुक्त हो गया और बस्तर के सुकमा, दंतेवाड़ा, बीजापुर जैसे अंदरूनी इलाकों में नक्सलियों का घेरा सिमटता चला गया। इस संघर्ष की राह आसान नहीं थी। कई बड़ी घटनाएं हुईं। हम डटे रहे। मोर्चे पर जवानों का हौसला बढ़ाते रहे। मुठभेड़ों के दौरान हमने अपने कई जांबाज जवानों को खोया। उनके बलिदान की टीस आज भी मन में है, लेकिन उनकी शहादत ने हमारे सुरक्षा बलों के मनोबल को कभी टूटने नहीं दिया। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह जी के मार्गदर्शन ने हमें वह संबल दिया, जिसकी बदौलत हम नक्सलियों पर लगातार दबाव बनाए रखने में सफल रहे। डॉ. रमन सिंह जी के समय शुरू हुआ यह अभियान अब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जी के नेतृत्व में निर्णायक मोड़ पर है। आज बड़ी संख्या में नक्सली आत्मसमर्पण कर शासन की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। जो आदिवासी भाई-बहन भटक गए थे, वे अब राष्ट्र की मुख्यधारा में लौटकर छत्तीसगढ़ के विकास में हाथ बंटा रहे हैं।

हमारा मानना था कि भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए केवल बल काफी नहीं है। इसलिए हमने कौशल विकास की योजनाओं को प्राथमिकता दी। केंद्र सरकार से मिले विशेष बजट का

उपयोग हमने उन क्षेत्रों में किया जहाँ विकास की किरण नहीं पहुंची थी। आज सुखद अनुभव होता है यह देखकर कि बस्तर का युवा अब हाथों में हथियार नहीं, बल्कि हुनर और रोजगार के अवसर थामे हुए है। बस्तर, जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खनिज संपदा और समृद्ध संस्कृति के लिए जाना जाता है, अब डर के साये से बाहर आ रहा है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे जवानों के बलिदान और सरकार की अटूट इच्छाशक्ति के कारण प्रदेश इस समस्या से पूरी तरह मुक्त होगा। अब बस्तर में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं हर घर तक पहुंचेंगी और छत्तीसगढ़ चहुंमुखी विकास के पथ पर बेफिक्र होकर आगे बढ़ेगा।

तकनीक का प्रहार, सटीक वार जंगल में नक्सल संगठन तार-तार

ड्रोन सर्विलांस, सैटेलाइट इमेजरी, जीआईएस मैपिंग और रियल-टाइम इंटेलिजेंस के सहारे बस्तर के घने जंगलों में चलाए गए सटीक ऑपरेशन अब निर्णायक परिणाम दे रहे हैं। इसी हाईटेक रणनीति, मजबूत सुरक्षा तंत्र और जनसहयोग के दम पर मिशन 2026 के अंतिम 26 महीनों में नक्सलियों का 46 साल पुराना तिलिस्म टूट गया है और संगठन का ढांचा बिखरने की कगार पर पहुंच गया है।

राजेश दास ⏭ जगदलपुर

केंद्रीय गृहमंत्री द्वारा तय 31 मार्च की डेडलाइन से पहले ही बस्तर में नक्सलवाद का असर लगभग खत्म होता नजर आ रहा है। पुलिस और सुरक्षा बलों की समन्वित कार्रवाई ने न केवल शीर्ष नेतृत्व को निशाने पर लिया, बल्कि निचले कैडर तक संगठन की पकड़ को कमजोर कर दिया। यही वजह है कि अब नक्सलियों के बीच आत्मसमर्पण की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है।

अबूझमाड़, नेशनल पार्क, दक्षिण, उत्तर और पूर्व बस्तर के दुर्गम इलाकों में सुरक्षा कैंपों के विस्तार और लगातार ऑपरेशन ने माओवादियों के पारंपरिक गढ़ को भी हिला दिया है। जनरल सेक्रेटरी बसवा राजू समेत कई वरिष्ठ कैडरों के मारे जाने और मिडिल व बेस कैडर के टूटने से संगठन भीतर से कमजोर हो गया है। मार्च 2026 की तय समयसीमा का मनोवैज्ञानिक दबाव भी कैडरों पर साफ दिख रहा है। स्थानीय स्तर पर जनसमर्थन में गिरावट, राजनीतिक गतिविधियों का कमजोर पड़ना और सरकार की पुनर्वास नीति के प्रभाव ने नक्सलियों का संगठन से मोहभंग तेज कर दिया है। अब बचे हुए गिने-चुने नक्सलियों के पास सीमित समय है, जिसमें उन्हें आत्मसमर्पण का विकल्प चुनना होगा।

मिशन 2026 के 26 महीनों में टूटा 46 साल का तिलिस्म, 499 नक्सली ढेर, समर्पण की लहर तेज

राहत की बात

- 2026 में अब तक एक भी जवान शहीद नहीं
- हथियार लूट की घटनाएं शून्य
- पहले हर साल 120-150 नागरिकों की मौत होती थी
- 2026 में अब तक केवल 2 मौतें
- यह संकेत है कि क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हुई है और नक्सली प्रभाव तेजी से सिमट रहा है।
- नक्सलियों के संगठन से मोहभंग के 5 प्रमुख कारण

मिशन 2026 केवल सुरक्षा अभियान नहीं, बल्कि शांति, विश्वास और विकास की दिशा में एक व्यापक प्रयास है। बेहतर आसूचना और समन्वय से नक्सलियों की क्षमता और प्रभाव क्षेत्र में उल्लेखनीय कमी आई है। हमारा लक्ष्य शून्य हानि सुनिश्चित करना है।

सुंदरराज पट्टलिंगम, आईजी बस्तर

26 महीनों की तस्वीर

मुठभेड़ों में मारे गए नक्सली

कुल:	499
2024:	217
2025:	256
2026 (23 मार्च तक):	26

गिरफ्तार नक्सली:

2024:	929
2025:	898
2026:	94

आत्मसमर्पण करने वाले नक्सली:

2024:	792
2025:	1573
2026:	373

इन आंकड़ों से स्पष्ट है कि नक्सली संगठन की सैन्य क्षमता और नेतृत्व संरचना को गंभीर आघात पहुंचा है और भीतर असंतोष बढ़ा है।

हथियार और विस्फोटकों की बरामदगी बरामद हथियार:

2024: 286
2025: 677
2026: 237

बरामद आईईडी

2024: 308
2025: 894
2026: 220

इससे नक्सलियों की हमलावर क्षमता लगातार कमजोर हुई है।

केंद्र से नहीं मिली पूरी मदद, जनता के विश्वास, विकास और सुरक्षा के मूल मंत्र को लेकर आगे बढ़े

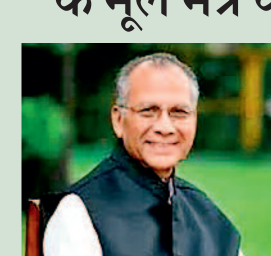
ताम्रध्वज साहू, पूर्व गृहमंत्री

कांग्रेस सरकार के समय नक्सलवाद से निपटने के लिए बस्तर में विकास, विश्वास और सुरक्षा के मूल मंत्र का लेकर आगे बढ़ा।वहां ग्रामीणों को जल, जंगल, जमीन का अधिकार दिलाने उन्हें वनाधिकार पट्टे दिए गए। लघु वनोपज समर्थन मूल्य में खरीदी कर ग्रामीणों को आर्थिक रूप सक्षम बनाने का प्रयास किया गया। वहां की बंद पड़ी स्कूलों को खोला गया।बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, सुरक्षा कैंप बनाए गए।

सुरक्षा कैंप खुलने का ग्रामीणों में भय रहा कि पुलिस उन्हें पीटेगी, लेकिन सुरक्षा कैंप खुलने के बाद सुरक्षा बल के जवान ग्रामीणों को इलाज में मदद, खेलकूद कराते थे।बच्चों की पढ़ाई की बात करते थे। इससे ही कई जगहों पर नक्सल मुवमेंट में कमी देखने में आई। कांग्रेस सरकार के समय नक्सलियों की घर वापसी कार्यक्रम लोन वर्राटू चलाया गया। नक्सली मुवमेंट में शामिल कुछ नक्सली पकड़े गए, कुछ मारे गए उसका भी असर हुआ और नक्सल गतिविधियों को एक सीमित क्षेत्र में समेटने का कार्य किया गया।केंद्र सरकार से राज्य को पूरी मदद नहीं मिल पा रही थी। राज्य सरकार के द्वारा मांग करने पर जितना मिला उससे नक्सलियों को पीछे खदेड़ने का प्रयास किया गया। उस समय राज्य सरकार की विकास, विश्वास और सुरक्षा से जनता में भी विश्वास जागा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 31 मार्च को छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ अब नक्सलवाद जैसे गहरे नासूर से बाहर निकलकर विकास, विश्वास और सुशासन के नए युग की शुरुआत कर रहा है। श्री साय ने इस उपलब्धि का सीधा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट रणनीति और अडिग इच्छाशक्ति को देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता उनके प्रति आभार व्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों ने नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक परिणाम दिए हैं और हमारे सुरक्षाबल के जवानों के अदम्य साहस से यह संभव हुआ है।

डबल इंजन सरकार की ताकत से खत्म हुआ नक्सलवाद, छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक दिन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस विषय पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बयान को लेकर भी तीखा पलटवार किया। उन्होंने कहा कि उनका बयान न केवल तथ्यहीन है, बल्कि अपनी विफलताओं को छिपाने का एक प्रयास भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नक्सल विरोधी अभियान में अपेक्षित सहयोग नहीं मिलने की जो बात कही गई है, उसे झुठलाने की भूपेश बघेल जी की कोशिश दरअसल सच्चाई से मुंह मोड़ने जैसा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भूपेश सरकार के समय न तो स्पष्ट रणनीति दिखी और न ही दृढ़ इच्छाशक्ति, जिसके कारण नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई कमजोर पड़ी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जब निर्णायक कार्रवाई हो रही है, तब पिछली विफलताओं पर पर्दा डालने के लिए ऐसे बयान दिए जा रहे हैं।

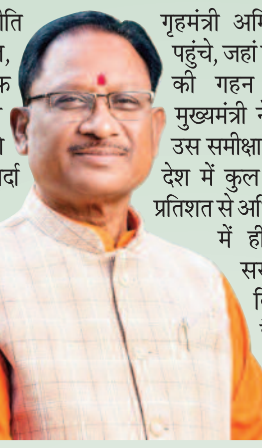

उन्होंने कहा कि दिसंबर 2023 में सरकार बदलते ही केंद्र और राज्य के बीच समन्वय स्थापित हुआ और अगले ही महीने गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ पहुंचे, जहां नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की गहन समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उस समीक्षा में यह स्पष्ट हुआ कि देश में कुल नक्सलवाद का 75 प्रतिशत से अधिक प्रभाव छत्तीसगढ़ में ही था, जो पूर्ववर्ती सरकार की नीतिगत विफलता का प्रमाण है। यदि पूर्व सरकार ने अपने पांच साल के कार्यकाल में माओवाद के खिलाफ दृढ़ इच्छाशक्ति और सही नीयत से लड़ाई लड़ी होती, तो प्रदेश की स्थिति आज इतनी गंभीर नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्य राज्यों में नक्सलवाद सीमित स्तर पर सिमट चुका था, लेकिन छत्तीसगढ़ में इसकी गंभीरता बनी रही, जो इस बात को दर्शाती है कि तत्कालीन सरकार ने केंद्र के साथ अपेक्षित सहयोग नहीं किया और नक्सलवाद के खिलाफ पूरी प्रतिबद्धता के साथ संघर्ष करने की इच्छाशक्ति का अभाव था। उन्होंने कहा कि आज जब भूपेश बघेल इस मुद्दे पर बयान दे रहे हैं, तो वे सरासर झूठ बोल रहे हैं और प्रदेश की जनता सच्चाई को भली-भांति जानती है।

सटीक रणनीति का परिणाम

मुख्यमंत्री साय ने इस बड़ी उपलब्धि का सीधा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मजबूत नेतृत्व, स्पष्ट रणनीति और अडिग इच्छाशक्ति को दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की तीन करोड़ जनता उनके प्रति आभार व्यक्त करती है और डबल इंजन सरकार के समन्वित प्रयासों से नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक परिणाम मिले हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद समाप्त करने का स्पष्ट लक्ष्य तय किया था और आज यह लक्ष्य जमीनी हकीकत में बदलता दिख रहा है।

नक्सलवाद पर राहुल की भूमिका संदिग्ध

श्री साय ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि नक्सलवाद जैसे गंभीर राष्ट्रीय मुद्दे पर उनका रुख न केवल भ्रम पैदा करने वाला है, बल्कि उनकी मंशा पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। तथाकथित 'भारत जोड़ो यात्रा' के दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में जिन घटनाओं में नक्सल विचारधारा समर्थक तत्वों के साथ मंच साझा करने और संवाद की स्थिति बनी, उसने पूरे देश को सोचने पर मजबूर किया है कि आखिर यह किस तरह की राजनीति है। हिडमा जैसे खूंखार नक्सली के मारे जाने के बाद "घर-घर में हिडमा पैदा होंगे" जैसे नारे लगना आपत्तिजनक है।

मुख्यधारा में लौटे पूर्व नक्सलियों ने हरिभूमि को सुनाई अपनी दास्तां

जंगल में खौफ के साये में थी जिंदगी बाहर निकले तो सुकून की बयार

महेन्द्र विश्वकर्मा ⏭ जगदलपुर

खास खबर

सरेंडर करने वाले पूर्व नक्सलियों का कहना है कि मुख्यधारा में लौटकर अपने परिवार और बच्चों के साथ शांति से रहना चाहते हैं। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों विशेषकर बस्तर संभाग में हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों का जीवन अब बदल रहा है। नक्सली विचारधारा से जुड़े रहकर रसद राशन, हथियार और अन्य सामग्री पहुंचाने वाले लॉजिस्टिक्स सपोर्ट सरेंडर के बाद अब वेल्डिंग और अन्य तकनीकी कार्य सीखकर नया जीवन शुरू करने का सपना देख रहे हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों को समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए शासन-प्रशासन पुनर्वास केंद्रों में कौशल विकास कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं। इन केंद्रों में वेल्डिंग, कारपेंट्री, बिजली के काम और अन्य तकनीकी प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

बस्तर संभाग में 1607 आत्मसमर्पित नक्सली प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिसमें महिला, पुरूष शामिल हैं। इसमें से बीजापुर जिले में 619, सुकमा जिले में 288, दंतेवाड़ा जिले में 257, नारायणपुर जिले में 239, बस्तर जिले में 14, कांकेर जिले में 142 एवं कोंडागांव जिले में 48 आत्मसमर्पित नक्सली रोजगार के लिए कौशल प्रशिक्षण ले रहे हैं। बस्तर जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज में प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित सुदामा, बंडू, सुरेश आदि ने बताया कि बीजापुर जिले के लगभग 12 गांव के 28 नक्सलियों को राशन आदि सामान पहुंचाने का काम कर रहे थे। सभी 28 युवकों जनवरी में बीजापुर में सरेंडर किया है। सभी लोग वेल्डर का कार्य सीख रहे हैं। उन्होंने बताया कि जंगल में भटकते जीवन कट रहा था, कब जान चली जाएगी इसका खौफ बना रहता था। साथ ही न खाने का ठिकाना और न रहने का। इस तरह मजबूरी में जीवन जी रहे थे। लेकिन अब सरेंडर के बाद सरकार शांतिपूर्ण जीवन जीने का अवसर दे रही है इससे खुशहाली आई है।

बस्तर संभाग में 1607 आत्मसमर्पित नक्सली ले रहे प्रशिक्षण, बदल रहा जीवन

- मुख्यधारा में लौटकर अपने परिवार और बच्चों के साथ शांति से रहना चाहते हैं
- तकनीकी गुर सीखकर नया जीवन शुरू कर रहे
- कौशल विकास कार्यशाला से सरेंडर नक्सली हुनरमंद बनने की राह में

सरकार ने दी एक नई पहचान

सुदामा पंडरा ने बताया कि आत्मसमर्पण के बाद जिंदगी में बड़ा बदलाव आया है। अब परिवार और भविष्य के सपने साफ दिखाई दे रहे हैं। माओवादी संगठन का दबाव से निजी जिंदगी पूरी तरह से खत्म थी, न घर का सपना, न परिवार की चाहत, सिर्फ नक्सली विचारधारा को आगे बढ़ाना ही मकसद था। वर्तमान में सरकार की पुनर्वास नीति और समाज की स्वीकार्यता ने नक्सलियों को एक नई पहचान दी है।

यह जिंदगी अच्छी है

आत्मसमर्पित बंडू गोटा ने बताया कि इस जिंदगी और उस जिंदगी में बहुत फर्क है। अब हम अपने परिवार और रिश्तेदारों से मिल सकते हैं। कहीं आ-जा सकते हैं, लेकिन वहां ऐसा नहीं था, वहां बहुत बंदिशें थीं। अब हम बहुत खुश हैं, हम बहुत खुश है, यह जिंदगी अच्छी है।

आत्मसमर्पितों को दे रहे प्रशिक्षण

बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि रेंज के 1607 आत्मसमर्पितों विभिन्न जिलों में कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे लोग रोजगार कर सकें, अपने परिवार और बच्चों के साथ शांति से रह सकें। इसलिए आत्मसमर्पितों को जेसीबी चलाना, ट्रैक्टर ऑपरेटर कोर्स, इलेक्ट्रीशियन, हॉटल मेनेजमेंट, माली, कारपेंटर आदि का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

दो बरस में 2700 नक्सलियों ने छोड़ी हिंसा, 552 को रोजगार 6 को मिली सरकारी नौकरी

- सरकार की पुनर्वास नीति की भी रही नक्सलवाद खत्म करने में अहम भूमिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

नक्सलवाद खत्म करने में प्रदेश सरकार की पुनर्वास नीति की भी अहम भूमिका रही। आंकड़े इस बात के गवाह हैं। दरअसल, प्रदेश में पिछले दो साल में 2700 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। इनमें से 552 आत्मसमर्पित नक्सलियों को नौकरी और अन्य रोजगार मुहैया कराया गया है, इनमें से 6 को सरकारी नौकरी दी गई। बस्तर क्षेत्र में नक्सलियों के पुनर्वास के लिए राज्य सरकार ने आत्मसमर्पित नक्सलियों को पुनर्वास नीति के तहत सहायता दी। उन्हें राज्य सरकार विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने का प्रयास कर रही है।

नक्सलवाद को खत्म करने की डेडलाइन खत्म हो गई है। अब भी सक्रिय नक्सली कमांडरों से समर्पण का इंतजार किया जा रहा है। सरकार ने 31 मार्च तक नक्सलियों के खात्मे का ऐलान किया था। एक दिन बाकी रह गया है। ज्यादातर जिलों में नक्सली आत्मसमर्पण कर चुके हैं। कुछ अब भी बाकी हैं। बताया गया कि प्रदेश में पिछले दो सालों में कुल 2697 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पित नक्सलियों को सुरक्षा की दृष्टि से पुलिस लाइन, अस्थायी सुरक्षा कैम्प, और जिला पुनर्वास केंद्रों में सुरक्षित रूप से रहने की सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें छत्तीसगढ़ नक्सलवादी आत्मसमर्पण पीड़ित राहत पुनर्वास नीति 2025 के तहत सामाजिक और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए नौकरी रोजगार का प्रावधान किया गया है।

ये लाभ दिए जा रहे

आत्मसमर्पित नक्सलियों को राज्य सरकार जिन योजनाओं के माध्यम से लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रही है, उनमें ऋण, स्वयं और बच्चों की शिक्षा की व्यवस्था, महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं का लाभ, अविवाहित होने की स्थिति में 1 लाख रुपये तक की अनुदान राशि देने का प्रावधान है। साथ ही निः शुल्क विद्युत कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ, भूखण्ड, कृषि जमीन क्रय करने के लिए स्टाम्प ड्यूटी, पंजीयन शुल्क में छूट आदि सुविधाएं प्रदान की जा रही है।

2 हजार किए गए गिरफ्तार

वर्ष 2024 में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नक्सलियों के खात्मे के ऐलान के बाद सुरक्षा बलों ने मोर्चा संभाला। इस दौरान छत्तीसगढ़ में समय समय पर थोक में नक्सलियों ने समर्पण किया। साथ ही, 2000 नक्सलियों को सुरक्षा बलों के माध्यम से गिरफ्तार भी किया गया। 500 नक्सलियों को मारा गया। जो नक्सली मुख्य धारा में वापस लौटे हैं, उन्हें राज्य सरकार पुनर्वास नीति के तहत सुरक्षा और अन्य उपायों को पूरा करने में लगी है।

आखिरी दिन 25 का सरेंडर सात किलो सोना और दो करोड़ से ज्यादा रकम मिली

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

''पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन'' पहल के अंतर्गत मंगलवार को आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डी के ए स जे ड सी दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी, से जुड़े 25 माओवादी कैडरों ने हिंसा का मार्ग त्यागकर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया। यह कार्यक्रम समाज के वरिष्ठजनों आत्मसमर्पण करने वाले कैडरों के परिवारजनों पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी., उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ ऑप्स सेक्टर बीएस नेगी, पुलिस अधीक्षक, डॉ. जितेन्द्र कुमार यादव , पुलिस-केंद्रीय सुरक्षाबलों तथा प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। पुनर्वास करने वाले कैडरों में माओवादी संगठन के विभिन्न स्तरों के पदाधिकारी शामिल रहे। इनमें डिवीजनल कमेटी सदस्य बटालियन/कंपनी सदस्य- 7, पीपीसीएम- 4, एसीएम-6 एवं 5 पार्टी सदस्य शामिल हैं । इन सभी पर 1.47 करोड़ रुपये की ईनाम घोषित है, जो इस सामूहिक आत्मसमर्पण को नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास की एक अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि बनाती है। बताया गया कि इनके पास से 14.06 करोड़ की बरामदगी हुई है जिसमें 2.90 करोड़ नगद एवं 11.16 करोड मूल्य का 7.20 किग्रा सोना मिला है। साथ ही 93 घातक हथियार भी बरामद किए गए। आत्मसमर्पण की इस प्रक्रिया में डीआरजी, जिला बल, छसबल, एसटीएफ कोबरा, केरिपु बलों का विशेष योगदान रहा है । इन सभी बलों ने लगातार क्षेत्र में अपनी सक्रियता, विश्वास निर्माण और संवेदनशील व्यवहार से माओवादियों को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित किया है।

93 घातक हथियार हुए बरामद

इतना था इनाम

प्लाटून कमांडर मंगल कोरसा ऊर्फ मोटू 42 वर्ष निवासी मुनगा थाना गंगालूर पर 8 लाख का इनाम था। प्लाटून कमांडर आकाश उर्फ फागु उईका उम्र 38 वर्ष निवासी कमकानार तेलगापारा थाना गंगालूर पर 8 लाख का इनाम था। शंकर मुचाकी उम्र 33 वर्ष निवासी गोरना पुजारीपारा पर 8 लाख का इनाम बताया गया है। पाले कुरसम निवासी मनकेली भी मुख्यधारा में लौटा।

विपक्ष ने सरकार पर उठाए सवाल

भूपेश बोले- शाह से बहस के लिए तैयार

रायपुर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के कथन अनुसार छत्तीसगढ़ में 31 मार्च को नक्सलवाद का आखिरी दिन है। कल लोकसभा में उन्होने झूठ बोला कि कांग्रेस की सरकार ने मदद नहीं की। मैं चुनौती देता हूं कि अमित शाह को जिस मंच में जिस जगह में स्थान और समय तय कर लें मैं बहस के लिये तैयार हूं। उन्हें प्रदेश और देश को गुमराह नहीं करना चाहिये। वह झूठ पे झूठ बोलते जा रहे हैं। नक्सलवाद के मामले में कांग्रेस का स्टैण्ड बहुत स्पष्ट रहा है और हमारी सरकार ने कांग्रेस की नीति के अनुरूप काम किया है। राजनैतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से हमने वहां के आदिवासियों को सम्पन्न बनाया। वनाधिकार पट्टे दिये, स्कूल खोले, उनके इलाज की व्यवस्था की जबकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इससे वंचित रखा था।

नक्सल मुक्त गांवों को कब देंगे 1 करोड़

श्री बघेल ने कहा, मैं अमित शाह से पूछना चाहता हूं कि शाह ने घोषणा की थी कि जिस गांव में नक्सलवाद मुक्त होगा, उस गांव में हम 1 करोड़ रुपए देंगे। अब नक्सलवाद 31 मार्च को समाप्त हो गया। अमित शाह बताएं बस्तर के प्रत्येक गांव में 1 करोड़ रुपए कब देंगे? शाह लगातार झूठ बोल रहे हैं और बस्तर में जो हमारे डीआरजी के जवान शहीद हुये जो छत्तीसगढ़ के सरकार ने नियुक्त किया था और उन्हीं की बदौलत, ताकतवर और उन्हीं के शहादत से ही नक्सलवाद आखिरी सांसें ले रहा है। शाह उनके बलिदान को नकार रहे। अमित शाह 5 साल से जो हमारे जो जवान शहीद हुये, उनका वो अपमान कर रहे हैं और झूठ पे झूठ बोले जा रहे हैं।

डॉ. महंत ने कहा- भय खत्म तो सुरक्षा क्यों

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सरकार के नक्सलवाद समाप्ति के दावों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी खुद चाहती है कि प्रदेश से यह अभिशाप खत्म हो, क्योंकि नक्सलवाद के कारण कांग्रेस ने अपने शीर्ष नेतृत्व की पूरी एक पीढ़ी खोई है। उन्होंने सरकार से पूछा कि अगर सरकार के अनुसार नक्सलवाद वास्तव में समाप्त हो गया है, तो क्या वह निम्नलिखित कदम उठाने को तैयार है।

सुरक्षा की समीक्षा : क्या बस्तर के संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात जनप्रतिनिधियों की सुरक्षा हटाई जाएगी?

वीआईपी सुरक्षा : यदि भय खत्म हो गया है, तो डॉ. रमन सिंह जैसे नेताओं को दी जा रही भारी-भरकम जेड प्लस सुरक्षा का क्या औचित्य है?

लैंड माइंस का खतरा: बस्तर के अंदरूनी इलाकों में आज भी जो सैकड़ों लैंडमाइंस सक्रिय हैं, उनसे आम जनता और जवानों को सुरक्षा की गारंटी कौन देगा?

सड़क मार्ग का उपयोग : क्या अब सत्ता में बैठे बड़े नेता और देश के गृहमंत्री बस्तर के दौरों के लिए हेलीकॉप्टर के बजाय सड़क मार्ग का उपयोग करेंगे?

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत का मानना है कि हवाई दावों से बस्तर की जनता को गुमराह नहीं किया जा सकता। जब तक जमीन पर स्थिति नहीं बदलती, तब तक ये सवाल खड़े रहेंगे।

गृहमंत्री बोले- हथियारबंद नक्सली कैडर खत्म मुख्य चुनौती आदिवासी संस्कृति के संरक्षण की

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री और गृहमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य में हथियारबंद नक्सली कैडर पूरी तरह से समाप्त हो गया है, अब मुख्य चुनौती पर्यावरण तथा आदिवासी संस्कृति के संरक्षण तथा बस्तर के विकास है। दो वर्ष पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए स्पष्ट समयसीमा तय करना, तकनीक आधारित खुफिया तंत्र और सुरक्षा बलों द्वारा सटीक अभियान ने इस दिशा में अहम भूमिका निभाई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के गृह मंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को प्रेस क्लब के हमर पहुना कार्यक्रम के पहले पहुना के रूप में नक्सलवाद पर विजय कार्यक्रम में ये बातें कही। उन्होंने कहा, 5 दशक से नक्सलवाद की समस्या को 2 साल में समाप्त करने के संकल्प के लिए बहुत साहस और सामर्थ्य का विषय है।

श्री शर्मा ने इसे पिछले दो सालों की सबसे बड़ी उपलब्धि बताते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व को इसका श्रेय दिया है। उन्होंने कहा कि इनके प्रयासों के संविधान का शासन बस्तर और राज्य के हर कोने तक पहुंचा है।

पत्रकारों से चर्चा करते हुए उप मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री विजय शर्मा ने कहा नक्सल विरोधी अभियान इतने सटीक थे कि सुरक्षा कर्मियों को खरोंच तक नहीं आई, जबकि कई नक्सली मारे गए। पिछले दो साल में हमारी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि नक्सलवाद पर नियंत्रण पाना रही है। उन्होंने कहा यह सच है कि हथियार बंद नक्सलवाद से मुक्ति का जो विषय था, वह अब पूरा हो चुका है। आज जब हम बात कर रहे हैं, तो मेरा ये मानना है कि जो 15 से 20 नक्सली शेष हैं वे भी पुनर्वास की प्रक्रिया में हैं। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह सच है कि पूरा कैडर खत्म हो चुका है, लेकिन लोगों को इसे पूरी तरह स्वीकार करने में समय लगेगा। एहतियाती इंतजाम जारी रहेंगे।

- नक्सलवाद को खत्म करने तकनीक आधारित खुफिया तंत्र और सुरक्षा बलों का सटीक अभियान काम आया

सुरक्षा शिविर थाने-स्कूल अस्पताल बनेंगे

मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि अंदरूनी इलाकों में मौजूद करीब 400 सुरक्षा शिविरों को धीरे-धीरे पुलिस थानों, स्कूलों, अस्पतालों या पंचायत भवनों जैसे आधारभूत ढांचों में बदला जाएगा। श्री शर्मा ने कहा कि बस्तर को बदलने के लिए निरंतर प्रयास जरूरी है, वहां के युवाओं में अपार प्रतिभा है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के राजनीति में आने के सवाल पर उन्होंने कहा कि संविधान सभी नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने की स्वतंत्रता देता है, बशर्ते वे हिंसा का रास्ता छोड़ दें। पत्रकारों के इस सवाल पर आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ मामले वापस लिए जाएंगे? जवाब में उन्होंने कहा, यह एक राष्ट्रीय स्तर का नीतिगत निर्णय है। हमें इन सभी पहलुओं पर विचार करना होगा, क्योंकि उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया है। कोई भी निर्णय राष्ट्रीय स्तर पर ही लिया जाना चाहिए।

लाल आतंक नहीं, अब हरा भरा छत्तीसगढ़

उनके नाम, जिन्होंने छत्तीसगढ़ को शांत और सुरक्षित बनाया

स्वर्ण अक्षरों में शहीदों का शौर्य.....

पहली बार बस्तर में शहीद हुए रणबांकुरों के नाम एक साथ **हरिभूमि** में एक ही स्थान पर...

बस्तर में शहीद 1382 रणबांकुरों के नाम इन्हें हरिभूमि का शत-शत प्रणाम...

पीछे आंसुओं का सैलाब...

यह सिर्फ नामों का संकलन नहीं है...छत्तीसगढ़ की धरा की शांति का इतिहास

यह बस्तर की उस धरती का इतिहास है, जिसे इन 1382 रणबांकुरों ने अपने रक्त से सींचकर सुरक्षित रखा। हर नाम एक अधूरी कहानी है, हर पंक्ति में एक परिवार का साहस और एक राष्ट्र की कृतज्ञता छिपी है। इन्होंने रक्तपात और हिंसा के अंधेरे में डूबे बस्तर की धरती पर शौर्य की ऐसी लौ जलाई, जिससे आज शांति की रोशनी संभव हुई है। इनके अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान और उस अमिट विरासत को नमन, जिसने हमें सुरक्षित वर्तमान और आश्वस्त भविष्य दिया। यह पहली बार है, जब बस्तर में शहीद हुए 1382 रणबांकुरों के नाम एक साथ, किसी समाचार पत्र में, एक ही स्थान पर दर्ज किए जा रहे हैं ताकि इतिहास उन्हें सिर्फ आंकड़ों में नहीं, बल्कि सम्मान और स्मृति में संजो सके। यह सूची मात्र नामों का संकलन नहीं, बल्कि उन वीरों की अमर गाथा है, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर हमारी धरा को सुरक्षित और शांत बनाया।

हरिभूमि इन अमर वीरों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है....

बस्तर संभाग के सातों जिलों में शहीद हुए केन्द्रीय अर्धसैनिक बल व सीजी पुलिस के जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए नक्सलियों का मुकाबला किया और वीरगति को प्राप्त किया। इनमें बस्तर जिले में 41, नारायणपुर जिले में 149, कोण्डागांव जिले में 40, कांकेर जिले में 94, बीजापुर जिले में 449, सुकमा जिले में 186 तथा दंतेवाड़ा जिले में 423 कुल 1382 जवानों की शहादत हुई।

बस्तर जिले में सीजी पुलिस के 28 व अर्धसैनिक बल के 13 जवान हुए शहीद

बस्तर में सीजी पुलिस के शहीद जवानों में लैखन सेठिया, डिग्रेश्वर शांडिल्य, अनंत राम नाग, महेन्द्र ध्रुव, उमेश कुमार कुंजाम, चैतराम ठाकुर, उकेश ठाकुर, नरेन्द्र कुमार साहू, निरलेश कुमार ठाकुर, ईमानुएल केरकेट्टा, पात्रिक खलखो,चंद्रहास ध्रुव, राहुल प्रताप सिंह, पवन कोंड्रा, तरुण देशमुख, दीपक उपाध्याय, अशोक कुमार, प्रफुल्ल शुक्ला, सियाराम, लवकुमार भगत, कृष्णपाल सिंह, मनारूराम बेंजाम, बेंजामी हांदो, जलनु पोडियामी, भीमा कवासी, सन्नू सोढ़ी, बुधराम कवासी व नेवरू राम बेंजाम शामिल है। वहीं बस्तर में शहीद अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ के शहीद 13 जवानों में दिवाकर महापात्र, सुनीलदेव वर्मा, एलके कोरा, नवीन झा, विवेक कुमार यादव, दिलीप चतरौली, धर्मेश्वर नाथ, प्रवीण पी, एनके राय, जे कांतिभाई, एम ओबालेसु, सीताराम व धीरज कुमार सिंग शामिल है।

दंतेवाड़ा में सीजी पुलिस के 208 व सीआरपीएफ के 215 जवान शहीद

दंतेवाड़ा जिले में शहीद सीजी पुलिस के शहीदों में सेलस्टिन कुजूर, बुद्धदेव साहू, देवेंद्र सिंह, उपेंद्र कुमार साहू, कनेश्वर नेताम, डीआर जुर्री, चंद्रभान मिश्रा, मोहन सिंह ठाकुर, रामलाल श्रीवास, सकुर सिंह ठाकुर, कमलू राम, जोहित राम मरकाम, शोभाराम सोढ़ी, चीतूराम कश्यप, घनश्याम ठाकुर, राज किशोर शर्मा, रमेश यादव, जयप्रकाश, चीतूराम नाग, कवासी मासा, बी राजकुमार, गौरहरी साव, राजेंद्र राम साहू, हिंछाराम निषाद, पतिराम नेताम, श्यामलाल कामड़े, नारायण सिंह सोरी, संतोष पाठक, ताराशाह मंडावी, मोडियामी सोमैया, विजेंद्र रामपुरे, मनबहाल राम मंडावी, अलेक्जेंडर मिंज, श्री हरिमेहता, बिदेसिंह नरेटी, शोभा सिंह मरकाम, चंद्रशेखर रंगारी, कौशलेश सिंह, मार्टिन एक्का, रामेश्वर ध्रुव, धीरेंद्र नागभिरे, रामकुमार पटेल, राजनारायण सिंह, जनजागरण चिन्नूर हनुमंत राव, मोहन मंडावी, दिलीप बुडगूल, दियारू राम, कवासी दूले, सोयम नंदा, सोयम कन्ना, सोयम नरैया, सोंदे मुकेश, किसके नागा, कट्टम हड़मा, किसके मासा, सोढ़ी जोगा, पोडियाम पोज्जा, लखनलाल मरकाम, बोडू तामैया, सोयम जोगा, कुंजाम भागीरथी, तामेश्वर सिन्हा, हीरासिंह निषाद, सोयम मनोज, कट्टम सुब्बा, सोयम मुकेश, सोयम वेक्टेश्वर, सलबम रमेश, सलबम तमैया, हुंगाराम मरकाम, भोगामी मंगू उर्फ गुड्डी राम, हेमंत कुमार मंडावी, कुंजाम लखमा, नानीराम, गुज्जा कश्यप, कवासी भीमा, सोढ़ी श्यामू, संदाम हुंगा, कृष्णा नाग, मड़कम जोगा, चमरू राम महंती, विजय सूर्याकर, विष्णुराम जुर्री, लखमूराम गोयल, मुकेश वर्मा, लच्छूराम पोडियामी, लच्छूराम मरकाम, दशरू राम भोगामी, गोपाल सिंह, मौसम लक्ष्मैया, पोडियामी बुधरा, फूलजेंस मिंज, रामाराम इच्छाम, पाण्डा सोमा, सोयम लच्छा, कट्टम रमेश, कवासी कन्ना, मड़कम हिड़मा, लक्ष्मीनारायण ध्रुव, कारम राजू, वेट्टी सुब्बा, कट्टम रमेश, शिवकुमार भुआर्य, राजू हुर्रा, मंगडू राम, सोनूधर, सियाराम ध्रुव, जग्गू भास्कर, कट्टम गंगा, मौसम मुत्ता, पदलाम कश्यप, जयदेव कुमार सोयम, माडवी सादिक, सोडी श्रीनू, पुल्ली बदरिया, सोयम जोगा, रमेश कुमार, माडवी लच्छा, सोयम चंद्रा, राजेश कुजूर, अशोक कुमार मरकाम, संतोष कुमार यादव, नोबल खलखो, देवनाथ नाग, पदुम सिंह भूआर्य, कोड़ी नागेश, इस्माइल खान, मुन्ना मड़कामी, माडवी मुकेश, कवासी दसरू, वेट्टी विक्की आनंद, ईश्वरलाल कश्यप, कोसा राम मरकाम, बुधरूराम पोयाम, कुडियम मुरा, किशन चुरेंद्र, गजेंद्र ठाकुर, इतवारी राम कड़ती, योगेश्वर मिडियामी, सुनील कुमार कर्मा, चमनलाल ओयाम, सुखनाथ गावड़े, रतिराम मौर्य, बक्सू राम ओयाम, डीएन नागवंशी, भूषण मंडावी, अल्सन एक्का, लक्ष्मण राम भगत, अजय कुमार उर्फ परदेशी, करतम सूर्या, उईका बुधरा, किशुन कुजूर, मोहम्मद अमजद खान, महावीर प्रसाद मारकोले, जितेंद्र साधक, विवेकानंद त्रिपाठी, जयकुमार मंडावी, बुधरूराम कश्यप, मंगूराम पोड़ियाम, पवन कोंड्रा, गौतम पांडे, विवेक शुक्ला, संदीप कुमार यदु, धनेश्वर मंडावी, नवल किशोर शांडिल्य, छविलाल काशी, शंकर प्रसाद जोशी, शिवा कश्यप, लल्लू प्रधान, मंगडू राम मंडावी, सामनाथ अट्टामी, आदित्यशरण प्रताप सिंह तंवर, निर्मल कुमार नेताम, सुखराम गावड़े, हिंगा मंडावी, रामकुमार यादव, टिकेश्वर कुमार ध्रुव, सालिक राम सिन्हा, हुंगा कर्मा, रुद्रप्रताप सिंह, मंगलू राम मंडावी, राकेश कुमार कौशल, दंतेश्वर मौर्य, सन्नू सोढ़ी, कैलाश नेताम, मोहन भास्कर, उमेश मरकाम, पन्नीराम वेट्टी, जोगा सोढ़ी, मुन्ना कडती, संतोष तामो, दुलगो मंडावी, लखमू राम मड़कामी, जोगा कवासी, हरीराम मंडावी, जयराम पोड़ियामी, जगदीश कुमार कवासी, राजूराम करटम, जोगराज कर्मा, सन्नू कारम, बुधराम कोरसा, डुम्मा मड़कामी, पंडरू पोयाम, बामन सोढ़ी, हरीश कोर्राम, सोमडू वेट्टी, सुदर्शन वेट्टी व सुबरनाथ यादव शामिल है।

सीआरपीएफ के शहीद जवानों में यह शामिल...

दंतेवाड़ा जिले में शहीद हुए अर्धसैनिक बल के सुरक्षाकर्मियों में यफो कोन्याक, विवेक कुमार यादव, हेमंत जोशी, सत्या सिंह, रामशिरोमणी मिश्रा, रामकुमार सिंह, अजयपाल सिंह भदौरिया, राम सिया मिश्रा, कोड्डेम, माथुर सिंह, एम विरेन सिंह, एमके सुमी, एन लुमोंगयीम, खांघोन कोनायक, लोलेनमायंग आओ, तसुकजेमकबा आओ, लिपोक्वाती आओ, बेडांगु नगसांग आओ, वेपो एन थंग लोथा, केतोहाल एन्जामी, डीएनपी सिंग, मलिकार्जुन, दिनेश सिंह, राजकुमार यादव, उमेश प्रसाद शुक्ला, जय नारायण, आरके तिवारी, सुरवेनव नाथ, साधुराम यादव, अख्तर हुसैन, पी उदय, नाइक एल टी मार्टिन, प्यारचंद, हव बी लीमावाती वालिंग, मंगयंग चीबा वालिंग, चुमकि सेंगटम, टी एनच्यो लोथा, विजयनंद किशोर तिर्रे, फारूख, महावीर सिंह, उपदेश सिंह, राज सिंह, व्ही अंजनबेलू, महेन्द्रलाल, आर बीनू, लिखन लाल, अजीत कुमार बैरवा, दान सिंह, रंजीत कुमार के, रंजीत सिंह हजेरी, संत कुमार, के गोविन्द राव, चलापन, रालियान तोना, जाईमिंगा थांगा, लीयकरो तोगो वांगा, ज्ञानो चक्रमा, लाल तनालो जोआ, तलाई पुईया, मानलाल सोया, थांग कांग मेना, लाल दुओगा, जी रंगनाथन, दिवाकर तिवारी, जयपाल सिंह, के बाला मुर्गन, रामस्वरूप, भरतराम, मुर्गन, नारायण राय, प्रमोद कुमार, पीवी रेड्डी, भीरमा राम, विजय हरिजन, ललतु घोष, ओमनाथ, आत्मा प्रसाद, अजीत माथो दास, तारीख हुसैन, राजेन्द्र कुमार, संजीय कुमार, किशोरी साफी, दिनेश कुमार, गौरव कुमार, एआर मंडल, विक्की कुमार, अली अहमद अंसारी, दयाराम, नरेश कुमार, जयंत राय, सुनील कुमार, अजीत कुमार, लालू सिंह, व्ही डीथोले, मनोरंजन सिंग, राकेश कुमार चौरसिया, सुशील कुमार वर्मा, ललीत कुमार, मनोहर लाल चन्द्रा, उदय कुमार यादव, श्री एसके सामल, सत्यपाल सिंह, राहुल गहलौत, बिरेन्द्र, एस रामचन्द्रन नायर, श्री सत्यवान, श्री बीएल मीणा, प्रकाश कुमार, जीतु आनंद, जमिरूल हसन, शरवदेव सिंह, बीके शर्मा, बिस्वनाथ राय, ब्रिजेश कुमार तिवारी, अली हसन, राकेश कुमार, रामकरण मीणा, योगेश्वर नाईक, वेद पाल, शिवापा, भुटन यादव, विनोदपाल, टिकम सिंह, भूपेन्द्र कुमार, अवधेश यादव, एलके कालिता, सत्रजीत राम, मानकचन्द्र शर्मा, राजेश कुमार, देवेन्द्र यादव, नरेन्द्र कुमार, खलिल खान, जमुना प्रसाद गिरी, अशोक कुमार भगेल, संजय कुमार जालौन, एमसीएन रेड्डी, मनोज कुमार पाण्डेय, डी शेखर, नवनीत कुमार, अरेन्द्र कुमार, बी मोहन रंगन, विरेन्द्र सिंह, मोतीलाल राम, उदयबीर सिंह, एचके मल्लिक, लियोस खेस, राजाराम एक्का, सूरज कुमार, विजय कुमार, महेन्द्र कुमार, तारासिंह, अजीत सिंह, रामानंद यादव, जितेन्द्र कुमार, प्रवीण कुमार राय, संदीप कुमार, सतेन्द्र सिंह यादव, रंजीत कुमार यादव, मनोज नौगई, धरमपाल सिंह, उदयवीर सिंह, नाहरसिंह, बृजानंद, सचिन कुमार, सतीश, राजेन्द्र सिंह राणा, सुशील कुमार, बिनोद कुमार, राजेश कुमार, ललित कुमार, निर्वेश कुमार, अमित कुमार, के विजय कुमार, प्रदीप कुमार, सुरेन्द्र राय, इन्द्रजीत कुमार राम, महेश सिंह, श्यामलाल, सम्पत लाल, अमले सोपन, रोहनी चंद्र राय, मनवीर शाह, अब्दुल कयुम, अजीत प्रताप सिंह, रसपाल चन्दर, एनथोनी मिंज, संजय कुमार, एसएस पठनिया, सुरेन्दर सिंह, जीए इंगोले, जोगिन्दर कुमार, हुसैन अंसारी, एसएस राय, राजू नुकूला, सुभाष चन्द्र, प्रकाश चन्द्र मीना, अशोक कुमार वर्मा, जयंत दास, केसी मीना, रंजीत सिंह, किनकर कनकनाथ, पीएन चटर्जी, केआर अर्जुन, वीसी जोसफ, डी विजयराज, प्रदीप तिर्की, रूपनारायण दास, देवेन्द्र चौरसिया, रंजन दास, मृत्युंजय मुखर्जी, सैंदाणे नाना, कमल सिंह, डी मुखोपाध्याय, गिरिश बाबू व महिमा नंद शुक्ला।

बीजापुर जिले में शहीद

बीजापुर जिले में शहीद जवानों में जनार्दन सिंह, तुकाराम नाईक, सुसेलम, नवजीत हलौई, दीपक शर्मा, विजय प्रताप, सियालराणा मण्डल, विलास मोरताटे, हीराबल्लभ, सुभाष सिंह, बीएन पति, हरिराम, विनोदकुमार हीराबल्लभ, युगलकुमार, धमेन्द्रराज, चतुर सिंह, जागेश्वर सिंह, उमेश्वर प्रसाद सिंह, अवनीश कुमार, राजेन्द्र हीराबल्लभ, अरूण कुमार, एचके मण्डल, पुरुषोत्तम, भुलनसाह, रणधीर कुमार, मुत्युजंय जन प्रसाद सिंह, सुगंधा ओच, नजमुल हुसैन, नरसिंह, रशीद, इम्पांगतीवा, खमन लाल गुर्जर, ऋषिपाल सिंह, श्रओतो सहा, अपांग चांग, इमन्नावती नायक, सुरेश कुमार, चिरंजीव गुप्ता चौधरी, विजय कुमार, कमलेश कुमार, अमित कुमार, एसएल किशोर, अमरा राम, सुरेश कुमार, सरबजीत सिंह, लखविन्दर सिंह, सुखविन्दर सिंह, ओएलएन रेड्डी, परमेश्वर ओराव, सुमन सिंह, अभिषेक कुमार सिंह, शैलेन्द्र भारद्वाज, धीरेन डेका, अरूण कुमार सिंह, वी ईश्वरईया, पप्पू कुमार, कमलेश कुमार, मतीउर रहमान, पीसी सेठी, नीरज शर्मा, मुस्तफा अली, मो हुसैन जमान, रामपाल सिंह, बी हरिभाई, बलवीर सिंह, संतोष कुमार, एन सुर्वमण्यम, हरेकृष्णा घोष, हजारी लाल, टेकराम वर्मा, ईलाप सिंह पटेल, संतोष चौहान, राकेश कुमार मीणा, रामाराव सोडगिल, ओमप्रकाश सिंह, शिवनाथ मंडल, कृष्णपाल सिंह, मुकुल चन्द बर्मन, एस प्रभुसिंह, शन्नि सलाथिया, देवप्रकाश सिंह, अमितवा मिश्रा, मदन लाल आखे, दिगन्ता बयान, दिलीप कुमार, पुष्पराजन, जिगनेश पटेल, नेकपाल, हरबंस सिंह कुशवाह, दिलीप कुमार पाण्डेय, गोवर्धन रेड्डी, वरूण कुमार तिवारी, सुनील राम, सतीश गौर, मीर माथुर रहमान, बीएम बेहरा, आर चटटी प्रवीण, आरजी श्रीनू, मदनपाल सिंह, महादेव पाटिल, साजु ओपी, कामता प्रसाद, पूणार्नंद साहु, विकास कुमार, अजीत सिंह, मुन्ना यादव, दिलीप कुमार दास, राजकुमार यादव, धर्मदेव कुमार, सखामुरी मुरलीकृष्ण, राउत जगदीश, शंभूराय, बबलू राभा, समैया माड़वी, शान्ति भूषण तिर्की, सतपाल सिंह, रवि कुमार केलागिनामनी, देवेन्द्र कुमार सेठिया, दिलीप कुमार पासवान व सोलंकी मेहूलभाई नन्दलाल भाई शामिल है।

शहीद सीएफ, डीएसएफ, बस्तर फाईटर, सहायक आरक्षक, गोपनीय सैनिक व नगर सैनिक

राज्य पुलिस बल में सबसे बड़े पुलिस अधिकारियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भास्कर दीवान के अलावा आरक्षक देवसिंह कोर्राम, एसआई बीएस नेताम, एएसआई सुरेन्द्र ठाकुर, प्रधान आरक्षक बनसिंह मरकाम, मनाजरूलहक, पुरनसिंह यादव, लखुराम कोर्राम, दशरथराम नेताम, जार्ज कुजूर, प्यारेलाल सोम, कन्हैया लाल कुंजाम, दिलीप कुमार कोसरे, हेमंत कुमार नागवंशी, मुन्ना सिंह,, रतन सिंह, मिलउराम तेता, संतोष बघेल, मोतीराम बघेल, दिनेश दयाल, फखरुद्दीन, सोमारू उर्फ मुरा, लख्खू, रामचंद्र, दुक्का राम, खिलावन बिसेन, सुखदेव, रामसिंह उर्फ गागरा, योगेश मरकाम, जयसिंह ठाकुर, शिवलोचन साहू, विश्वेश्वर चक्रवर्ती, मुरलीधर सिन्हा, चंदर सिंह मरावी, शिवनारायण, धनीराम उसेण्डी, महेन्द्र सिंह, मंगतूराम पोताई, फिरतूराम बड़दा, पोलिकार्प तिग्गा, सुकमन राम, रामूराम कोर्राम, बिसुन दास कुर्रे, विजय कुमार यादव, रतिराम सिन्हा, पीलूराम नेताम, अशवनी प्रधान, अब्दुल वाहिद खान, बलीराम पोटाई, यामला धरमैय्या, क्लमेंट लकड़ा, संतोष शर्मा, जुगबीर सिंह चुरेन्द्र, ऋषिकेश, संतोष पाहरे, ताराचंद निर्मलकर, चंदन सिंह पोर्ते, राजेन कुमार दीवान, सतीश सिंह यादव, बृजेश सिंह संजय सिंह राय, समारू वट्टी, आनंद राठौर, दानसाय सोरी, सोमबहादुर थापा, महेन्द्र सिंह, मनोज सिंह, पंकज सूर्यवंशी, अथनस बड़ा, अध्वनी राजपूत, पुष्पराज नागवंशी, पूरनसिंह पोताई, भुवनेश्वर मंडावी, संतोष मरकाम, विनोद सिंह कौशिक, मूलचंद कंवर, देवनाथ पुजारी, रायसिंह मरकाम, राजूराम नेताम, जितेन्द्र बघेल, संतू राम वड्डे, केसर सिंह उसेण्डी, जयलाल उइके, पवन कुमार मंडावी, सेवक राम सलाम, देवकरण देहारी, विजय पटेल, सालिकराम मरकाम, संजय लकड़ा, कमलेश कुमार साहू, नितेश एक्का, सत्तेर सिंह करंगा, बिरेंद्र कुमार शोरी, सन्नू कारम व खोटलूराम कोर्राम शामिल है।

शहीदों की चिताओं पर जुड़ेंगे हर बरस मेले वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा

कोण्डागांव जिले में शहीद

कोण्डागांव जिले में शहीद हुए जवानों में इल्फोर टोप्पो, दयाशंकर वाजपेयी, ददोली प्रसाद, रामेश्वर, बलराम, तुलाराम, सुखचंद साहू, राजेन्द्र नाविक, अखिलेश सरोज, धनराज ध्रुव, शिव प्रकाश नेताम, खिलावन कोकिला, ललित दीवान, खगेन्द्र कश्यप, रूपधर सोरी, सुन्दर नेताम, अनिल कुमार देंवागन, शोभाराम साहू, मुरलीधर तिवारी, शिवकुमार शर्मा श्रीराम कोर्राम, महिपाल चौहान, लक्ष्मी नारायण राठिया, हिरालाल नेताम, अलफुन्स एक्का, गणेश राम नेताम, सुरेश शोरी, सुखलाल दीवान, नेल्सन मिंज, कमल यादव, रतन लाल नेताम, अफजल खान, लखेश वैद्य, संजय कुमार मण्डावी, प्रेम कुमार प्रजापति, पुष्पराज सिंह, रामप्रसाद नेताम, जितेन्द्र चतुर्वेदी, कृष्ण नाथ किण्डो व दिनेश कुमार मण्डावी शामिल है।

नारायणपुर जिले में केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों के शहीदों में यह शामिल

नारायणपुर जिले में तैनात सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, मिजो व नागा बटालियन के शहीद जवानों में सीआरपीएफ 140 वीं बटालियन के प्रधान आरक्षक विजनपाल, आरक्षक धर्मेन्द्र सिह, जयप्रकाश, व्ही मैथ्यू, सहायक सेनानी सीआरपीएफ विकास चन्द्रा, प्रधान आरक्षक जगन्नाथ चेटिया, दिनेश पाण्डे, प्रशात कुमार विश्वाल, सब इंसपेक्टर रोशन मिंज, मुस्ताक अहमद, बीजू कुमार एस, जय कुमार एस, एसआई आरएस कांग, के तिम्मना, रमेश चन्द्रपात्र, नरपत सिंह बोगा, पातंनु कुमार ढाल, वीरयल मंहता, जतिन गुलांटी, एमपी सिंह, विद्याधर बारीक, आरएन दास, सजि कुमार एस, रंजन कुमार साहू, जनरल सिंह, रंजू कुमार साहा, अंजन फूकन, एस रामाराव, तारकेश्वर राय, ध्रुबज्योति दास, तिलकराज, केएच आई सिंघा, पाणू राम नायक, तुषारबराल, नरेन्द्र मोहन झा, सोहेल राणा, आरसी हेमरम, एम कृष्णाराव, पंकज महंती, सुदामाचंद दास, अर्जुन गयारी, गोविंन्द प्रधान, समीर उरांव, पंकज बडीयाल, नीरज कुमार, एल बालरा स्वामी, रामटेके मंगेश, शिव नारायण मीणा, सिंधे सुधाकर, गुरमुख सिंह, राजेन्द्र सिंह, पवार अमर, के राजेश व संतोश त्रिमाली शामिल है।

बीजापुर में सर्वाधिक शहीद, सीजी पुलिस के 329 व सीआरपीएफ के 120 शहीद

बीजापुर जिले में वर्ष 2001 से अब तक 449 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। इन शहीदों में राजेंद्र सिंह परिहार, विजेंद्र रामपुरे, हरिदास, चंद्रशेखर रंगारी, शोभा सिंह मरकाम, कौशलेश सिंह, मुकेश कुमार, जय राम लकड़ा, नारायण सिंह धुर्वे, गजरूराम, कुडियम भीमा, रोमचंद्र कश्यप, नोहर सिंह ठाकुर, सतीश कपटियाल, राकेश कुमार, बोगी राम, नवल, किशोर, सत्यं कडियम, मोहनलाल, रमेश कुमार, पवन कुमार, विशालीराम, विसम्भर भेडिया, समर सिंह एक्का, राजेंद्र सिंह, पांडुराम, पी लक्ष्मैया, गोपीनाथ राय, अब्दुल रहमान, राजेंद्र लाल बाकडे, तेलम बुधराम, मांडू राम सोरी, धनंजय सिंह, हरेंद्र सिंह, बालकृष्ण, वेंकट राव पागड़ीकर, महेश एनद्रिक, राजू कुमार, बुडमुल रत्नैया, बंजा नागेश, पोटम, गोपाल राव लकड़ा, प्रेम नागेश, प्रेमा शंकर, मरकाम बुचैया, कडियम मुन्ना, आनंद पोंदी, पोडियम जय राम, रोटेल मंगल, राजा राम मंडावी, बेलराम ताती, शिव कुमार मरकाम, सेमला बुधराम, कुटियाम रामलाल, पोयामी कोपा, राम प्रसाद पस्फुल, बृजेश कोर्राम, लक्ष्मीनाथ साहनी, कट्टम गणपत, राम बाबू उर्फ आनंद दुर्गम, चंद्र कुमार मरकाम, ओयाम मनकू,अनिल खलखो, रामचंद्र पुजारी, अवलम लच्छू, राजबहादुर सोनी, रामसेवक दोहरे, नोस्टोर एक्का, मुक्ति शर्मा, देवचंद्र बेक, शंकर मांझी, महेश राम पैकरा, बृजमोहन श्रीवास्तव, भरत कोडोपी, अंतु राम पटेल, देशराज सिंह ठाकुर, दौलत राम मंडावी, सोमाधर नाग, द्वारिका प्रसाद, शिवकुमार, जयपाल नेताम, सोमा तेलम, बुधराम कुटियम, मंगलू राम गोटा, रामचंद्र ऐनका, पोडियम मंगलु, सुरेश कुमार वाचम, माडवी सुन्नु, कुंजाम मंगलू, लखमु, सुरेंद्र कुमार बेवादी, मासाराम कुरसम, मंजी बबलू, कोंदा राम, तोडसम रामू, सुखदेव यादव, पोडियम राम, उद्दे अशोक, रामलाल, नारायण, दिनेश कुमार, जगन्नाथ, रघुनाथ यादव, पोकलू, जयराम यादव, उद्दे पांडू, नामू, सुजीत कुमार मंडावी, उद्दे मंडावी, एनका रामचरण, कवासी आयतु, मंडावी कोसा, करतम मामुल, धनीराम यादव, माडवी सुन्नु, वाचम राजू, पोयाम कुम्मा, माडवी बालको, मधुकर मंडावी, माडवी मंगलू, हेमला सुखराम, पदम बुधराम, पुनेम सुन्नु, ककैम मनकू, सुदन, राजू, तेलम बुधराम, फुलमादरी बिच्चम, कडती नागेश, रतिराम, आयतु राम कोपात, वृस्युष किस्पोटा, मनोज कुडियम किस्टू, राधेश्याम केसरी, संदीप टोप्पो, हरीश चंद्र मरकाम, शंकर राव, शिव कुमार कोर्राम, बोरला अनंत राव, अनिल कुमार गोरला, सत्यनारायण बगर्ती, विनोद प्रेता, विजय शुक्ला, रमाशंकर पांडे, मोरला किस्टैया, बेडजे रामलाल, कुमा मंगलू, कोरसा पंडरू, पस्पुल लक्ष्मण, उरसा लक्ष्मण, कोरसा सुन्नु, प्रमोद कुमार पटेल, योगराज उर्फ योगराम मंडावी, सोनकू मोडियामी, तेलम सुखराम, इरपा सुरेश, सोनसाय नाग, कुरसम लखमू, माडवी हिडमा, आलम हीरालाल, रामभुवन, धनंजय वर्मा, नंद किशोर सोरी, नोहरू राम नेताम, सुरेंद्र चापड़ी, पदम सरजू, कुरस कन्हैया, बलराम पटेल, सुखराम पोडियामी, उरसा राजू, सुक्कु राम, ताती बोमड़ा, हरनारायण ठाकुर, नंदलाल कोसल, ओबेदान तिर्की, इरपा कृष्णा, जी रविंद्र, रितेश झा, राजेश प्रसाद, इरपा दिनेश, प्रमोद कुमार यादव, पोती राम हिडका, सोमलू कडती, हीरा कुमार नायक, टीनसू राम, गुड्डू कर्मा, रमैय्या पसपुल, पवन मंडावी, कवासी आयतु, दुब्बा सत्यम, दुब्बा कुसरम, बसंत कोर्राम, बशीर टोप्पो, देवराज, राजेंद्र सिंह, हरेंद्र प्रसाद, मंगल भगत, गेंदलाल गावड़े, राजकुमार केरकेट्टा, राजेश पटेल, घनश्याम कन्नौजिया, सहलू राम भगत, पतरस खलखो, रामकुमार कश्यप, मुडियम मंगू, जब्बा आनंद, डूंगाराम वाचम, थानसिंह ठाकुर, महेश उरसा, तिरूपति माडवी, नीलेश पाण्डे, मंगल तोडसम, पूणार्शंकर, बुधराम मौर्य, मंगू पोड़ियाम, हेमला मासा, राजू हपका, मुकेश कुमार शर्मा, रूप सिंह ठाकुर, मुडमा बुधराम, सोमाराम मज्जी, एल्लादीराम पोट्टी, सोमलू राम हेमला, कोरसा जोगाराम उर्फ शिवाजी, नेहरू पुनेम, सुन्दर कश्यप, भागीरथी करताम, जयदेव यादव, राजूराम तेलम, मंगल सोढ़ी, रामा राम मज्जी, बसंत बीरा, भीमाराम तेलामी, पायकु पोयामी, मोतीराम तेलम, सीताराम कुंजाम, तेलम डोक्का, कुडियम पाण्डु, समुंद साय देवांगन, करणम लीला वेंकट, रामलाल वट्टी, मोतीराम कुंजाम, बाबूराम मडकम, आयतु राम लेकाम, पंचराम भगत, तिरूपति पसपुल, लखमूराम तेलम, जव्वा अव्वैया, माण्ड्रा बुधराम, राहुल रायडू, हेमन्त कुमार, गुब्बा राम कश्यप, तरूण सोढी, सुकलू गोटा, पूनेम पनकू, संतोष यादव, राजू लेकाम, लखन गटपल्ली, सीताराम बाकडे, सोनधर हेमला, बी सुशील कुमार, लवन सिंह गावड़े, एट्टी आनंद राव, सायबू राम लेकाम, अरविंद मिंज, सुक्कु हपका, चैतूराम कड़ती, रमेश कुमार कुरसम, सोमारू राम पोयाम, कोरसा नागैया, मन्नू लाल सूर्यवंशी, सोमडू राम पोयाम, मोहन सिंह नाग, लक्ष्मीकांत दिवेदी, सन्नू पुनेम, दीपक भारद्वाज, रमेश कुमार जुर्री, सोढ़ी नारायण, रमेश कुमार, कोरसा, सुभाष नायक, किशोर एन्ड्रीक, सनकूराम सोढ़ी, बोसाराम करटामी, श्रवण कुमार कश्यप, रामदास कोर्राम, जगतराम कंवर, सुखसिंह, रमाशंकर सिंह, शंकर नाग, मुरली ताती, कालेन्द्र प्रसाद नायक, सुरेश कुमार कोमरे, आन्दो राम पोयाम, अर्जुन कुड़यिम, गोपाल कड़ती, आशाराम कड़ती, पन्नी राम वेट्टी, विजय कुमार यादव, लालू राम ओयाम, बामन पोडियामी, सीताराम कडियाम, अवलम बुधराम, संजय बेड़जा, किशन कुरसम, अरविंद एक्का, तिजउ राम भुआर्य, राम आशीश यादव, भरत लाल साहू सत्तेर सिंह करंगा, चमरू राम तेलम, बुधराम कोरसा, डुम्मा मरकाम, पण्डरू राम पोयाम, बामन सोढी, सुदर्शन वेट्टी, सुबरनाथ यादव, हरीश कोर्राम, सोमडू वेट्टी, नरेश कुमार ध्रुव वसीत रावटे, राजू ओयाम, मनोज पुजारी, रमेश हेमला, दिनेश नाग, बड़दी मोहन, रमेश सोढ़ी दुकारू राम गोंदे शामिल है।

कांकेर जिले में सीजी पुलिस के 57 व सीआरपीएफ के 37 शहीद

कांकेर जिले में शहीद हुए सीजी पुलिस के सुरक्षाकर्मियों में राजेश कुमार पांडो, रमेश कुमार साहू, राम स्नेही, श्याम कुमार राठौर, हेमंत कुमार यादव, बृजलाल केमरो, सोमरूराम उसेंडी, बृजलाल ध्रुव, हलालराम हुपेन्डी, रंजित साहा, खितीज मिस्त्री, नजीरबक्स, लोकेश साहू, कमलेश कंवर, देव प्रसाद दर्रो, आशाराम दुग्गे, अशोक पोटाई, राजेश मरकाम, श्यामलाल अम्बाले, सगराम सलाम, जयसिंह नेताम, अजय कुमार शर्मा, मनेराम नरेटी, बृजलाल तेता, तुलसीराम कोर्राम, रघुराज सिंह कुशवाह, चंद्रहास नेताम, अश्वन कुमार उइके, राजेश कुमार गुनेंद्र, हेमंत सोम, यशवंत साहू, महेंद्र कुमार साहू, टोमन सिंह ओटी, धर्मेंद्र साहू, संतोष नेताम, राधेश्याम नागवंशी, कौशल किशोर तिवारी, अमृत कुमार नेताम, कुंवर लाल नेताम, रोहित उर्फ धनेश, विष्णु लेड़यिा, उमेंद्र कोमरा, शिवकुमार मंडावी, वासुदेव ध्रुव,अंजोर सिंह यादव, दिलीप सिन्हा, संतोष कुमार एक्का, अलीराम उसेंडी, श्यामलाल वड्डे, दुर्ग राम ऑचला, अविनाश शर्मा, सोनूराम गावड़े, बैजू राम पोटाई, संत कुमार नेताम, मोहित पटेल, सुकलू दुग्गा व रमेश कोरटी शामिल है। जबकि कार्केर जिले में सीआरपीएफ के शहीद पुलिस कर्मियों में बृजकुमार शर्मा, चन्द्रेश सिंह, श्याम लाल, बीनम फोम, प्रेमजीत, अनुप जी नायर, देवीदास गुवाडे, धर्मेन्द राय, सतेन्दर यादव, गोविन्द सिंह राठौर, मनोज कुमार सिंह, प्रमोद कुमार सिंग, भीमा शंकर, आरूप रक्षित, सुरेश कुमार, कोईचुंग अर्थग आईमोल, सुमेर सिंह, राम वहाल, कुमुदा चन्द्रा स्वान, अमनदीप, रमेश चन्द्रा, हरिकेश प्रसाद, विजय कुमार, राकेश नेहरा, गजेन्द्र सिग, अमरेश कुमार सिंह, विजया नंद नाईक, संतोष लक्ष्मण, लोकेन्द्र सिंह, मुख्तियार सिंह, महेन्द्र सिंह, वपुल बोरा, तुमेश्वर यादव, ईशरार खान, रामाकृष्णा यादव, प्रकाश चंद्र शैल व अखिलेश कुमार राय शामिल है।

नारायणपुर जिले में शहीद

नारायणपुर जिले में शहीद हुए जवानों व अधिकारियों में देवसिंह कोर्राम के अलावा भास्कर दीवान, बीएस नेताम, सुरेन्द्र ठाकुर, बनसिंह मरकाम, मनाजरुलहक, पुरनसिंह यादव, लखुराम कोर्राम, दशरथराम नेताम, जार्ज कुजूर, प्यारेलाल सोम, कन्हैया लाल कुंजाम, दिलीप, कुमार कोमरे, हेमंत कुमार नागवंशी, मुन्ना सिंह, रतन सिंह, मिलउराम तेता, संतोष बाजपेयी, मोतीराम बघेल, दिनेश दयाल, फखरूदीन, लख्खूराम, रामचंद्र, दुक्का राम, खिलावन बिसेन, सुखदेव, रामसिंह उर्फ गागरा, योगेश मरकाम, जयसिंह ठाकुर, शिवलोचन साहू, विश्वेश्वर चक्रवर्ती, मुरलीधर सिन्हा, चन्दर सिंह मरावी, शिवनारायण, धनीराम उसेण्डी, महेन्द्र सिहं, मंगतूराम पोटाई, फिरतूराम बड़दा, पोलीकार्प तिग्गा, सुकमन राम, रामूराम कोर्राम, बिसुन दास कुर्रे, विजय कुमार यादव, रति राम सिन्हा, पीलूराम नेताम, अशवनी प्रधान, अब्दुल वाहिद खान, बलीराम पोटाई, यामला धरमैया, क्लेमेट लकड़ा, संतोष शर्मा, जुगब्बीर सिंह चुरेन्द्र, ऋषिकेश, संतोष पाहरे, ताराचंद निर्मलकर, चन्दन सिह पोर्ते, राजेन कुमार दीवान, सतीष सिंह यादव, बृजेश सिंह, संजय सिह राय, समारू वट्टी, आनंद राठौर, दानसाय सोरी, सोमबहादुर थापा, महेन्द्र सिह, मनोज सिंह, पंकज सुर्यवंशी, अथनस बडा, अध्वनी राजपूत, पुष्पराज नागवंशी, पूरनसिह पोटाई, भुवनेश्वर मण्डावी, संतोष मरकाम, विनोद सिंह कौशिक, मूलचंद कंवर, देवनाथ पुजारी, रायसिंह मरकाम, राजूराम नेताम, जितेन्द्र बाकडे, संतु राम वड्डे, कनेर सिंह उसेण्डी, जयलाल उइके, पवन कुमार मण्डावी, सेवक राम सलाम, देवकरण देहारी, विजय पटेल, सालिकराम मरकाम, संजय लकडा, क्मलेश कुमार साहू, नितेश एक्का, सत्तेर सिंह करंगा, बिरेन्द्र कुमार शोरी, सन्नू कारम, किच्चे मुका, दिनेश बघेल, सामनाथ अटामी, जोराम मरकाम, सुलभ उपाध्याय, कट्टम रामकुमार, सुन्नम मनीष, राजेश कोमरा, सोनु दुधी, मड़कम हांदा, कड़ती मुकेश, ज्ञानधर प्रधानी, कुंजाम दारा, माड़वी जोगा, दिरदो देवा, रोहित मण्डावी, कवासी हुंगा, कड़ती कन्ना, गीतराम, मन्त पोया, अमरजीत खलखो, मड़कम बुच्चा, हेमन्त दास मानिकपुरी, लिबरू राम बघेल, सोयम रमेश, उईका कमलेश, पोड़यिम मुत्ता, उईका ध्रुवा, वंजाम नागेश, मड़कम मासा, पोड़यिाम लखमा, मड़कम हिड़मा, जितेन्द्र वंजामी, धनीराम कश्यप, पुनेम हड़मा, वेट्टी भीमा, रामुराम, वंजाम भीमा, कुंजाम जोगा, सोड़ी लक्ष्मण बोड्डू रमेश, अनिल ठाकुर व आकाश राव गिरेपुन्जे।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

झीरम के शहीदों ने झेली थी गोलियां छलनी हो चुकी गाड़ियां दे रहीं गवाही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दशकों तक नक्सलवाद के जाल में उलझे रहे बस्तर में देश-प्रदेश के कई सपूतों ने शहादत दी है। यहां कई ऐसे हमले हुए हैं, जिन्होंने देश में गम और गुस्से की लहर के साथ सिस्टम पर सवाल खड़े कर दिए थे। ऐसा ही एक हमला झीरम का था। साल 2013 में झीरम में हुए भीषण हमले में कांग्रेस के कई बड़े नेता शहीद हो गए थे। इनमें तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष नंद कुमार पटेल, उनके बेटे दिनेश पटेल और वरिष्ठ नेता विद्या चरण शुक्ला समेत कई राष्ट्रीय स्तर के चेहरे शामिल थे। हमले के वक्त एक ही वाहन इनोवा में नंद कुमार पटेल, दिनेश पटेल और लखमा सवार थे। गाड़ी का नंबर CG04 KA 0005 था। यह गाड़ी आज भी भीषण हमले की याद दिला रही है। रायपुर स्थित राजीव भवन में वही इनोवा गाड़ी एक निशानी के रूप में रखी गई है। गाड़ी पर आज भी हमले के निशान देखे जा सकते हैं जो उस खौफनाक मंजर की गवाही देते हैं....ये सिर्फ एक गाड़ी नहीं बल्कि नक्सल हिंसा की वो दर्दनाक कहानी है, जिसे छत्तीसगढ़ कभी भूल नहीं सकता।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भड़के, परेशान देशों को दिए 2 ऑप्शन

अमेरिका अब किसी देश की मदद नहीं करेगा हिम्मत दिखाओ और होर्मुज जाकर तेल ले लो

ईरान जंग की वजह से दुनियाभर में तेल संकट खड़ा हो गया है। ईरान ने होर्मुज को ब्लॉक करके रखा है। इससे तेल टैंकरों और जहाजों की आवाजाही बाधित हुई है। इससे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। ऐसे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा बयान दिया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि ऐसे देश जिन्हें स्टेट ऑफ होर्मुज से जेट फ्यूल नहीं मिल रहा जैसे ब्रिटेन, जिसने ईरान के खिलाफ कार्रवाई में शामिल होने से इनकार कर दिया। मेरे पास आपके लिए सुझाव हैं। पहला- अमेरिका से तेल खरीदें। हमारे पास बहुत तेल है। दूसरा- हिम्मत दिखाकर होर्मुज जाओ और तेल लाकर दिखाओ।

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अन्य देशों से कहा कि आपको सीखना होगा कि खुद से कैसे लड़ा जाए। अमेरिका हमेशा आपकी मदद के लिए नहीं होगा, जैसे आप हमारे लिए नहीं होते। ईरान को कमजोर कर दिया गया है। मुश्किल काम हो गया है। अब जाकर तेल ले लो। अपने बयान में उन्होंने यह भी कहा कि ईरान काफी हद तक कमजोर हो चुका है और सबसे मुश्किल काम पहले ही पूरा हो गया है। अब बाकी देश खुद जाकर अपना तेल ले सकते हैं। आपको बता दें, इससे पहले ट्रंप ने ईरान को चेताते हुए कहा था कि वह स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को दोबारा खोले. अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसका बड़ा खामियाजा ईरान को भुगतना पड़ ▶▶| शेष पेज 5 पर

खास बातें

- होर्मुज के बगैर भी युद्ध समाप्ति की जताई ट्रंप ने इच्छा
- मिडिल ईस्ट जंग से दुनियाभर में खड़ा हो गया है तेल संकट

मिडिल ईस्ट जंग के बीच ट्रंप का यू-टर्न

मिडिल ईस्ट जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने नई रणनीति बनाई है। ट्ररंप ने अपने सहयोगियों से कहा है कि वे ईरान के साथ युद्ध समाप्त करने को तैयार हैं – भले ही स्ट्रेट ऑफ होर्मुज बंद ही रहे। वाल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक होर्मुज स्ट्रेट को जबरन खोलना लंबा और जोखिम भरा अभियान होगा, ट्रंप ▶▶| शेष पेज 5 पर

यूएस-इजरायली जहाजों की एंट्री बैन

इधर, होर्मुज पर ईरान का सख्त पहरा! विदेशी जहाजों से वसूलेगा टोल टैक्स

मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के बीच दुनिया के अहम तेल मार्ग होर्मुज स्ट्रेट पर दबदबा मजबूत करने के लिए ईरान ने एक बड़ा फैसला किया है। ईरान की संसदीय सुरक्षा समिति के नए 'मैनेजमेंट प्लान' के तहत न केवल इस जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों से 'टोल टैक्स' वसूला जाएगा, बल्कि अमेरिका और इजरायल के जहाजों की एंट्री पर पूरी तरह पाबंदी लगा दी गई है। 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस योजना में होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले हर जहाज से टैक्स वसूला जाएगा। इसके साथ ही अमेरिकी और इजरायली जहाजों के यहां से गुजरने पर रोक का प्रावधान है। अमेरिकी और इजरायली जहाजों के अलावा उन सभी देशों के जहाजों पर भी बैन लगाया जाएगा, जिन्होंने ईरान के खिलाफ एकतरफा बैन लगाने का समर्थन किया था। ▶▶| शेष पेज 5 पर

ट्रंप को बड़ा झटका

इटली ने भी नहीं उतरने दिया युद्धक विमान

ईरान जंग के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति यूरोपीय देशों और अपने मित्र देशों से मदद के लिए छटपटा रहे हैं लेकिन एक-एक कर बारी-बारी से सभी देश ट्रंप को झटका दे रहे हैं। एक दिन पहले ही स्पेन ने ईरान युद्ध में शामिल अमेरिकी लड़ाकू विमानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था।

अब इटली ने भी अमेरिका को करारा झटका दिया है। इटली ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अमेरिका को अपने सैन्य अड्डे के इस्तेमाल की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। यह फैसला ऐसे समय आया है जब पश्चिम एशिया में युद्ध को लेकर वैश्विक तनाव बढ़ा हुआ है। इस मामले से जुड़े एक सूत्र ने मंगलवार को एक अखबार की रिपोर्ट की पुष्टि करते हुए बताया कि इटली ने अमेरिकी सैन्य विमानों को मध्य-पूर्व जाने से पहले सिसिली के सिगोनेला एयर बेस पर उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है।

अब बीयर की हर बोतल दस रुपए महंगी, प्रीमियम शराब के कुछ ब्रांड की कीमत बढ़ी, हल्के वाले यथावत

अंग्रेजी शराब के लिए नए रेट ऑफर का अनुमोदन

सरकार ने आबकारी से जुटाए 10 हजार 700 करोड़ रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में पीने-पिलाने के शौकीनों के लिए यह खबर काम की है, लेकिन पीने की बात करें, तो अब बीयर के शौकीनों को हर बोतल पर करीब 10 रुपए ज्यादा देने होंगे। इसी तरह प्रीमियम शराब के कुछ ब्रांड भी पिछले साल के मुकाबले महंगे हुए हैं, लेकिन सामान्य या सस्ते स्तर की शराब के रेट यथावत हैं। राज्य में आबकारी विभाग ने पिछले वित्तीय वर्ष में 10 हजार 7 सौ करोड़ का राजस्व हासिल किया है, लेकिन इससे जुड़ी एक और खबर ये भी है छत्तीसगढ़ में शराब और बीयर की खपत करीब 25 प्रतिशत बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में विदेशी मदिरा की आपूर्ति के लिए विदेशी मदिरा के विनिर्माता या प्रदायकर्ता इकाइयों द्वारा रेट ऑफर में प्रस्तुत किये गये (लैंडिंग प्राईस) एवं सीएसबीसीएल क्रय दर का प्रशासकीय अनुमोदन किया गया है। इससे पहले ▶▶| शेष पेज 5 पर

बीयर पीना होगा मंहगा

आबकारी विभाग के उच्च पदस्थ सूत्रों ने हरिभूमि के बताया कि राज्य में 1 अप्रैल से बिकने वाली बीयर की हर बोतल पर 10 रुपए अधिक देने होंगे। बीयर के शौकीनों के लिए 30-40 ब्रांड उपलब्ध हैं। इसके साथ ही प्रीमियम क्वालिटी की शराब के कुछ ब्रांड भी महंगे होंगे। बताया गया है कि जिन ब्रांड के रेट बढ़े हैं वह इस तरह है कि जो ब्रांड पहले साढ़े तीन हजार में बिकते थे, अब वहीं करीब पांच हजार या उसके आसपास हो सकते हैं। इसके साथ ही ये भी बताया गया है कि कुछ प्रीमियम ब्रांड के रेट कम हुए हैं। साथ ही सामान्य स्तर के शराब जो चलन में ज्यादा है उनके रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

ऑल इंडिया ब्रांड में आंशिक वृद्धि, 314 ब्रांड में रेट वही

आबकारी मंत्री लखन लाल देवांगन ने कहा कि भारत स्तर पर बिकने वाले ऑल इंडिया ब्रांड में आंशिक वृद्धि हुई है। जबकि 314 ब्रांड में रेट यथावत है। 83 अन्य ब्रांड में रेट कम हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि रेट ऑफर में चार कंपनियों को लंबित रखा गया है। उनसे मोलभाव के बाद उनके रेट सामने आएंगे। तीन लेबल को निरस्त किया गया है। मोटे तौर पर कहा जा सकता है कि कुछ चुनिंदा ब्रांड में आंशिक वृद्धि हुई है। कुछ में कमी के साथ ही रेट लगभग यथावत हैं।

आबकारी से सरकार को मिले 10 हजार 7 सौ करोड़

राज्य सरकार को आबकारी से वित्तीय वर्ष 2025-26 में 10 हजार 700 करोड़ रुपयों का राजस्व मिला है। हालांकि राज्य सरकार ने इस वर्ष के लिए 12 हजार 500 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा था। लेकिन यह लक्ष्य पूरा नहीं हो सका है। लेकिन इसके विपरीत एक और तथ्य अहम है। वह ये कि राज्य में शराब और बीयर की खपत पिछले साल के मुकाबले 25 प्रतिशत अधिक बढ़ी है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

ट्रंप के नाम पर होगा फ्लोरिडा एयरपोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिका के फ्लोरिडा में पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट

का नाम बदलकर राष्ट्रपति ट्रम्प के नाम पर रखने का फैसला लिया गया है। गवर्नर रॉन डेसैंटिस ने सोमवार को बिल साइन किया। मंजूरी मिलने पर यह बदलाव 1 जुलाई से लागू हो सकता है। फ्लोरिडा सरकार के फैसले के बाद अब इस नाम को लागू करने के लिए फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन को औपचारिक प्रस्ताव भेजा जाएगा।

हनी सिंह के मुंबई कॉन्सर्ट के आयोजकों पर एफआईआर

मुंबई। मुंबई, महाराष्ट्र के एमएमआरडीए ग्राउंड में हुए रैपर

यो यो हनी सिंह के 'माय स्टोरी – इंडिया चैप्टर' कॉन्सर्ट के आयोजकों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। उन पर आरोप है कि उन्होंने पुलिस की मनाही के बावजूद एयरपोर्ट जोन के पास खतरनाक लेजर लाइट्स का इस्तेमाल किया। यह कॉन्सर्ट 28 मार्च 2026 को आयोजित किया गया था, जिसमें सुरक्षा नियमों के उल्लंघन की बात सामने आई है।

बेंगलुरु में दर्दनाक हादसा इंजीनियर कपल ने दी जान

पति की लाश देखकर 17वीं मंजिल से कूद गई इंजीनियर पत्नी

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

बेंगलुरु, कर्नाटक से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे शहर को हिला कर रख दिया है। यहां एक टेक प्रोफेशनल महिला ने अपने पति को घर में मृत पाया और कुछ ही मिनटों बाद खुद 17वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। ये घटना बेंगलुरु के कोठनूर इलाके की है, जहां एक दंपति अपने अपार्टमेंट में रह रहा था। जानकारी के मुताबिक, 32 साल के भानु चंद्र रेड्डी सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे और उनकी पत्नी शाजिया सिराज एक आईटी कंपनी में काम करती थीं. रिपोर्ट के मुताबिक, महिला को उस समय शक हुआ जब उनके पति ने कमरे का दरवाजा नहीं खोला और अंदर से कोई जवाब नहीं दिया। कई बार आवाज देने के बावजूद जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो उसने पड़ोसियों और सुरक्षा कर्मियों की मदद ली। इसके बाद जब दरवाजा तोड़ा गया, तो अंदर पति का शव फंदे से लटका हुआ मिला. उस भयानक मंजर को देखकर महिला गहरे सदमे में आ गई।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

बताया जा रहा है कि पति की लाश देखने के कुछ ही मिनटों बाद महिला ने अचानक 17वीं मंजिल से छलांग लगा दी। मौके पर ही उसकी मौत हो गई और वहां मौजूद लोग कुछ समझ ही नहीं पाए कि अचानक क्या हो गया। इस घटना के बाद पूरे अपार्टमेंट में हड़कंप मच गया। पुलिस को तुरंत सूचना दी गई और मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। पुलिस ने दोनों मामलों में अप्राकृतिक मौत का केस दर्ज किया है।

कई पहलुओं से जांच जारी

शुरुआती जांच में पुलिस कई पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। इसमें पारिवारिक तनाव, मानसिक दबाव, स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतें और रिश्तों में तनाव जैसे कारण शामिल हैं। हालांकि, अभी तक आत्महत्या के पीछे की सटीक वजह साफ नहीं हो पाई है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और आगे की जांच के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी। परिवार के सदस्यों से भी पूछताछ की जा रही है ताकि घटना के पीछे की परिस्थितियों को समझा जा सके।

भाजपा ने असम व केरल के लिए जारी किया संकल्प पत्र

हर जिले में मेडिकल-इंजीनियरिंग कॉलेज और यूनिवर्सिटी का वादा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

असम में चुनावी मोड शुरू हो गया है। बीजेपी ने चुनाव के लिए 'संकल्प पत्र' जारी किया है। केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने संकल्प पत्र जारी किया है। साथ ही सीतारमण ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। संकल्प पत्र जारी करने के दौरान सरबानंदा सोनोवाल, मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा, राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया समेत अन्य लोग मौजूद रहे। असम में 126 सीटों पर 9 अप्रैल को चुनाव होने हैं। 4 मई को नई सरकार का ऐलान होगा। चुनाव के लिए बीजेपी ने संकल्प पत्र जारी कर दिया है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि यह घोषणापत्र एक दशक की उपलब्धियों पर आधारित है। मैं एक ऐसे राज्य ▶▶| शेष पेज 5 पर

केरलम में महिलाओं को 3000 पेंशन : केरलम के तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को भाजपा ने अपना मेनिफेस्टो जारी किया। इसमें केरलम में एम्स बनाने और तिरुवनंतपुरम से कन्नूर तक हाई-स्पीड रेलवे नेटवर्क विकसित करने का वादा किया है। 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों, विधवाओं और जरूरतमंद महिलाओं को 3000 मासिक पेंशन देने की घोषणा की गई है।

टेनिस स्टार लिएंडर पेस भाजपा में शामिल

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी लिएंडर पेस मंगलवार को यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। पेस ने केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू सहित भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। टेनिस स्टार ने हाल ही में कोलकाता में भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन से मुलाकात की थी, जिससे उनके पार्टी में शामिल होने की अटकलें तेज हो गई थीं।

बिहार के शीतला मंदिर में बड़ी दुर्घटना, थानाध्यक्ष सस्पेंड

नालंदा में भगदड़, सूरत में आग दो हादसे में गई 14 लोगों की जान

एजेंसी ▶▶| पटना, सूरत

बिहार व गुजरात में मंगलवार को हुए दो अलग अलग हादसे में 14 लोगों की जान चली गई है। नालंदा बिहार के मंदिर में जहां भगदड़ से 9 लोगों ने जान गंवाई, वहीं सूरत, गुजरात में मकान में आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। बिहार के बिहार शरीफ स्थित मघड़ा इलाके में

माता शीतला अष्टमी के दरबार में मंगलवार को अचानक भगदड़ मच गई। शीतला मंदिर मेले में भगदड़ मच गई। ▶▶| शेष पेज 5 पर

सूरत में चार महिलाएं, एक बच्चे की मौत

गुजरात के सूरत में एक मकान में मंगलवार दोपहर को आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 4 महिलाएं और एक बच्चा शामिल है। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। पड़ोसियों से मिली जानकारी के मुताबिक, शहर के लिंबायत इलाके का यह मकान एक व्यापारी का है, जिसमें करीब 8 टन साड़ियों का स्टॉक रखा हुआ था।

फास्टैग और डिजिटल पेमेंट ही अब देश में होगा मान्य

अब टोल प्लाजा पर कैश नहीं, आज से बदले टोल नियम

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एक अप्रैल 2026 से देश के सभी टोल प्लाजा पूरी तरह से कैशलेस हो जाएंगे और आप अगर कैश देकर टोल पेमेंट करना चाहेंगे तो फंस जाएंगे। जी हां, नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने देश के राजमार्गों पर सफर को ज्यादा आसान और और पारदर्शी बनाने के लिए टोल कलेक्शन से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए कैश ट्रांजैक्शन को खत्म करने का फैसला किया है और आप अब सिर्फ फास्टैग या ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिये ही टोल फीस का भुगतान कर सकते हैं।

नेशनल हाइवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने किया नियमों में बदलाव

कैश ट्रांजैक्शन खत्म करने का लिया गया फैसला

कैश ट्रांजैक्शन की व्यवस्था खत्म

ऐसे में आप अगर 1 अप्रैल से नैशनल हाइवे या एक्सप्रेसवे पर कार से सफर करने की प्लानिंग कर रहे हैं, तो या तो अपना फास्टैग रिचार्ज कर लें या **UPI** ऐप इंस्टॉल कर लें, क्योंकि **NHAI** की आधिकारिक घोषणा के मुताबिक अब टोल प्लाजा पर नकद भुगतान की व्यवस्था को पूरी तरह खत्म किया जा रहा है। एनएचएआई का यह कदम पूरे देश में उसके सभी टोल प्लाजा पर लागू होगा। ▶▶| शेष पेज 5 पर

फास्टैग में बैलेंस न होने पर यह होगा

आपके मन में सवाल उठ रहे होंगे कि मान लीजिए कि अगर फास्टैग एक्टिव नहीं है या उसमें बैलेंस कम तो क्या करना पड़ेगा। ऐसे में स्थिति में आपको जुर्माना भरना पड़ सकता है। इस बारे में अधिकारियों ने स्पष्ट कर दिया है। आपात स्थिति में यात्रियों के पास टोल बूथ पर उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन करके यूपीए पेमेंट के जरिये टोल चार्ज भुगतान करने का अवसर होगा।

इन बातों का ध्यान रखें : यहां बता दें कि टोल प्लाजा से जुड़े नए नियम से शुरुआती दिनों में बहुत से यात्रियों को असुविधा हो सकती है और खासकर उनलोगों को, जो डिजिटल पेमेंट नहीं करते हैं। ऐसे में यात्रियों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले सुनिश्चित करें कि उनका फास्टैग एक्टिव है, उनके बैंक अकाउंट से ठीक से जुड़ा हुआ है और उसमें पर्याप्त पैसे हैं।

चिंतन

जल, जंगल व जमीन की सुरक्षा होगी और बेहतर

देश के आंतरिक सुरक्षा परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। दशकों तक 'लाल आतंक' के नाम से पहचाने जाने वाला नक्सलवाद अब खत्म हो चुका है। नक्सवादियों के सभी बड़े नेता या तो मारे जा चुके हैं, या उन्होंने इस विचारधारा को छोड़कर सरेंडर कर दिया है। अब जल, जंगल और जमीन की और बेहतर सुरक्षा हो सकेगी। नक्सलवाद का खात्मा सरकार की एक बड़ी उपलब्धि है। अब ऐसे क्षेत्रों में विकास के नए द्वार खुलेंगे, जहां लाल आतंक से लोग त्रस्त थे। इन क्षेत्रों में अब शिक्षा का स्तर सुधरेगा, बच्चों की खेलों में गतिविधियां बढ़ेंगी और सामाजिक तथा आधारभूत ढांचे का विकास होगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुसार, 31 मार्च 2026 की निर्धारित समयसीमा से पहले ही भारत से नक्सलवाद का खात्मा हो चुका है। यदि यह दावा जमीनी हकीकत से मेल खाता है, तो यह केवल सुरक्षा की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिहाज से भी एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। नक्सलवाद की शुरुआत 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी से हुई थी। यह आंदोलन मूलतः जल, जंगल और जमीन पर अधिकार की मांग से जुड़ा था, जिसमें आदिवासी और वंचित वर्गों की आवाज शामिल थी। समय के साथ यह आंदोलन हिंसक रूप लेता गया और देश के कई हिस्सों में सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन गया। रेड कॉरिडोर के नाम से पहचाने जाने वाले क्षेत्रों में वर्षों तक विकास की रफ्तार थमी रही और आम जनजीवन भय के साए में रहा। हाल के वर्षों में सरकार द्वारा अपनाई गई बहुआयामी रणनीति ने इस समस्या को काफी हद तक नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई है। होल ऑफ गवर्नमेंट दृष्टिकोण के तहत सुरक्षा, विकास और विश्वास तीनों मोर्चों पर एक साथ काम किया गया। सुरक्षा बलों के आक्रामक अभियानों के साथ-साथ सड़क, संचार, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी आधारभूत सुविधाओं का विस्तार किया गया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, महाराष्ट्र, बिहार के साथ आंध्र प्रदेश (सीमावर्ती इलाके), केरल, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे क्षेत्रों में बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है, जो इस बदलाव का संकेत है। हालांकि, इस उपलब्धि को अंतिम समाधान मान लेना जल्दबाजी होगी। इतिहास बताता है कि किसी भी विचारधारा को केवल सैन्य कार्रवाई से पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता, जब तक उसके मूल कारणों को संबोधित न किया जाए। यहां सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यही है कि क्या जल, जंगल और जमीन से जुड़े मुद्दों का स्थायी समाधान हो पाया है? क्या आदिवासी समुदायों को उनके अधिकार पूरी तरह मिल रहे हैं? क्या विकास की प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की गई है? यदि इन सवालों के जवाब संतोषजनक नहीं हैं, तो नक्सलवाद भले ही समाप्त हो जाए, लेकिन असंतोष की नई जमीन तैयार हो सकती है। सरकार के सामने अब असली चुनौती "पोस्ट-नक्सल" दौर को संभालने की है। जिन क्षेत्रों में कभी बंदूक की आवाज गूंजती थी, वहां अब स्कूलों की घंटियां, खेल के मैदानों की चहल-पहल और रोजगार के अवसरों की उम्मीद सुनाई देनी चाहिए। स्थानीय समुदायों का विश्वास जीतना सबसे बड़ी कुंजी है। यदि उन्हें लगे कि उनकी आवाज सुनी जा रही है और उनके संसाधनों पर उनका अधिकार सुरक्षित है, तभी यह बदलाव स्थायी हो सकेगा। नक्सलवाद के खत्म होने को एक नए भारत की शुरुआत के रूप में देखना चाहिए। जहां सुरक्षा के साथ-साथ न्याय और समानता भी सुनिश्चित हो।

आर्थिकी
सतीश सिंह

महंगाई के बेकाबू होने के आसार

भारत ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 में संशोधन के बाद 2016 में एफआईटी ढांचे को अपनाया था। फिलहाल, दुनिया के 3 विकसित देशों सहित 26 देशों ने इस व्यवस्था को अपनाया है। इस संकल्पना में मूल्य स्थिरता को मौद्रिक नीति का प्राथमिक उद्देश्य बताया गया है। मौजूदा परिदृश्य में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महंगाई सरकार द्वारा निर्धारित 4% से 2% अधिक या 2% कम के दायरे को आगामी महीनों में पार कर सकती है और इसकी वजह से रिजर्व बैंक को नीतिगत दरों में इजाफा करना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों में कमी आ सकती है साथ ही साथ देश की विकास गति भी अवरुद्ध हो सकती है।

ईरान के अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे संघर्ष के बावजूद सरकार ने 25 मार्च को तय किया कि महंगाई की सीमा 4% से 2% अधिक या 2% कम रहेगी। हालांकि, मौजूदा परिदृश्य में इस लक्ष्य को हासिल करना सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं होगा। बहरहाल, यह अधिसूचना, अर्थात लचीला मुद्रास्फीति लक्ष्यीकरण (एफआईटी) ढांचा, 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक प्रभावी रहेगा। उल्लेखनीय है कि इस ढांचे को 1 अक्टूबर 2016 में लागू किया गया था। इस ढांचे की हर 5 वर्षों में समीक्षा की जाती है।

पिछली बार इसे मार्च 2021 से मार्च 2026 तक के लिए लागू किया गया था। भारत ने भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 में संशोधन के बाद 2016 में एफआईटी ढांचे को अपनाया था। फिलहाल, दुनिया के 3 विकसित देशों सहित 26 देशों ने इस व्यवस्था को अपनाया है। इस संकल्पना में मूल्य स्थिरता को मौद्रिक नीति का प्राथमिक उद्देश्य बताया गया है। साथ ही, इस व्यवस्था के अंतर्गत मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की स्थापना की गई थी, जिसमें रिजर्व बैंक के तीन अधिकारी और तीन बाहरी सदस्य होते हैं और मौद्रिक नीति की ब्याज दर को मतदान के बहुमत से तय करते हैं। तत्पश्चात, रिजर्व बैंक मौद्रिक समीक्षा के फैसले की घोषणा करता है। महंगाई का स्तर मांग और आपूर्ति के संतुलन पर निर्भर करता है। जब लोगों के पास अधिक पैसा होता है तो वे अधिक वस्तुएं खरीदते हैं, जिससे मांग बढ़ती है। यदि आपूर्ति मांग के अनुरूप नहीं है तो कीमतें बढ़ेंगी। इसके विपरीत, जब मांग कम होती है और आपूर्ति अधिक होती है तो महंगाई घट जाती है। वर्तमान में युद्ध के कारण, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें तेज़ी से बढ़ रही हैं, जिसके कारण भारत में भी पेट्रोल, डीजल, सीएनजी और रसोई गैस की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं। इनकी कीमतों में और वृद्धि हो सकती है क्योंकि भारत अपने आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा रूस, इराक, सऊदी अरब, अमेरिका, यूएई, कतर, रूस, ऑस्ट्रेलिया आदि से आयात करता है और वर्तमान में इन देशों से भारत में आपूर्ति सामान्य नहीं है। सरकार और रिजर्व बैंक ने महंगाई की निर्धारित सीमा को बनाए रखने का निर्णय लिया है। यह मानते हुए कि आधार वर्ष में बदलाव से इस सीमा पर कोई दबाव नहीं पड़ेगा और यह निर्धारित स्तर पर कायम रहेगी। 12 फरवरी से सरकार ने महंगाई का मापन आधार वर्ष 2012 से बदलकर 2024 कर दिया है। इस नए आधार वर्ष में कई पुरानी वस्तुओं को उनकी अप्रासंगिकता के कारण हटा दिया गया है, और नई वस्तुओं को जोड़ा गया है। साथ ही, खाद्य वस्तुओं का भार घटाया गया है और कुछ गैर-खाद्य वस्तुओं का भार जोड़ दिया गया है, जिनका आमतौर पर महंगाई पर प्रभाव पड़ता है। अभी सामान्यतः महंगाई में वृद्धि का कारण खाद्य कीमतों का बढ़ना माना जाता है, लेकिन नए आधार में खाद्य पदार्थों का भार महंगाई के मामले में कम कर दिया गया है। इसलिए, यह माना जा रहा है कि लंबे समय तक युद्ध के चलते महंगाई सरकार द्वारा निर्धारित सीमा 4% से 2% अधिक या 2% कम के स्तर पर अक्षुण्ण बनी रहेगी। मुद्रास्फीति को मापने के लिए ऐसी वस्तुएं और सेवाएं चुनी जाती हैं, जो इसकी वृद्धि में सबसे अधिक योगदान देती हैं। इन वस्तुओं को

उनके महत्व के आधार पर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) में वज़न दिया जाता है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) हर माह खुदरा महंगाई का आकलन सीपीआई सूचकांक से करता है, जिसमें वे वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं, जिनका रोज़मर्रा के जीवन में अधिक उपयोग होता है, जैसे कि खाद्य, वस्त्र, आवास, ईंधन और स्वास्थ्य सेवाएं।

नए आधार वर्ष के अंतर्गत ऐसी वस्तुएं और सेवाएं भी जोड़ी गई हैं, जिन पर अब लोग अधिक खर्च कर रहे हैं, जैसे कि स्मार्टफ़ोन, इंटरनेट, ईयरफोन, फिटनेस बैंड जैसे उपकरण हमारे जीवन का हिस्सा बन गए हैं, जबकि पहले इनका उपयोग सीमित था। साथ ही, अब नेटफ्लिक्स, जियो हॉटस्टार, प्राइम वीडियो जैसी ओटीटी सेवाएं, ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म, हवाई टिकट, ऐप आधारित टैक्सी सेवाएं, ऑनलाइन सेवाएं, शॉपिंग की कीमतें, और ग्रामीण इलाकों में मकान के किराए को भी सूचकांक में शामिल किया गया है। अन्तरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के बाद भारत में नायरा एनर्जी ने पेट्रोल की कीमत में 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल में 3 रुपये प्रति लीटर वृद्धि की है। वहीं, होटल-रेस्टोरेंट ग्राहक से सरकारी टैक्स के साथ एलपीजी चार्ज भी वसूल कर रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस पर रोक लगाई है, लेकिन जमीनी स्तर पर इस रोक का कोई प्रभाव नहीं दिख रहा है। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपये की कटौती की है। पेट्रोल पर ड्यूटी 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये कर दी गई है, जबकि डीजल पर 10 रुपये से शून्य कर दी गई है, ताकि पेट्रोल और डीजल की कीमतें न बढ़ें।

अमेरिका और इजराइल के साथ ईरान की जंग के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर से बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे तेल कंपनियों को 30 रुपये प्रति लीटर तक घाटा हो रहा है, जिसे तेल कम्पनियां जल्द ही आमजन पर डाल देंगी। आमतौर पर जब तेल की कीमत बढ़ती है तो परिवहन की लागत बढ़ती है, साथ ही वस्तुओं की कीमत में भी इजाफा होता है। हालांकि, जानकारों के अनुसार सरकार द्वारा एक्साइज ड्यूटी में कटौती केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और असम जैसे राज्यों में आगामी चुनावों के मद्देनजर ली गई है और चुनाव के खत्म होने के तुरंत बाद सरकार एक्साइज ड्यूटी में कटौती को वापस ले सकती है। ईरान, इज़राइल और अमेरिका के मौजूदा रुख से ऐसा लगता है कि हाल फिलहाल में यह जंग रुकने वाली नहीं है और लंबे समय तक इस युद्ध के जारी रहने पर कच्चे तेल के साथ-साथ कई जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति शृंखला भी बाधित हो सकती है। उल्लेखनीय है कि भारत दैनिक जीवन में इस्तेमाल किए जाने वाली कई वस्तुओं का आयात दूसरे देशों से करता है, इसलिए नए आधार वर्ष में महंगाई की गणना करने वाली वस्तुओं में बदलाव करने के बाद भी महंगाई में अभूतपूर्व इजाफा होने की संभावना है। एक अनुमान के अनुसार भारत में 2026 तक महंगाई दर बढ़कर 4.6% तक पहुँच सकता है, जो पहले 3.9% के आसपास रहने की उम्मीद थी।

यह भारतीय रिजर्व बैंक की स्वीकार्य सीमा के अंदर है, लेकिन रुपया के लगातार कमज़ोर होने से महंगाई पर दबाव और भी बढ़ सकता है। मौजूदा परिदृश्य में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि महंगाई सरकार द्वारा निर्धारित 4% से 2% अधिक या 2% कम के दायरे को आगामी महीनों में पार कर सकती है और इसकी वजह से रिजर्व बैंक को नीतिगत दरों में इजाफा करना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक गतिविधियों में कमी आ सकती है साथ ही साथ देश की विकास गति भी अवरुद्ध हो सकती है।

(लेखक एसबीआई में एजीएम हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

नई दिशा
ममता कुशवाहा

डिजिटल युग में जनगणना बदलाव की बुनियाद

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से भरे देश में जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा को समझने का एक सशक्त माध्यम है। वर्ष 2021 में प्रस्तावित जनगणना, जो विभिन्न कारणों से विलंबित रही, अब एक नए स्वरूप में आरंभ होने जा रही है। यह जनगणना कई मायनों में ऐतिहासिक है, न केवल इसलिए कि यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, बल्कि इसलिए भी कि इसमें पहली बार जातीय आंकड़ों को व्यवस्थित रूप से संकलित किया जाएगा। यह पहल भारत के प्रशासनिक ढांचे, नीति-निर्माण और सामाजिक समझ को एक नई दिशा देने की क्षमता रखती है। डिजिटल जनगणना का सबसे बड़ा लाभ इसकी गति और सटीकता में निहित है। पारंपरिक कागज-आधारित प्रणाली में जहां आंकड़ों के संग्रह, संकलन और विश्लेषण में वर्षों लग जाते थे, वहीं डिजिटल माध्यम इस पूरी प्रक्रिया को कहीं अधिक त्वरित और त्रुटिहीन बना सकता है। मोबाइल एप, वेब पोर्टल और रियल-टाइम मॉनिटरिंग जैसे उपकरणों के माध्यम से डेटा सीधे केंद्रीय सर्वर पर पहुंचेगा, जिससे मानवीय भूलों की संभावना न्यूनतम हो जाएगी। इसके अतिरिक्त, यह प्रणाली पारदर्शिता को भी बढ़ाएगी और डेटा के सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करेगी। इस जनगणना की एक विशेषता यह भी है कि नागरिक स्वयं अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

यह न केवल नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देगा, बल्कि प्रशासनिक बोझ को भी कम करेगा। हालांकि, इसके साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। लोगों को अपनी जानकारी पूरी ईमानदारी और सावधानी से भरनी होगी, क्योंकि यह डेटा न केवल वर्तमान नीतियों के निर्माण में सहायक होगा, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी बनेगा। जनगणना आयुक्त द्वारा दी गई गोपनीयता की गारंटी इस प्रक्रिया में विश्वास को मजबूत करती है, जिससे लोग बिना किसी भय के अपनी जानकारी साझा कर सकेंगे। जनगणना को दो चरणों में पूरा करने का निर्णय भी एक महत्वपूर्ण बदलाव है। पहले चरण में घरों की सूचीकरण और आवास से संबंधित जानकारी एकत्र की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक पहलुओं का विवरण लिया जाएगा। यह विभाजन न केवल प्रक्रिया को अधिक व्यवस्थित बनाएगा, बल्कि डेटा के विश्लेषण को भी अधिक सटीक और उपयोगी बनाएगा। इससे सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में लक्षित योजनाएं बनाने में मदद मिलेगी, जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आवास। इस जनगणना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू जातीय आंकड़ों का संकलन है। स्वतंत्र भारत में यह पहली बार होगा, जब जातियों का विस्तृत विवरण एकत्र किया जाएगा। इससे देश की सामाजिक संरचना की वास्तविक तस्वीर सामने आएगी, जो अब तक केवल अनुमान और अधूरी जानकारी पर आधारित रही है। वर्ष 1931 के बाद से जातिगत जनगणना नहीं हुई है, इसलिए वर्तमान में विभिन्न जातीय समूहों के संख्याबल और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बारे में स्पष्ट और प्रमाणिक आंकड़ों का अभाव है। ऐसे में यह जनगणना कई मिथकों और धारणाओं को तोड़ने का कार्य कर सकती है। हालांकि, जातीय जनगणना के साथ कुछ चिंताएं भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी आशंका यह है कि इन आंकड़ों का उपयोग राजनीतिक लाभ के लिए किया जा सकता है।

भारत में पहले से ही जाति आधारित राजनीति का प्रभाव देखा गया है और यदि इन आंकड़ों का दुरुपयोग हुआ तो यह सामाजिक विभाजन को और गहरा कर सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल अपने-अपने हितों के अनुसार इन आंकड़ों की व्याख्या कर सकते हैं, जिससे समाज में वैमनस्य और असंतोष की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि सरकार इस दिशा में ठोस नीतिगत उपाय करे, ताकि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग केवल विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए ही किया जाए। जनगणना का मूल उद्देश्य देश की जनसंख्या की संरचना, उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को समझना है, ताकि प्रभावी नीतियां बनाई जा सकें। यह किसी भी प्रकार के संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति का साधन नहीं होना चाहिए। यदि जनगणना के आंकड़ों का उपयोग सही दिशा में किया जाए, तो यह देश के समग्र विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इस दिशा में सरकार, प्रशासन और नागरिकों, तीनों की जिम्मेदारी है कि वे इस प्रक्रिया को सफल बनाएं और इसके उद्देश्यों को सही दिशा में ले जाएं। यदि ऐसा होता है तो यह जनगणना न केवल वर्तमान की आवश्यकताओं को पूरा करेगी, बल्कि भविष्य के भारत के निर्माण में भी एक मजबूत आधारशिला साबित होगी।

(लेखिका शिक्षिका हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

योग-ध्यान भावनाओं को रोकें नहीं, साधें

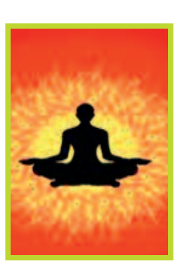

संकलित
दर्शन

जब भी आप क्रोध जैसी किसी भी नकारात्मक भावना को रोकने का प्रयास करते हैं, तो वह और भी ज्यादा तेज हो जाती है। आप जो चीज नहीं चाहते हैं, उसे यदि आप रोकने की कोशिश करते हैं, तो ऐसा ही होता है। वस्तुतः मानव मन की यही प्रकृति है। मन को अपने अनुरूप साधने की प्रणाली योग है। योग की प्रणाली अनुभव के स्तर पर अपने शरीर और मन की प्रकृति का अनुसंधान करती है। जब आप सुबह उठकर आसन करते हैं, तो आप उसे मात्र व्यायाम न समझें। वास्तव में योग यह सुनिश्चित करता है कि आप जीवन से कितनी सहजता से गुजरते हैं, आप अपने शरीर और अपने मन को कितनी गहराई से समझते हैं। यदि आप गाड़ी चलाकर कहीं जा रहे हैं तो यात्रा मंगलमय होने के लिए, दो बातें जरूरी हैं। एक तो गाड़ी का अच्छा होनी चाहिए और दूसरी आपको गाड़ी की समझ हो। आपके शरीर और मन के बारे में योग यही तो सुनिश्चित करता है। यह बड़ी व्यावहारिक बात है, यह कोई आत्मज्ञान नहीं है। अगर आप एक अज्ञानी जीवन भी जीना चाहते हैं, तब भी योग जरूरी है। जब आप आसन करते हैं तो आप अपने शरीर और मन की प्रकृति को खोजते हैं। अगर आप अपनी अंगुलियों को एक खास तरह से चलाते हैं, तो आपका मन उसके मुताबिक काम करता है। आप अपने शरीर से जो कुछ भी करते हैं, उससे आपके मन के साथ भी कुछ होता है। किताब पढ़ने से यह समझ प्राप्त नहीं होगी।

ब्राह्मण का सपना

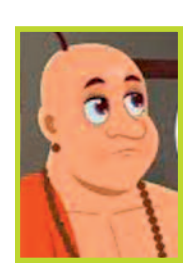

संकलित
प्रेरणा

एक नगर में कोई कंजूस ब्राह्मण रहता था। उसने भिक्षा से प्राप्त सत्तुओं में से थोड़े से खाकर शेष से एक घड़ा भर लिया था। उस घड़े को उसने रस्सी से बांधकर खूंटी पर लटका दिया और उसके नीचे पास ही खटिया डालकर उसपर लेटे-लेटे विचित्र सपने लेने लगा, और कल्पना के हवाई घोड़े दौड़ाने लगा। उसने सोचा कि जब देश में अकाल पड़ेगा तो इन सत्तुओं का मूल्य 100 रुपए हो जाएगा। उन सौ रुपयों से मैं दो बकरियां लूंगा। छः महीने में उन दो बकरियों से कई बकरियां बन जाएंगी। उन्हें बेचकर एक गाय लूंगा। गौओं के बाद भैंसे लूंगा और फिर घोड़े ले लूंगा। घोड़ों को महंगे दामों में बेचकर मेरे पास बहुत सा सोना हो जाएगा। सोना बेचकर मैं बहुत बड़ा घर बनाऊंगा। मेरी सम्पत्ति को देखकर कोई भी ब्राह्मण अपनी सुरुपवती कन्या का विवाह मुझसे कर देगा। वह मेरी पत्नी बनेगी। उससे जो पुत्र होगा उसका नाम मैं सोमशर्मा रखूंगा। जब वह घुटनों के बल चलना सीख जाएगा तो मैं पुस्तक लेकर घुड़शाला के पीछे की दीवार पर बैठा हुआ उसकी बाल-लीलाएं देखूंगा। उसके बाद सोमशर्मा मुझे देखकर मां की गोद से उतरेगा और मेरी ओर आएगा तो मैं उसकी मां को क्रोध से कहूंगा- 'अपने बच्चे को संभाल।' वह गृह-कार्य में व्यग्र होगी, इसलिए मेरा वचन न सुन सकेगी। तब मैं उठकर उसे पैर की ठोकर से मारुंगा। यह सोचते ही उसका पैर ठोकर मारने के लिए ऊपर उठा। वह ठोकर सत्तु-भरे घड़े को लगी। घड़ा चकनाचूर हो गया। कंजूस ब्राह्मण के स्वप्न भी साथ ही चकनाचूर हो गए।

अंतर्मन

आज की पाती

भारत-अमरीका व्यापार समझौते की अहमियत

भारत और अमरीका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता (2026) ऐसे समय में उभरकर सामने आया है, जब भारत एक ओर वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी भागीदारी को विस्तार देने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर अपनी कृषि-आधारित सामाजिक-आर्थिक संरचना की रक्षा करने की अनिवार्य चुनौती का सामना कर रहा है। फरवरी 2026 में घोषित अंतरिम रूपरेखा ने जहां भारतीय निर्यातकों के लिए अमरीकी बाजार में नए अवसरों के द्वार खोले हैं, वहीं सस्ते अमरीकी कृषि उत्पादों के संभावित आयात ने देश के करोड़ों किसानों के बीच चिंता और असुरक्षा की भावना पैदा कर दी है। भारत को ऐसा समझौता करना चाहिए जिससे व्यापार संतुलन ठीक हो जाए। *- श्रीकांत पाटिल, बिलासपुर*

ट्रेंड

सेमीकंडक्टर उद्योग

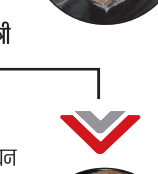

भारत का सेमीकंडक्टर उद्योग विभिन्न राज्यों में फल-फूल रहा है, जिससे अनगिनत युवाओं के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं। इन प्रयासों को और अधिक व्यापक बनाने के लिए हम सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 पर काम कर रहे हैं।
- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

केरल की नर्सें

लाखों लोगों के लिए, केरल की नर्सें जीवन के सबसे कठिन क्षणों में सहारा और शक्ति का स्रोत हैं। उन्हीं की बदौलत मैं केरल में शांति से चुनाव प्रचार कर पा रहा हूं, यह जानकर कि दिल्ली में मेरी मां की देखभाल उन्हीं की देखरेख में हो रही है।
- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

समान नागरिक संहिता

सत्ता में वापसी के तीन महीने के भीतर हम असम में समान नागरिक संहिता लागू करेंगे। हमारी बहुआयामी रणनीति में लव जिहाद, लैंड जिहाद, अतिक्रमण और घुसपैठ के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी शामिल होगी।
- हिमंता बिस्वा सरमा, सीएम, असम

सीबीआई जांच की मांग

एसीबी अब तक झारखंड शराब घोटाले के किसी भी आरोपी के विरुद्ध चार्जशीट दाखिल करने में विफल रही है, जिसके परिणामस्वरूप सभी आरोपियों को डिफ़ॉल्ट बेल मिल गई। इसी विषय को लेकर आज राज्यपाल से मिलकर सीबीआई जांच सुनिश्चित करने का आग्रह किया।
- बाबूलाल मरांडी, पूर्व सीएम, झारखंड

करंट अफेयर

'गेट ऑफ टीयर्स' बन सकता है नया वैश्विक संकट बिंदु

वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार पर पश्चिम एशिया संकट के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पर पहले से बने दबाव के बीच अब एक और अहम समुद्री मार्ग 'बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य' को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह जलडमरूमध्य जल्द ही एक नए वैश्विक तनाव केंद्र के रूप में उभर सकता है, जिससे विश्व अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ सकता है। 'होर्मुज जलडमरूमध्य' दुनिया के लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस के परिवहन का प्रमुख मार्ग है। ईरान ने खुद पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद इस मार्ग को बंद कर दिया है जिससे वैश्विक बाजारों में अस्थिरता बढ़ गई है। इसी बीच, विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि अब बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य भी संकट का केंद्र बन सकता है। दरअसल, 28 मार्च को यमन के हूती विद्रोहियों ने इजराइल की ओर मिसाइलें दागीं। यह कदम ईरान-इजराइल संघर्ष शुरू होने के बाद पहली बार उठाया गया है। यमन, बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के एक किनारे पर स्थित है और हूती पहले भी लाल सागर में जहाजों पर हमले कर चुके हैं, जिससे 2023 और 2024 में समुद्री यातायात बाधित हुआ था।

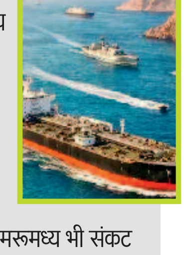

ऑफ बीट

रंगीन चावल वास्तव में क्या स्वास्थ्यवर्धक है

चावल की 40,000 से अधिक विभिन्न किस्में हैं – जो इस मुख्य फसल की विविधता और अनुकूलनशीलता का प्रमाण है। चावल, अन्य अनाजों की तरह, एक घास के पौधे का खाने योग्य स्टार्चयुक्त दाना है। सफेद चावल की तुलना में, भूरा चावल एक साबुत अनाज है जिसमें केवल अखाद्य बाहरी छिलका हटा दिया जाता है। सफेद चावल बनाने के लिए अनाज का चोकर (बाहरी आवरण) हटा दिया जाता है। भूरे चावल में, चोकर और मगज़ (अनाज का मूल) बरकरार रहते हैं, जिससे इस प्रकार के चावल को इसका भूरा रंग और उच्च फाइबर सामग्री मिलती है। भूरे चावल में स्वाभाविक रूप से सफेद चावल की तुलना में अधिक पोषक तत्व होते हैं, जिसमें आहार फाइबर की दोगुनी मात्रा और फोलिक एसिड सहित काफी अधिक मैग्नीशियम, लौह, जस्ता और बी समूह विटामिन शामिल हैं। ब्राउन राइस में पॉलीफेनोल्स और फ्लेवोनोइड्स भी होते हैं, यह ऐसे एंटीऑक्सिडेंट हैं, जो शरीर को तनाव से बचाते हैं। इसे अक्सर लंबे अनाज के विकल्प के रूप में बेचा जाता है और इसमें काले और लाल चावल की किस्मों के समान पौष्टिक स्वाद होता है, हालांकि कुछ रसोइयों का सुझाव है कि इसकी बनावट थोड़ी अलग होती फैंसी काला चावल।

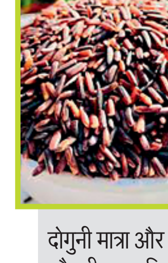

अपने विचार
हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

अब दिखाई नहीं देते गांवों में कुआं टेंड़ा रहट

चिन्हारी

डा. नीलकंठ देवांगन

पहले पीने का पानी का प्रमुख साधन होता था कुआं । जमीन में खोदा गया गहरा गड्ढा जिससे रस्सी बाल्टी के जरिये पानी निकाला जाता था । धंसकने से बचाने दीवाल में पत्थर या ईंट लगा दिया जाता था । हर गांव शहरों में कुएं होते थे 1 कुएं का पानी शुद्ध, ताजा होता था । अब हर गांव शहरों में नल बोरिंग की सुविधा हो गई है, विद्युत पंप लग गए हैं । कुओं का उपयोग कम होता गया और अब तो कुएं दिखते नहीं है 1 पट गये या उन्हें ढंक दिया गया। कुआं से पानी निकालने में कसरत हो जाती थी । गगरी, घड़ा या हौंला सिर पर रखकर लाने से महिलाओं के शरीर का संतुलन बना रहता था।

टेंड़ा कुएं से पानी निकालने का पारंपरिक ग्रामीण पद्धति होती थी । इसमें लंबे बांस के सिरे पर बाल्टी बांधकर एक सहारे के माध्यम से पानी ऊपर खींचा जाताथा । सब्जी बाड़ी की सिंचाई के लिए इसका उपयोग होता था ।

रहट कुएं से पानी निकालने और खेतों की सिंचाई करने का पारंपरिक तरीका होता था । इसमें बैलों द्वारा घुमाया जाने वाला लोहे का गोलाकार पहिया होता था , जिसमें बाल्टियों या मोटे टीन के डिब्बों की श्रृंखला होती जो कुएं से पानी भरकर खेतों में पहुंचाती । अब कुएं ही नहीं तो टेंड़ा और रहट कहां से होंगे ? यदि कहीं हैं भी तो उनमें मोटर पंप डाल दिये गये हैं ।

खानपान

टिकेश्वर सिन्हा ' गब्दीवाला '

बारों महीना खाया जाने वाला झांझी मुठिया

मुठिया रोटी बनाए बर कोपरा, बटकी या कटोरा में पानी रख के अपन जरूरत मुताबिक नून डार के नवा या जुन्ना चाऊर के चिकन पीसान साने जाथे। संख्या अपन जरूरत के अनुसार रखे जाथे 1 एकर बाद चूल्हा में आधा कन्नौजी पानी रखे जाथे । पेरा ऊपर एक ठन सफा फरिया बारा म बांध दे जाथे । परई में कन्नौजी ल तोपे जाथे। कुनकुन होइस तहाने कन्नौजी के पानी उफनाय ल धारिस अऊ भाप बनई शुरू हो जाथे । इही भाप में मुठिया रोटी ह उसनाथे यानि चूर जाथे 1 बने ढंग ले असनाय के बाद कन्नौजी ल उतार दे जाथे। अइसने ढंग ले बने मुठिया रोटी ल झांझी मुठिया रोटी कहे जाथे । आजकाल लोगन ह मुठिया रोटी ल दुसर ढंग ले घलो बनाथे । एमा कड़ाही के उपयोग करे जाथे 1 कड़ाही में तेल डार के मढ़ाय जाथें। तेल आथे त मिर्ची के फोरन डार के अपन इच्छा मुताबिक पानी डारे जाथे । गरम पानी ले रोटी उसनाय लगथे । उसनाय कड़ाही ल उतार दे जाथे अऊ तियार हो जाथे मुठिया रोटी । एला तेल फरा रोटी कहे जाथे ।

ऐतिपासिक

आशा ध्रुव

धार्मिक महत्व के देवालय और गुफा राजपुर कोठी में

सरगुजा अंचल में राजपुर के दक्षिण दिशा में 3 कि मी दूरी पर गेऊर नदी के तट पर ओफरा गांव के पास एक ऊंचे टीले पर राजपुर कोठी है । यहां प्राचीन काल के देवालय हैं जहां शंभु गौरा के पिंड स्थापित हैं 1 यहां से लगा लालमाटी ग्राम में एक प्राचीन गढ़ है जहां कनेर नामक गोंड राजा का राज्य था । इसके अलावा आसपास में बेलसर हर्राटोला के केरा कछार में शंभु महादेव का देवालय, चलगली का महामाया देवालय, जोगापाठ के बीहड़ जंगल में प्राकृतिक गुफा, धनपुर में गोंड राजाओं की चांडी देवी और अन्य देवों के देवालय, शिवपुर का शंभु महादेव देवालय, आरा पहाड़ में महादेव मंदिर, पीपरोल पर्वत में महादेव की तपोभूमि, बच्छराज पर्वत में स्थित नागराज का निवास, रंगई जंगल में महादेव गुफा, रमकोला की पिंगलाई देवी सीरीकोट का शंभु देवालय जैसे और भी अनेक प्राचीन स्थल हैं जो इतिहास की दृष्टि से आज भी महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं । इसी तरह वेनदाई पर्वत के कैमूर श्रृंखला में सोन नदी के किनारे समतल भू भाग पर गोंड राजाओं द्वारा बनाया गया किला है, यहां सात तालाब हैं जहां का पानी कभी नहीं सूखता । इन स्थानों पर समय समय धार्मिक आयोजनों के साथ ही मेले का भी आयोजन किया जाता है । स्थानीय लोगों के लिए उपरोक्त स्थलों का अपना अलग ही महत्व है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

परब विशेष

डा. वेदवती मंडावी

उरांव जनजाति का प्रमुख त्योहार है सरहुल

सरहुल उरांव जनजाति का प्रमुख त्योहार चैत्र मास में मनाया जाता है। इस पर्व में वे अपने नए जमाई को विशेष रूप से आमंत्रित करते हैं । उरांव इन्हें कुरूख भाषा में खद्दी मन्ना कहते हैं, जिसका शाब्दिक अर्थ भी सरहुल होता है । सरहुल पूजोत्य से पूर्व तक धरती को अविवाहित कन्या की भांति देखा जाता है । उरांव जनजाति धरती से उत्पन्न नए फल फूलों को घरों में प्रवेश तथा उपयोग नहीं करते । इस नियम का सभी कड़ाई से पालन करते हैं 1 सरहुल त्योहार के दिन धरती एवं सूर्य के प्रतीकों से विवाह का स्वांग रचाते हैं । इस विवाह में अपने कुल देवता को साक्षी मान कर प्रार्थना करते हैं कि सृष्टि को कायम रखने के लिए हम दोनों वर और कन्या को उतार रहे हैं । सुख दुख में हमारी रक्षा करना तथा हमारी संतान को आप आशीर्वाद दें, ताकि वह भी हमारी इस परंपरा को कायम रख सकें । गांव के महंतों, पाहन, पनभरा आदि मिल कर धरती पर हड़िया में पेय पदार्थ अर्पित कर दुआ मांगते हैं । मानते हैं कि सूर्य और धरती के परस्पर सहयोग से ही मानव उपयोगी समस्त वस्तुओं का सृजन हुआ है । अतः आदिम जन भी अपनी बुद्धि और समझ के अनुरूप सृजनकर्ता का

अभिनंदन करते हैं और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया के लिए याद करते हैं । इस जनजाति द्वारा इस अवसर पर गाए जाने वाला यह गीत -

चिमिन संगीर रे अब
गऊबा सरना
सिंग बोगाय केड़ा तनाय
नेवताबु तनाय तोला
बू से नोगा मियाद बरु फारोम रे
एबाय केड़ा तनाय
अवाय सिंग बोगाए नेवता
तवा दो बू से नोगा ।

अर्थात सरना पूजा स्थल कितना दूर है, परम पिता हमें बुला रहे हैं, सिंगबोंगा हमें आमंत्रण दे रहे हैं । चलो आज सब जाएंगे ।

धार्मिक : सरयूकांत झा

महिसाधक संप्रदाय के महान आचार्य थे बुद्धघोष

सिरपुर के बौद्ध विहार में बुद्धघोष निवास करते थे जो महर्षि रैवत के शिष्य थे । वहां से प्राप्त शिलालेख में उनका वर्णन मिलता है । ईसा पूर्व सम्राट अशोक के काल में स्थविर मत का विस्तार हुआ । आचार्य बुद्धघोष इसी मत के मानने वाले इतिहास कार विद्वान थे । इनका जन्म स्थान कोसल ही था । वे मंडला के महिसाधक बौद्ध भिक्षुओं के संपर्क में आकर बौद्ध धर्म में दीक्षित हुए थे । आचार्य बुद्धघोष वेद वेदांग में पारंगत थे,उनमें विलक्षण तर्क बुद्धि थी । आपने यहां कई ग्रंथों की रचना की जिसमें अट्ठकथा, वाणोंदय, अट्ठसालिनी प्रमुख है । आचार्य बुद्धघोष बौद्ध धर्म के प्रसिद्ध आधार ग्रंथ 'त्रिपिटक ' के सबसे बड़े अट्ठकथाकार माने जाते हैं । श्रीलंका के राजा महानाम के संरक्षण में उन्होंने बौद्ध धर्म के विशुद्ध मार्ग के आधार पर ' विशुद्धि मग्ग ' का पाली भाषा में निर्माण किया । सिंहली भाषा में लिखित सभी अट्ठाकथाओं का पाली भाषा में अनुवाद किया। महान विद्वान आचार्य नरेंद्रदेव ने बुद्धघोष को सिंहली अट्ठकथाओं का सबसे बड़ा व्याख्याकार सिद्ध किया है । ' पद्य चूड़ामणि ' नामक प्रसिद्ध संस्कृत ग्रंथ भी इनके द्वारा लिखी गई है ।

लोक साहित्य

डा. सुधीर शर्मा

छत्तीसगढ़ी लेखन के पहले का दौर

राजा महाराजाओं के पुरोहित, जो उत्तर प्रदेश के बनारस व इलाहाबाद की ओर से आए, बिहार के मिथिला अंचल से आए वे ब्रज अवधि में रचना कर राजकुमारों को लेखन में प्रवीण करते रहे । राजा की भाषा, प्रजा की भाषा होती है । लिखना पूर्व में छत्तीसगढ़ी में नहीं हुआ । छत्तीसगढ़ में पूर्व में अनेक कवि हुए, पर वे ब्रज व अवधी में लिखते रहे। 18 वीं शताब्दी में महाकवि खंडेराव भोंसले ने अपने महाकाव्य के दूसरे खंड में ' कृष्ण रुक्मिणी विवाह ' प्रसंग में छत्तीसगढ़ी रीति रिवाजों का वर्णन छत्तीसगढ़ी शब्दों के प्रयोग के साथ दोहा, चौपाई छंदों का प्रयोग किया । इसके बाद 19 वीं सदी में प. सुंदरलाल शर्मा ने खड़ी बोली, अवधी और छत्तीसगढ़ी में लिखना प्रारंभ किए और ' छत्तीसगढ़ी दानलीला ' जैसा लघु प्रबंध काव्य लिख कर अपार लोकप्रियता प्राप्त करते हुए छत्तीसगढ़ी भाषा को साहित्यिक रूप प्रदान किया। आगे के क्रम में छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नदृष्टा के रूप में, सेना में भी छत्तीसगढ़ रेजिमेंट की कल्पना कर नाट्य सृजन करने वाले डा. खूबचंद बघेल ने सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार करते हुए ऊंच नीच , जरनैल सिंह और करम छड़हा नाटक का सृजन किया । तब तक गिरवर दास वैष्णव ने भी सामाजिक कुरीतियों और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध अपनी कविताओं के माध्यम से आग उगलना प्रारंभ कर दिया था । प. मुकुटधर पाण्डेय ने कालिदास के मेघदूत का सौष्ठवयुक्त छत्तीसगढ़ी में छंदोबद्ध अनुवाद किया । यह सब छत्तीसगढ़ी भाषा में साहित्य रचना का अंकुरण काल था ।

लोकगीतः डा. ज्योति किरण चंद्राकर

अब सुने ल कम मिलथे भड़ौनी गीत

छत्तीसगढ़ के ग्रामीण अंचल में विवाह संस्कार में भड़ौनी गीत गाने का काफी समय से प्रचलन में रहा है। जब बाराती कन्या पक्ष के घर में प्रवेश करते थे, उस समय भड़ौनी गीत गाया जाता था। वर और कन्या दोनों पक्ष के युवक- युवतियां एक दूसरे पर छींटाकसी कर हास - परिहास करते थे। दोनों पक्षों द्वारा भड़ौनी गीत गाकर एक दूसरे को प्रत्युत्तर दिया करते थे। युवक - युवतियों द्वारा दी जाने वाली गाली राग -द्वेष से मुक्त प्रीत का प्रतीक माना जाता था। समधी- समधिन , वर- वधू और सुहासिने एक दूसरे की ओर इंगित करते हुए भड़ौनी गीत गाए जाने का प्रचलन था।

पूर्व समय में ग्रामीण अंचल में विवाह में भड़ौनी गीत गाना शुभ माना जाता था। इन गीतों के माध्यम से समधी व बारातियों पर हास-परिहास, व्यंग्य किया जाता था। ग्रामीण अंचल में विभिन्न रस्मों को ये लोकगीत जीवंत बनाते थे। इन गीतों के माध्यम से विवाह में हास -परिहास का व मनोरंजन का वातावरण बनता था ।

वर्तमान समय में यह भड़ौनी गीत लुप्त हो गया है। इसकी जगह डीजे साउंड सिस्टम और संगीत संध्या ने ले लिया है। इन गीतों में समधी-समधिन, वर -वधु को इंगित करते हुए गाया जाता था। प्रत्युत्तर में उसका उत्तर दिया जाता था।

भड़ौनी गीत इस प्रकार है -

₹बने- बने तोला जानेव समधी
मड़वा मा डारेव हूं बांस रे।
झाला- पाला लुगरा लाने ,
जरय तोर नाक रे।
भात राधेव दार राधेव ,
पसिया पसायेव रे।
दूल्हा ददा के मेछा में ,
हंसिया तिपायेव रे।
नरवा तीर के पटवा भाजी,
पटपट -पटपट करथे रे ।
आय हे बरतिया टुरा,
मटमट-मटमट करथे रे।

इसके प्रत्युत्तर में युवक कहते हैं-

नदिया तीर के लुदवा मछरी,
लुदलुद -लुदलुद करथे रे।
मटिया गांव व के टुरी मनहा ,
मटमट -मटमट करथे रे।

खबर संक्षेप

पीरामल फाइनेंस का एयूएम एक लाख करोड़ रुपए के पार

मुंबई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) पीरामल फाइनेंस के प्रबंधन के अंतर्गत कुल परिसंपत्तियां (एयूएम) एक लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई हैं। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा है कि विकास के अगले चरण को गति देने के लिए कंपनी एक सूक्ष्म वित्त संस्थान के अधिग्रहण की इच्छुक है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जयराम श्रीधरन ने कहा कि कंपनी मार्च, 2028 के अंत तक अपने एयूएम को बढ़ाकर 1.5 लाख करोड़ रुपये करने के लक्ष्य पर कायम है।

अमेरिका में पेट्रोल की कीमत चार डॉलर प्रति गैलन के पार

न्यूयॉर्क। ईरान युद्ध के बीच वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतों में तेज बढ़ोतरी से अमेरिका में पेट्रोल की

कीमत 2022 के बाद पहली बार औसतन चार डॉलर प्रति गैलन से अधिक हो गई है। वाहन कंपनियों के संघ 'एएए' के अनुसार, नियमित पेट्रोल की राष्ट्रीय औसत कीमत अब 4.02 डॉलर प्रति गैलन हो गई है जो युद्ध शुरू होने से पहले की तुलना में एक डॉलर से अधिक है। इससे पहले रूस के यूक्रेन पर हमला करने के दौरान करीब चार वर्ष पहले अमेरिका में पेट्रोल इतना महंगा हुआ था।

देश में प्रति उपयोगकर्ता मासिक मोबाइल डेटा की खपत 31 जीबी से अधिक

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में प्रति उपयोगकर्ता औसत मासिक मोबाइल डेटा की खपत वर्ष 2025 में 31 जीबी के आंकड़े को पार कर गई है जबकि वर्ष 2024 में यह खपत 27.5 जीबी थी। एक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी नोकिया के वार्षिक मोबाइल ब्रॉडबैंड सूचकांक(एमबीइटी) के 13वें संस्करण में कहा गया है कि वर्ष 2025 में अखिल भारतीय स्तर पर 5जी नेटवर्क पर डेटा का कुल मासिक उपयोग एक साल पहले की तुलना में 70 प्रतिशत बढ़कर 12.9 एक्साबाइट (ईबी) तक पहुंच गया है। इसके साथ ही, देश के कुल मोबाइल ब्रॉडबैंड ट्रैफिक में 5जी की हिस्सेदारी अब लगभग 47 प्रतिशत हो गई है।

वार्षिक मोबाइल ब्रॉडबैंड सूचकांक के 13वें संस्करण पर रिपोर्ट जारी

अधिक डेटा खपत वाली सेवाओं की मांग बढ़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, प्रति उपयोगकर्ता औसत मासिक मोबाइल डेटा खपत में हुई यह वृद्धि पिछले पांच वर्षों में 18 प्रतिशत की वार्षिक औसत वृद्धि दर को दर्शाती है। यह बढ़ोत्तरी उन्नत मोबाइल ब्रॉडबैंड के तीव्र विस्तार और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित अनुप्रयोगों, उच्च गुणवत्ता वाले 4के वीडियो देखने और क्लाउड गेमिंग जैसी अधिक डेटा खपत वाली सेवाओं की बढ़ती मांग का परिणाम है।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी उपभोक्ता

भारत में कुल डेटा उपयोग वर्ष 2025 में 27 एक्साबाइट प्रति माह को पार कर गया है। एक एक्साबाइट का मतलब एक अरब जीबी से थोड़ा अधिक होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा 5जी उपभोक्ता आधार वाला देश बन गया है। साथ ही, 5जी डेटा खपत और 'फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस' उपयोगकर्ताओं की संख्या के मामले में भी भारत विश्व में दूसरे स्थान पर है।

केबल के बगैर इंटरनेट मुहैया

फिक्स्ड वायरलेस एक्सेस (एफडब्ल्यूए) प्रौद्योगिकी की मदद से घरों या कार्यालयों में केबल के बगैर उच्च गति का इंटरनेट मुहैया कराया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, कुल 5जी डेटा में एफडब्ल्यूए की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत को पार कर गई है और इसके उपयोगकर्ताओं की संख्या में पिछले साल की तुलना में दोगुनी वृद्धि देखी गई है। नोकिया इंडिया की नामित कंट्री मैनेजर विभा मेहरा ने कहा, नेटवर्क उपयोग के नए तरीकों और स्मार्ट सेवाओं के अनुरूप बदलने के समय नोकिया दूरसंचार कंपनियों के साथ मिलकर एक ऐसा भविष्य-उन्मुख और उच्च प्रदर्शन वाला बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एफएंडओ सौदों पर एसटीटी बढ़ेगा, आयकर अधिनियम 2025 अधिनियम 1961 का स्थान लेगा

नया आयकर कानून, कई बजटीय प्रावधान आज से होंगे लागू

साफ्टवेयर कंपनियों के लिए सेफ हार्बर प्रावधानों की सीमा बढ़ाई गई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नए आयकर कानून और अन्य बजटीय प्रावधान एक अप्रैल से लागू होंगे। इन बजटीय प्रावधान में वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) व्यापार पर उच्च प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) और चिकित्सा तथा शिक्षा उद्देश्यों के लिए विदेशी पर्यटन पैकेज एवं एलआरएस प्रेषणों पर कम टीसीएस शामिल हैं। इसके अलावा, भारत में डेटा सेंटर सेवाएं लेने वाली विदेशी कंपनियों को 2047 तक 20 वर्ष की कर छूट और सॉफ्टवेयर कंपनियों के लिए 'सेफ हार्बर' प्रावधानों की सीमा बढ़ाने से संबंधित बजट घोषणाएं भी वित्त वर्ष 2026-27 की शुरुआत के साथ बुधवार से प्रभावी हो जाएंगी।

विदेशी यात्रा पैकेज पर टीसीएस अब 20 फीसदी : विदेशी यात्रा पैकेज पर टीसीएस 20 प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत कर दिया गया है। चिकित्सा और शिक्षा के लिए प्रेषण पर टीसीएस पांच प्रतिशत से घटाकर दो प्रतिशत होगा। इसके अलावा, बजट में घोषित 20 वर्ष की कर छूट से घरेलू डेटा सेंटर कंपनियों को भी बड़ा लाभ मिलने की संभावना है।

कर नीति को अधिक तार्किक बनाया गया

नए कानून का उद्देश्य उसी कर नीति को अधिक तार्किक, सुलभ एवं पाठक-अनुकूल प्रारूप में प्रस्तुत करना है। आयकर विभाग ने कहा कि बदलाव अवधि के दौरान उसका ई-फाइलिंग मंच पुराने और नए दोनों आयकर कानूनों के तहत अनुपालन की सुविधा देगा। साथ ही, पिछले वर्षों से संबंधित सभी आकलन, अपील एवं अन्य कार्यवाही अंतिम निपटान तक पुराने कानून के तहत ही जारी रहेंगी।

वायदा अनुबंधों पर एसटीटी बढ़कर 0.05 प्रतिशत

साथ ही, समय सीमा के बाद आयकर रिटर्न दाखिल होने पर भी टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) की वापसी बिना किसी दंड शुल्क के लेने की अनुमति दी गई है। एक अप्रैल से लागू होने वाला एक अन्य बड़ा बदलाव वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) सौदों पर एसटीटी में वृद्धि है। वायदा अनुबंधों पर एसटीटी 0.02 प्रतिशत से बढ़कर 0.05 प्रतिशत हो जाएगा। विकल्प प्रीमियम एवं विकल्प के प्रयोग पर एसटीटी क्रमशः 0.1 प्रतिशत और 0.125 प्रतिशत से बढ़कर 0.15 प्रतिशत हो जाएगा।

छोटे निवेशकों को बचाने एसटीटी में वृद्धि

एसटीटी में यह बढ़ोतरी इक्विटी बाजार के एफएंडओ खंड में सट्टेबाजी को सीमित करने और छोटे निवेशकों को भारी नुकसान से बचाने के उद्देश्य से की गई है। इक्विटी डेरिवेटिव (एफएंडओ) खंड में कारोबार करने वाले व्यक्तिगत निवेशकों की संख्या 2024-25 में 1.06 करोड़ थी जो 2025-26 में (30 दिसंबर 2025 तक) घटकर लगभग 75.43 लाख रह गई।

आयकर रिटर्न के सभी फॉर्म अधिसूचित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2026-27 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) के सभी फॉर्म अधिसूचित कर दिए हैं। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2025-26 की आय के लिए रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

आयकर विभाग ने मंगलवार को आईटीआर-2, 3, 5, 6 और 7 के साथ अद्यतन रिटर्न दाखिल करने के लिए आईटीआर-यू फॉर्म को भी अधिसूचित किया। इसके पहले आईटीआर-1 और आईटीआर-4 फॉर्म 30 मार्च को अधिसूचित किए गए थे। इन फॉर्म का इस्तेमाल छोटे और मध्यम करदाता करते हैं। व्यक्तिगत करदाताओं और खातों का ऑडिट आवश्यक नहीं होने वाले करदाताओं के लिए रिटर्न दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई निर्धारित की गई है। आईटीआर-1 (सहज) और आईटीआर-4 (सुगम) अपेक्षाकृत सरल फॉर्म हैं, जो बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं के लिए हैं। सहज फॉर्म को ऐसे निवासी व्यक्ति भर सकते हैं जिनकी सालाना आय 50 लाख रुपये तक है और जिनकी आय वेतन, एक मकान, अन्य स्रोत (ब्याज) एवं 5,000 रुपये तक की कृषि आय से होती है।

आरबीआई ने निर्यात ऋण अवधि 450 दिन तक बढ़ाई

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मंगलवार को पश्चिम एशिया संकट के कारण जारी लॉजिस्टिक बाधाओं को देखते हुए निर्यात खेप भेजने के पहले और बाद के लिए आवंटित ऋण की विस्तारित अवधि को 450 दिन तक बढ़ाने की घोषणा की। यह सुविधा अब 30 जून, 2026 तक किए गए सभी ऋण वितरण पर लागू होगी।

- सुविधा 30 जून 2026 तक किए गए सभी ऋण वितरण पर होगी लागू

निर्यात खेप भेजने के पहले और बाद में दिया जाने वाला ऋण, निर्यातकों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता होता है। निर्यात-पूर्व ऋण का उपयोग निर्यात से पहले कच्चा माल खरीदने, उत्पादन और पैकेजिंग के लिए किया जाता है, जबकि निर्यात-पश्चात ऋण भेजे गए माल का भुगतान मिलने तक कार्यशील पूंजी जरूरतें पूरा करने में मदद करता है। आरबीआई ने एक अधिसूचना में कहा कि विभिन्न हितधारकों से मिले सुझावों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है। हितधारकों का कहना था कि भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान के कारण निर्यात आय को तय समयसीमा में हासिल करना मुश्किल हो रहा है। इससे पहले यह रियायत 31 मार्च, 2026 तक के वितरण के लिए उपलब्ध थी लेकिन अब इसे तीन महीने और बढ़ा दिया गया है। यह कदम पहली बार नवंबर, 2025 में वैश्विक व्यापार तनाव के बीच उठाया गया था।

निर्यात मूल्य की वसूली की समयसीमा 15 माह की गई

आरबीआई ने यह भी स्पष्ट किया कि निर्यात मूल्य की वसूली और उसे देश में वापस लाने की समयसीमा को नौ महीने से बढ़ाकर 15 महीने करने की पहले दी गई छूट जारी रहेगी। यह छूट वस्तुओं, सॉफ्टवेयर और सेवाओं के निर्यात पर लागू है। केंद्रीय बैंक ने कहा, पश्चिम एशिया संकट के कारण जारी लॉजिस्टिक व्यवधानों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि 30 जून, 2026 तक किए गए सभी वितरणों के लिए 450 दिन की बढ़ी हुई निर्यात ऋण अवधि लागू रहेगी।

सेबी ने एलीटकॉन, प्रवर्तक व अन्य को किया प्रतिबंधित

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने कथित हेरफेर गतिविधियों एवं भ्रामक खुलासों के आरोप में एलीटकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड, उसके प्रवर्तक एवं प्रबंध निदेशक विपिन शर्मा और चार अन्य को प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने से प्रतिबंधित कर दिया है।

- हेरफेर गतिविधियों व भ्रामक खुलासों के कारण प्रतिबंध

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को जारी अंतरिम एकपक्षीय आदेश में शर्मा और चार अन्य इकाइयों से लगभग 51.26 करोड़ रुपये की कथित अवैध कमाई जब्त करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सेबी ने कहा कि वह इस मामले में विस्तृत जांच करेगा और 'फोरेंसिक' लेखा परीक्षक नियुक्त करेगा। यह कार्रवाई एलीटकॉन इंटरनेशनल के शेयर में कारोबार की जांच के बाद की गई। जांच में नियामक को प्रथम दृष्टया यह संकेत मिले कि कंपनी और उससे जुड़े लोगों ने परिचालन एवं वित्तीय स्थिति से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी छिपाकर निवेशकों को गुमराह किया जबकि उसी दौरान ऊंची कीमतों पर शेयर बेचे जा रहे थे। सेबी ने आरोप लगाया कि कंपनी ने अपने वित्तीय एवं परिचालन स्थिति की भ्रामक तस्वीर पेश करने के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दबाई। आदेश में कहा गया कि सकारात्मक खुलासे किए गए लेकिन माल एवं सेवा कर (जीएसटी) से जुड़े मामलों सहित कुछ प्रतिकूल घटनाक्रमों की जानकारी निवेशकों को पर्याप्त रूप से नहीं दी गई।

शेयर की कीमतों को कृत्रिम रूप से सहारा

नियामक ने कहा कि यह आचरण शेयर कीमत को कृत्रिम रूप से सहारा देने और निवेशकों की रुचि का लाभ उठाने की योजना की ओर संकेत करता है, जिससे बाजार में हेरफेर की आशंका उत्पन्न होती है। इसी के तहत सेबी ने छह इकाइयों को अगले आदेश तक प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रतिभूतियों की खरीद-फरोख्त से रोक दिया है। साथ ही संबंधित इकाइयों के बैंक और 'डीमैट' खातों को जब्त की गई राशि की सीमा तक फ्रीज करने का भी निर्देश दिया गया है।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

टेलीकॉलर

Requirment- Creditsea Finance Hiring Telecaller - Collection Associates (Hindi, English, Tamil, Telugu, Kannada, Malayalam). Salary 15,000–25,000; Male/Female; Complete Desk Job.3rd floor, Radhey Chambers, Pandri. Contact HR : 9109165137, 7999611198, 9131205196; Freshers, Experienced apply Immediately now. (RO-7243)

सिक्योरिटी गार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- बलौदाबाजार शा. कार्यालय हेतु कम्प्यूटर ऑपरेटर 19, ड्राइवर 1, रायपुर हेतु सुरक्षा गार्ड 45, सुपरवाइजर 15, फील्ड अधिकारी 5, वेतन योग्यतानुसार संपर्क:- अलर्ट एसजीएस प्राइवेट लिमिटेड, कार्यालय:- 06 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका रायपुर 7746000016, 7747000016, 7747000019. (RO-01)

आवश्यकता है- सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर फील्ड आफिसर, कम्प्यूटर आपरेटर' की आवश्यकता है। रायपुर महासमुंद और रायगढ मे संपर्क- 9201958117, 9201958114, 7869230888. (RO-6616)

मार्केटिंग

आवश्यकता है- सब्जी फॉर्म हेतु मार्केटिंग बॉय की आवश्यकता है। फैमिली वाला छोटा परिवार पढ़ा लिखा ईमानदार होना चाहिए। देवेंद्र नगर में रहने की सुविधा दी जाएगी पता- C-96 सेक्टर-2 देवेंद्र नगर रायपुर संपर्क करें- 98261-26402. (RO-6620)

ड्राइवर

आवश्यकता है- इंडो चेन्स रायपुर प्रा.लि. भनपुरी में सिक्योरिटी ऑफिसर हेतु भूतपूर्व सैनिकों / सीआरपीएफ / बीएसएफ जवानों की आवश्यकता है। रहने की सुविधा उपलब्ध। खाने व बाइक का इंतजाम स्वयं करना होगा। सैलरी 30000 से 35000 प्रतिमाह। न्यूनतम आयु 40 वर्ष। ड्यूटी टाइम - 12 घंटे प्रतिदिन, महीने में कोई छुट्टी नहीं दी जाएगी। संपर्क समय दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक - 96447-20222. (RO-28)

आवश्यकता है- अनुभवी कुशल ड्राइवर तेलीबांधा में एवम पेट्रोल पंप में नाइट ड्यूटी स्टाफ देवपुरी में आवश्यकता है। संपर्क- 9826111220. (RO-405)

आवश्यकता है- 8 वी १० वी, १२ वाले लड़के / लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - शिवमपब्लिकेशन, एसबीआई के सामने, तात्यापारा चौक, रायपुर, संपूर्ण बायोडाटा व्हाट्सएप करें 7049254970. (RO-405)

मशीन ऑपरेटर

आवश्यकता है- गुढियारी पहाडी चौक रायपुर में वायर कटिंग मशीन चलाने हेतु लड़को की आवश्यकता है। रोजी- 500 रू सम्पर्क करें- फाफाडीह चौक BSNL ऑफिस के पास। फोन- 0771- 4095884. (RO-836)

आफिस कार्य

आवश्यकता है- क्लिनीक / ऑफिस में कार्य हेतु, आठवीं / दसवीं पढ़े लिखे लड़की एवं लड़के की आवश्यकता है, स्थायी निवासी को प्राथमिकता वेतन 8000 से 10000 योग्यतानुसार मिलने का समय- सुबह 10 बजे से 1 बजे तक मो.- 9303242200, 7987365434 पता:- स्टेशन रोड स्वरूप टॉकिज के सामने ब्राइट फर्नीचर के पीछे दुर्ग (छ.ग.) (आरो-4144)

हरिभूमि

आवश्यकता है- दुर्ग स्थित अधिवक्ता कार्यालय में कार्य करने हेतु लड़की की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसर कॉल / मेसेज 79998-47673 समय 12 से 5 तक (आरो नं.-244)

आवश्यकता है- डी.के. ट्रेडर्स में चार कर्मचारी (महिला एवं पुरुष) दसवीं, बारहवीं पास मेहनती लोगों की आवश्यकता है। वेतन- 9000-13000, सम्पर्क करें - लिंक रोड कैम्प -2 भिलाई, मो.- 70000-87765 (आरो नं.-245)

टीचर/आयाबाई

आवश्यकता है- नर्सरी, P.P.1, P.P.2, और क्लास 1 को पढ़ाने के लिए टीचर और आया बाई की आवश्यकता है। सम्पर्क S.S.P.S.Kids Academy फेस 4 कबीर नगर रायपुर 9406250678. (RO-186)

महिला कुक

आवश्यकता है- न्यू राजेंद्रनगर रायपुर में घर में शाकाहारी भोजन बनाने के लिए कुशल महिला की आवश्यकता है। काम करने का समय सुबह 9 से 1 शाम 4 से 7 बजे तक वेतन 8000/- सम्पर्क करें- 9300201654 एवं 8120289207. (RO-6607)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- कार एक्सेसरीज की दुकान के लिए जरुरतमंद लड़कों एवं लड़कियों की आवश्यकता है संपर्क भाव्या ट्रेडर्स, नवभारत प्रेस के सामने, शहीद स्मारक काम्प्लेक्स, रायपुर मोब. 8819935000. (RO-507)

नर्सिंग स्टॉफ/आपरेटर

आवश्यकता है - बीएससी नर्सिंग स्टॉफ -4, कंप्यूटर ऑपरेटर -2, (जिसे स्वस्थ बीमा योजना की एंट्री करना आता हो) आवश्यकता है रहने की सुविधा संपर्क: बांठिया हॉस्पिटल राजातालाब रोड़ रायपुर 0771-2425009. (RO-843)

कृषि कार्य

आवश्यकता है- रायपुर से 70 कि.मी. दूर वानिकी, उद्यानिकी, कृषि कार्य हेतु मेहनती लड़कों एवं माली की आवश्यकता है। फार्म में देखरेख हेतु कृषि स्नातक या स्नातकोत्तर की। संपर्क- 11:00 से 01:00 बजे, निखिल एग्रो प्रोडक्ट्स, 7, समता कॉलोनी, भीमसेन भवन के पास, रायपुर (छ.ग.), फ़ोन- 0771- 4200932 E.mail- hr@navbodh.com (आरो-845)

सेल्समैन/अकाउंटेंट

आवश्यकता है- रेडीमेड दुकान में कार्य हेतु सेल्समैन, महिला एवं टैली अकाउंटेंट (फीमेल) की आकर्षक वेतन संपर्क करें राजेश होजरी, फॉरेस्ट कॉलोनी के पास गली नंबर 1 पंडरी रायपुर 9407923601, 9826908201. (RO-189)

आफिस बॉय

आवश्यकता है- ऑफिस बॉय की, रियल एस्टेट कंपनी हेतु। उम्मीदवार मेहनती, जिम्मेदार हो एवं सफाई, फाइल संभालने व सहयोग कार्य में सक्षम हो। अनुभव को प्राथमिकता। इच्छुक उम्मीदवार संपर्क करें। पता: करेंसी टॉवर, रायपुर 7970010958. (RO-5296)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु अविवाहित युवकों की जो बाहर इंदौर देवास रीवा शहडोल मे रह कर काम कर सके सैलरी 12000 + कमीशन + बोनस के साथ महीना 25000/ कमाए रहना खाना फ्री लिमिटेड सीट संपर्क - 6268044316, 9201024747. (RO-351)

हेल्पर

आवश्यकता है - चॉकलेट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है। रूम बिजली की सुविधा फ्री। पता-बंजारी मन्दिर के पास रावाभाटा रायपुर 7828735534. (RO-40401)

Property प्रापर्टी

मकान

मकान बेचना है- मोवा थाना से 200 मीटर ग्रींडलेबिहार कैंपस 3 तल ग्राउण्ड, पार्किंग, प्रथम, द्वितीय कुल 2300Sqft नवनिर्मित गृह प्रवेश हेतु तैयार मकान खरीददार ही संपर्क करें - 9981575565, 9926111099. (RO-6621)

वाहन

सेंट्रो कार बेचना है- मॉडल 2010/ 2011 रेट 1,30000/- (एक लाख तीस हजार) संपर्क करें- सुनील बर्मन रिंग रोड नंबर1 रायपुरा चौक मो.नं.- 7477222455 P.L यदु 9754685471 महामाईपरा 8823780696 रायपुर (RO-6622)

For Rent किराया

For Rent/ Lease- For lease transfer- 3B, Street 18 Sector 4 Bhilai. Plot / Plinth 5150/1370 sqft. Not under plant expansion area. Contact Prakhar Pandya 9375798674/ 9033074041WA (RO-49464)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेकर व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

CLASSIFIED RATE CARD — 01 अप्रैल 2025 से लागू — हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE — 10X1 FIX SIZE

Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

Healthcare

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

जैकेट के शेष

टूटा बारूदी तिलस्म, नक्सलवाद ....

और विकास की पहुंच को तेजी से बढ़ाना तथा आत्मसमर्पण कर चुके कैडरों को सम्मानजनक और सुरक्षित तरीके से मुख्यधारा के समाज में पुनः स्थापित करना है। आईजी ने जोर देकर कहा कि बस्तर का अनुभव यह साबित करता है कि सुरक्षा, विकास और स्थानीय समुदाय के साथ विश्वासपूर्ण सहभागिता का संतुलित और समन्वित दृष्टिकोण ही किसी भी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्र में स्थायी शांति और स्थिरता स्थापित करने का सबसे प्रभावी मार्ग है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में बस्तर एक नई सकारात्मक पहचान, बढ़ते अवसरों और स्थायी शांति के साथ और अधिक सशक्त होकर उभरेगा। **कांकेर जिले में 47 मुठभेड़, 56 माओवादी ढेर** : बीते सात वर्षों की बात करें तो कांकेर जिले में नक्सलियों व पुलिस के बीच 47 दफा मुठभेड़ हुई, इसमें सुरक्षाबलों ने 56 माओवादियों को ढेर कर दिया और माओवादियों का बहादुरी से मुकाबला करते हुए पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हुए। बीते सात साल में यहां 84 नक्सलियों ने समर्पण कर किया, जबकि 131 नक्सलियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। मुठभेड़ व समर्पण के दौरान नक्सलियों से 98 अत्याधुनिक हथियार बरामद किए गए। इस दौरान आईईडी विस्फोट की 21 घटनाएं हुईं। यहां नक्सल हिंसा में 20 आम लोगों की भी जान चली गई।

कोण्डागांव में कम ....

गिरफ्तार किया गया, उनसे 31 हथियार जब्त किए गए। इन वर्षों में आईईडी विस्फोट की एक भी घटना नहीं हुई। नक्सलियों से 40 आईईडी जब्त किया गया जबकि 5 ग्रामीणों की नक्सलियों ने पुलिस मुखबरी का आरोप लगाकर हत्या कर दी थी।

हाथों से छूटे हथियार... दंतेवाड़ा ....

में 92 माओवादियों को गिरफ्तार एवं 54 माओवादियों को पुलिस-नक्सली मुठभेड़ों में मार गिराने में सफलता प्राप्त हुई है। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के पश्चिम बस्तर डिवीजन के एसीएम सोमे कड़ती, पार्टी सदस्य लखमा ओयाम, सरिता पोड़ियाम, जोगी कलमू एवं मोटी ओयाम मुख्यधारा में लौट आये है। माओवादियों के डम्प से 8 एसएलआर रायफल, 3 इंसास रायफल, 1 कारबाइन, 1 नग 303 रायफल, 5 बीजीएल लॉन्चर सहित कुल 40 हथियार बरामद किया गया है। कार्यक्रम पुलिस महानिरीक्षक सुन्दरराज पी., पुलिस उप महानिरीक्षक सीआरपीएफ राकेश चौधरी, कलेक्टर देवेश ध्रुव, पुलिस अधीक्षक गौरव राय, कमाण्डेंट 111वीं वाहिनी सीआरपीएफ गोपाल यादव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार बर्मन, जितेन्द्र कुमार खुटे, अनिल कुमार झा, सतीश कुमार मलिक, विमल कुमार सहित केन्द्रीय सुरक्षा बलों तथा जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

नक्सलवाद की राख ....

लगा कि शाह ने यह दावा अंतरिक्ष में नक्षत्रों की स्थिति को देखकर नहीं बल्कि जमीं पर सुव्यवस्थित रणनीति बनाकर किया था। यह उपलब्धि महज डेढ़ साल की मेहनत के भरोसे पर नहीं आई है। इसके पीछे वर्षों की मेहनत है। इस परिणाम की अभिलाषा पहले भी रही लेकिन उसके साथ दृढ़ इच्छाशक्ति, राज्य-केंद्र समन्वय, विभिन्न सुरक्षाबलों के मध्य समन्वय, आधुनिक तकनीक का अधिकाधिक उपयोग के उपयोग का अभाव वांछित परिणाम नहीं दे सका। सुरक्षाबल जब-जब हाथों में हथियार थाम घने जंगलों में छिपे दुर्दांत नक्सलियों के खिलाफ आपरेशन शुरू करते तो उनकी ढाल बन तमाम मानव अधिकारों के स्वघोषित पैरोकार सड़कों पर आ जाते थे। जो विचार धारा संसदीय लोकतंत्र के खात्मे की अभिलाषा के साथ उपजी थी, उसकी पैरोकारी करने के लिए कुछ जनप्रतिनिधि तो चिल्ला चिल्ला कर अपने गले से खून तक निकाल लेते थे। वनांचल में नक्सली अपनी दहशत और हुकूमत बनाए रखने गोली गोली चलाते रहते और शहरों में बैठे उनके हमदर्द बोली बोली का राग अलाप कोई ठोस कार्रवाई करने में रोड़ा अटकाते रहते। लेकिन, इन परिस्थितियों में बदलाव तब आया जब 2024 में नक्सल उन्मूलन के वादे के साथ नरेंद्र मोदी सत्तारूढ़ हुए।

लेकिन छत्तीसगढ़ के संदर्भ में हमें यह भी नहीं भूलना चाहिए कि कांग्रेस के नेतृत्व में केंद्र में यूपीए सरकार और छत्तीसगढ़ में रमन सिंह की सरकार रहते सरगुजा अंचल से नक्सलियों को समाप्त करने में सफलता मिली थी। लेकिन, तिरुपति से पशुपति तक रेड कारिडोर को स्थापना की कोशिश कर रहे लोगों के खिलाफ यह सफलता पर्याप्त नहीं थी। केंद्र में सत्ता परिवर्तन के साथ रणनीति में बदलाव आया और अमित शाह के द्वारा गृह मंत्रालय की संभालने के साथ ही यह संघर्ष निर्णायक दौर में पहुंच गया। सामाजिक और सामरिक दृष्टि से योजना बनाकर काम शुरू हुआ। छत्तीसगढ़ जैसे आदिवासी बहुल राज्य की कमान वरिष्ठ आदिवासी नेता विष्णु देव साय के हवाले किया जाना भी इस कार्य-योजना का हिस्सा था। इस एक फैसले ने आदिवासियों में अपनी सरकार होने का विश्वास और नक्सलियों के प्रति अविश्वास पैदा किया। वह अपनी सरकार बंदूक की नली से नहीं लाने की बात कहते थे, यहां अपनी सरकार बैलेट से ही अस्तित्व में आते देख लिए। बंदूक की जगह संविधान पर आस्था पैदा करने के लिए जहां नक्सलियों को सुखद भविष्य का संदेश देती आकर्षक पुनर्वास नीति लाई गई, वहीं दशकों से विकास की बाट जोह रहे आदिवासी इलाकों के लिए नियद नेल्लानार जैसा कार्यक्रम भी शुरू किया। सुरक्षाबलों ने सटीक रणनीति और परस्पर समन्वय के साथ आक्रामक आपरेशन किए। उनके पराक्रम ने नक्सलियों के हाड़ कंपा दिए। छत्तीसगढ़ में इन कोशिशों के बीच गृह विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा का उल्लेख ना किया जाना ज्यादती होगी। घोर नक्सली इलाकों में अपनी जान हथेली पर रखकर वह जवानों का हौसला बढ़ाते रहे, वहीं नक्सलियों से संवाद के माध्यम से उन्हें समर्पण के लिए प्रेरित भी करते रहे। इन कोशिशों में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के उदार सहयोग और समर्थन ने संकल्प को सिद्धि में बदल दिया। लेकिन, इस साझा प्रयास के परिणाम को सहेजना हमारी साझा जिम्मेदारी है। जिन अभावों से यह संघर्ष अस्तित्व में आया था, उन्हें खत्म करना ही होगा। स्कूल, हास्पिटल, सड़क, थानों के साथ इन इलाकों में युवाओं के लिए स्थाई रोजगार के अवसर पैदा करने की जरूरत है। भूखा पेट और खाली हाथ कभी भी हथियार थाम सकते हैं, इस हकीकत को सरकार और समाज दोनों को ही बखूबी समझ लेना चाहिए।

गरियाबंद में 20 वर्षों ....

शेष नक्सलियों ने भी हथियार डाल दिए। अब तक जिले में कुल 35 माओवादी मुठभेड़ों में मारे गए हैं। वर्ष 2011 में हुए पखुआ विस्फोट में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश पवार सहित 9 जवानों की शहादत जिले की सबसे बड़ी नक्सली घटना रही। इस घटना ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया था। जिला पुलिस, ई-30 टीम, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, विशेष कार्य बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और कोबरा बटालियन के संयुक्त अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। हाल ही में 45 लाख रुपए के इनामी 9 हार्डकोर माओवादियों ने हथियारों सहित आत्मसमर्पण किया। इनमें 6 पुरुष और 3 महिला नक्सली शामिल हैं। इनके द्वारा एके-47 और एसएलआर सहित 6 स्वचालित हथियार भी पुलिस को सौंपे गए।

कांकेर में बच गए ....

दो नक्सलियों हिड़मा सोनी व शंकर ने एके 47 के साथ समर्पण किया है। ये दोनों केवल पार्टी के सदस्य ही थे। **कांकेर में हथियार सहित 5 लाख मिले नकद** : एसपी निखिल रखेचा ने जानकारी देते हुए बताया कि संकल्प अभियान के तहत जिले के कई स्थानों पर सर्च ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के कई डंप बरामद किए गए। बरामद सामग्री में 1 एके 47, 1 इंसास राइफल, 1 एसएलआर देशी राइफल, 9 बीजीएल लॉन्चर, 7 देशी कट्टे शामिल हैं। इसके अलावा भारी मात्रा में बीजीएल सेल, ऑटोमैटिक हथियारों के राउंड, ग्रेनेड, डेटोनेटर और मैगजीन भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने मौके से 5 लाख रुपए नकद भी बरामद किए हैं।

आरजेडी एमएलसी ने क्यों उठाया सवाल

नीतीश कुमार ने इस्तीफे पर खुद नहीं किए साइन?

एजेंसी ▸▸ पटना

बिहार में राजनीतिक उठापटक थमने का नाम नहीं ले रही है। सीएम नीतीश कुमार के राज्य सभा जाने के फैसले से लेकर अभी तक बिहार में राजनीतिक गलियारों में हलचल चल रही है। राज्य सभा के लिए निर्वाचित होने के बाद बीते दिन नीतीश कुमार ने बिहार विधान परिषद से इस्तीफा दे दिया है। अब इस्तीफे पर बवाल शुरू हो गया है। आरजेडी के एमएलसी सुनील सिंह ने नीतीश के इस्तीफे पर हस्ताक्षर की जांच की मांग की है। फेसबुक पर एमएलसी ने आरोप लगाते हुए एक पोस्ट लिखी। बता दें कि 30 मार्च को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने एमएलसी के पद से इस्तीफा दे दिया। नीतीश कुमार अभी केवल बिहार के सीएम बने हुए हैं। इस्तीफे के बाद बिहार के नए सीएम की चर्चा तेज हो गई है। इसी बीच विपक्ष ने नीतीश के इस्तीफे की असलियत पर ही सवाल उठा दिया है।

फेसबुक पोस्ट में उठाया सवाल

आरजेडी के एमएलसी सुनील सिंह ने मंगलवार को फेसबुक पोस्ट करते हुए नीतीश के इस्तीफे पर सवाल उठाया है। एमएलसी सुनील कुमार सिंह ने फेसबुक पोस्ट में लिखा है कि छोटे पद का भी इस्तीफा ऑथराइज्ड पर्सन के सामने देना होता है। अतः जांच होनी चाहिए कि इस्तीफा पत्र पर हस्ताक्षर असली है या नकली। दरअसल, सारा मामला तब शुरू हुआ जब विधान परिषद में नीतीश कुमार का इस्तीफा पत्र लेकर जेडीयू के एमएलसी संजय गांधी पहुंचे थे। इस्तीफा देने स्वयं नीतीश कुमार नहीं पहुंचे थे। बस इसी बात के आधार पर आरजेडी ने नीतीश के इस्तीफे पर सवाल उठाया है।

एक्शन में आई ईडी

केजरीवाल को मिली राहत को हाईकोर्ट में दी गई चुनौती

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिल्ली के बहुचर्चित आबकारी नीति मामले में एक नया कानूनी मोड़ सामने आया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिली राहत के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। ये मामला उन आरोपों से जुड़ा है, जिनमें कहा गया था कि केजरीवाल ने ईडी के जारी किए गए समन का पालन नहीं किया। इस मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 22 जनवरी 2026 को उन्हें बरी कर दिया था। अब ईडी ने इसी फैसले को चुनौती देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की है। जानकारी के मुताबिक, इस मामले की सुनवाई जल्द ही जस्टिस जे. स्वर्णा कांत शर्मा की बेंच में हो सकती है।

क्या है पूरा मामला? : ये पूरा विवाद दिल्ली की 2022 की आबकारी नीति से जुड़ा है। इस नीति को लेकर शुरुआत में दिल्ली के उपराज्यपाल ने शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें गड़बड़ियों के आरोप लगाए गए थे। इसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो ने एफआईआर दर्ज की, जिसमें आरोप लगाया गया कि नीति में किए गए बदलावों से कुछ लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ मिला. आरोप यह भी था कि लाइसेंस फीस में छूट दी गई और नियमों का पालन नहीं किया गया। इसी जांच के आधार पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया और कई लोगों को आरोपी बनाया, जिनमें अरविंद केजरीवाल का नाम भी शामिल था।

पाकिस्तान में गैस पाइपलाइन में धमाका

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के क्वेटा में सोमवार रात एक बड़ा धमाका हुआ, जिससे मुख्य गैस पाइपलाइन को भारी नुकसान पहुंचा। इस हमले के बाद क्वेटा और आसपास के कई इलाकों में गैस सप्लाई ठप हो गई है। यह घटना क्वेटा के वेस्टर्न बायपास इलाके में हुई। अभी तक हमलावरों की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक, हमला सुई सदर्न गैस कंपनी की पाइपलाइन पर किया गया, जो देश की प्रमुख गैस सप्लाई कंपनी है।

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय महासमुंद
PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA MAHASAMUND
फॉरेस्ट स्कूल के पास, बीटीआई रोड, जिला-महासमुंद, छत्तीसगढ़-493445
Near Forest School, BTI Road, Dist. Mahasamund, Chhattisgarh-493445
दूरभाष -077232 22436, UDISE Code: 22122102455
Website- https://mahasumand.kvs.ac.in/, E-mail-mahasamundkv@gmail.com

फ.क्र.3-1/ पीएम श्री के. वि. महासमुंद/2026-27/370 दिनांक 30/03/2026

-:: प्रवेश सूचना :-

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय महासमुंद में सत्र 2026-27 हेतु कक्षा -दूसरी में प्रवेश हेतु कुछ स्थान रिक्त हैं अतः इच्छुक अभिभावक रिक्त सीटों में प्रवेश हेतु दिनांक 02/04/2026 से 08/04/2026 तक प्रत्येक कार्यालय दिवस में प्रातः 11:30 बजे से 2:00 बजे के बीच विद्यालय में पंजीकरण (समस्त दस्तावेजो के साथ) कर सकते हैं, पंजीकरण की अंतिम तिथि 08/04/2026 को सायं काल 5:00 बजे तक है। प्रवेश संबंधी विस्तृत जानकारी विद्यालय के वेबसाइट https://mahasumand.kvs.ac.in पर प्राप्त कर सकते हैं।

प्राचार्य
पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय महासमुंद

पेज एक के शेष

अमेरिका अब किसी देश की...

सकता है। इस बीच ईरान ने अमेरिका के साथ किसी भी तरह की सीधी बातचीत से इनकार किया है। ईरान का कहना है कि अमेरिका ने बातचीत की इच्छा जताई है, लेकिन उसकी ओर से भेजी गई शर्तें अतार्किक हैं।

मिडिल ईस्ट जंग के बीच ...

जिसके पक्ष में नजर नहीं आ रहे हैं। ट्रंप ने नई रणनीति के तहत बताया कि नया लक्ष्य ईरान की नौसेना, मिसाइल भंडार, रक्षा उद्योग व हमले की क्षमता को नष्ट कर देना है। इससे एक कमजोर ईरान कूटनीति के जरिये होर्मुज खोलने को तैयार हो जायेगा। माना जा रहा है कि कल रात इस्फान में बंकर बस्टर हमला उसी सिलसिले की शुरुआत है।

इधर, होर्मुज पर ईरान का ...

28 फरवरी से जारी है जंग : बता दें, 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया था। इसके बाद पलटवार करते हुए ईरान ने इजरायल पर मिसाइलें दागीं और मिडिल ईस्ट के दूसरे देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य अड्डों को भी निशाना बनाया। इसके साथ ही ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट बंद करने का ऐलान कर दिया।

अब बीयर की हर बोतल...

आबकारी विभाग ने एक ग्लोबल टेंडर निकालकर शराब निर्माताओं और सप्लायरों को यहां शराब बेचने के लिए आमंत्रित किया था। इन कंपनियों से रेट ऑफर बुलाए गए थे। इन रेट ऑफर पर निगोसिएशन के बाद जो प्रस्तावित दरें सामने आईं थी उनका अनुमोदन विभागीय मंत्री से लिया गया है और अब इसे जारी कर दिया गया है, ये दरें अगले साल 31 मार्च 2027 तक लागू रहेंगी।

हर जिले में मेडिकल...

को देखती हूं जो उन तरीकों से परिवर्तित हुआ है जो कांग्रेस के 6 दशकों के शासन में कभी हासिल नहीं किए जा सकते थे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि हम एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज, एक विश्वविद्यालय, एक इंजीनियरिंग कॉलेज बनाना चाहते हैं। **5 साल में 2 लाख नौकरियां** : मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि हम छठी अनुसूची और अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों को छोड़कर असम में यूसीसी (अवैध नियंत्रण अधिनियम) लागू करेंगे। हम असम को बाढ़ मुक्त बनाने का प्रयास करेंगे और पहले दो वर्षों में 18,000 करोड़ रुपये खर्च करेंगे। अगले 5 वर्षों में 2 लाख नौकरियां उपलब्ध कराएंगे।

नालंदा में भगदड़...

जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई। कई लोग घायल हो गए हैं। सूचना मिलने के काफी देर बाद पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव का काम शुरू किया गया। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कैश ट्रांजैक्शन की ...

एनएचएआई के अधिकारियों का मानना है कि पूरी तरह से डिजिटल सिस्टम से वाहनों को टोल प्लाजा से तेजी से गुजरने में मदद मिलेगी और इससे जहां एक तरफ लंबी कतारों से छुटकारा मिलेगा, वहीं ट्रैवल टाइम भी बचेगा।

न्यायालय आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग (छ.ग.)

सूचना- उद्घोषणा पत्र

मामले का विषय - अपील प्रकरण
मामला का क्रमांक- 356/अ-6/2024-25
पक्षकार- गुलाम जैनुल ओबेदीन विरूद्ध अंकितपुरी वगैरह

1. **अंकितपुरी पिता शिवकांतपुरी, निवासी ग्राम गाडाडीह, तहसील व जिला-दुर्ग (छ.ग.)**
2. **द्वारिका पिता तुलाराम, निवासी खैरकट्टा, तहसील - डौण्डीलोहारा, जिला - बालोद (छ.ग.)**

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि गुलाम जैनुल ओबेदीन विरूद्ध अंकितपुरी वगैरह, निवासी गांधी वार्ड नं. 16 डोंगरगढ़, तहसील - डोंगरगढ़, जिला - राजनांदगांव (छ.ग.) के द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (रा.) डौण्डीलोहारा, जिला-बालोद के प्र.क्र. 202408241500038 / अ-6/2023-24 पारित अंतिम आदेश दिनांक 04.06.2025 के विरूद्ध छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 44 (2) के तहत अपील आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपर्युक्त मामले की सुनवाई तिथि 21.04.2026 को दिन के 11.00 बजे स्थान न्यायालय आयुक्त, उद्योग भवन, जी. ई. रोड दुर्ग में होगी। अतः सुनवाई तिथि में समय पर उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें।
जारी दिनांक - 24.03.2026

(सत्य नारायण राठौर)
आयुक्त
मुहर दुर्ग संभाग, दुर्ग

समक्ष : श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) नगरी जिला धमतरी छत्तीसगढ़

-: शपथ पत्र :-

शपथकर्ता:- महेन्द्र कुमार मंडावी पिता अमृतलाल मंडावी, उम्र 43 वर्ष, जाति-गोंड़, निवासी ग्राम बोरई, तहसील- नगरी जिला धमतरी (छ.ग.)

मैं उपरोक्त शपथकर्ता शपथपूर्वक निम्नकथन करता/करती हूं :-

1. यह कि मेरा नाम पता उपरोक्तानुसार है ।
2. यह कि मै महेन्द्र कुमार मंडावी पिता अमृतलाल मंडावी जाति-गोंड़ पता ग्राम बोरई तहसील-नगरी जिला धमतरी (छ.ग) का निवासी हूं।
3. यह कि मेरा पुत्र धैर्य कुमार मंडावी जो कि शिक्षा सत्र 2025-26 में पी. एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय कांकेर जिला-उ.ब. कांकेर (छ.ग.) से कक्षा तीसरी परीक्षा में उत्तीर्ण रहा है। जिसके उपरोक्त अंकसूची व स्कुल रिकार्ड में मेरा नाम त्रुटिवश MAHENDRA MANDAVI अंकित है ।
4. यह कि मेरा सत्य एवं वास्तविक नाम व आधार कार्ड संख्या 4846 1326 8087 तथा मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण-पत्र में मेरा नाम महेन्द्र कुमार मंडावी (MAHENDRA KUMAR MANDAVI) अंकित है ।
5. यह कि मेरे पुत्र के कक्षा पहली से तीसरी तक के अंकसूची व स्कुल रिकार्ड में मेरा नाम- MAHENDRA MADAVI को सुधारकर सत्य व वास्तविक नाम (MAHENDRA KUMAR MANDAVI) अंकित किया जावे। जो कि शासकीय गजट में प्रकाशन करनवाने एवं शासकीय /अशासकीय दस्तावेजों एवं अन्य अभिलेखों में अंकित करवाने बाबत आवश्यक दस्तावेजों के साथ यह शपथपत्र प्रस्तुत है ।
6. यह कि नाम के सत्यापन में भविष्य में किसी प्रकार की क्षतिपूर्ति होती है तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी। अतः उक्ताशय का यह शपथपत्र सादर प्रस्तुत है ।

शपथकर्ता:- महेन्द्र कुमार मंडावी

-:: सत्यापन ::-

मैं उपरोक्त शपथकर्ता सत्यनिष्ठा पूर्वक सत्यापित करता/करती हूं कि उपरोक्त शपथ-पत्र की कंडिका 01 से 06 तक में लिखी गई बाते मेरे निजी ज्ञान एवं जानकारी सत्य व सही है जिसे मैने आज दिनांक 27/03/2026 को स्थान नगरी में हस्ताक्षर कर सत्यापित किया हूं ।

स्थानः नगरी सत्यापनकर्ता
दिनांक - 30/03/2026 महेन्द्र कुमार मंडावी

पश्चिम मध्य रेल
इंजीनियरिंग विभाग
खुली निविदा

निम्नलिखित कार्य के ई-निविदा भारत संघ के राष्ट्रपति के पक्ष में **वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय), मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर** के द्वारा आमंत्रित की जाती है। **निविदा सूचना क्रमांकः** डी.आर.एम.डब्ल्यू-जे.बी.पी-48-2026, दिनांक 27.03.2026. **कार्य का नाम लोकेशन सहितः सहायक मंडल अभियंता - नरसिंहपुर उप-मंडल के अंतर्गत श्रीधाम डिपो पर, रेलवे की ट्रैक बैलास्ट संबंधी विशिष्टताओं (IS/RDSO-GE/0001:2023) के अनुसार, 65mm मशीन-क्रश्ड, कठोर और टिकाऊ ट्रैक स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति, स्टैकिंग और लोडिंग का कार्य; जिसमें परिवहन दूरी, उठान, कर, रॉयल्टी, शुल्क आदि सभी शामिल हैं। कार्य का अनुमानित मूल्यः ₹ 9,16,29,600/-. बयाना राशिः ₹ 18,32,600/-. समापन अवधिः** 18 माह। **निविदा भरने की अंतिम तिथि एवं समय 15.00 बजे तकः** 21.04.2026. **निविदा खुलने की अंतिम तिथि एवं समय 15.15 बजेः 21.04.2026.** उपरोक्त ई-निविदा की संपूर्ण जानकारी वेबसाइट **https://ireps.gov.in** पर उपलब्ध है एवं इसकी पूरी जानकारी मंडल रेल प्रबंधक (कार्य) कार्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर के नोटिस बोर्ड पर रखी गई है। ई-निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिए कोई भी निविदा स्वीकार नहीं की जायेगी।

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

पश्चिम मध्य रेल
ई-निविदा सूचना

उप मुख्य विद्युत अभियंता (निर्माण), पश्चिम मध्य रेल, निर्माण कार्यालय भवन, डी.आर.एम. ऑफिस के पास, रानी कमलापति, भोपाल-462024 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदायें प्रतिष्ठित ठेकेदारों से, भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से आमंत्रित की जाती है। **निविदा क्रमांकः** बीपीएल/एलसी/टी/661. **कार्य का विवरणः इटारसी-झुझारपुर सेक्शन में ओएचई की डिजाइन, आपूर्ति, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग का कार्य एवं विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था और मौजूदा ओएचई में संशोधन कार्य तथा संबंधित जनरल सर्विस का कार्य इटारसी-नागपुर तीसरी लाइन हेतु। कार्य पूर्ण करने की अवधिः** 09 माह। **अनुमानित कीमतः** ₹ 13,66,31,171/-. **बयाना राशिः** ₹ 27,32,600/-. **टेंडर फार्म की कीमतः** निल। **टेंडर बंद होने की दिनांकः** 21.04.2026 (15.00 बजे)। ई-निविदा की पूर्ण जानकारी IREPS की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर एवं इस कार्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है। ई-बिड के अलावा कोई भी निविदा मान्य नहीं होगी। इस प्रकाशन में शुद्धिपत्र/संशोधन, यदि कोई हो तो केवल उपरोक्त वेबसाइट पर दिखाई देगा और इसे कहीं और प्रकाशित नहीं किया जायेगा।

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

BAJAJ FINANCE

सोने के गहनों की नीलामी के लिए समाचार पत्र में सार्वजनिक सूचना
बजाज फाईनान्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालयः मुंबई - पुणे रोड, अकुर्दी, पुणे - 411035

BFL सभी ऋणियों और सर्वसाधारण को सूचित करता है कि गोल्ड लोन लेते समय ऋणी ने बतौर सेक्युरिटी अपने लोन खाते में सोने के गहने गिरवी रखे और बार-बार नोटिस दिए जाने के बावजूद जो ऋणी लोन की राशि चुकाने या आवश्यक मार्जिन देने में विफल रहे उनके गहने 'जहां है जैसा है और जो है जैसा है' आधार पर नीलाम किए जाएंगे। निविदा करने वालों से अनुरोध है कि नीचे दी गई शर्तों का पालन करें:

(क) क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (लोन, गहनों का सकल वजन, स्थान और नीलामी की तिथि) की सम्पूर्ण जानकारी देखें।
(ख) सार्वजनिक नीलामी से संबंधित निविदा के सभी नियम और शर्तें ("टी एण्ड सी") वेबलिंक http://172.30.1.235:3000/?WOUB2QG9WU के माध्यम से पढ़ें;
(ग) नियम और शर्तें समझ लें और उसके बाद ही नीलामी की तिथि या उससे पहले बतौर अग्रिम जमा राशि रु.25,000 फंड ट्रांसफर (एनईएफटी/आरटीजीएस/बजाज गोल्ड ऑक्शन ऐप) कर दें;
(घ) नीलामी के स्थान पर सुबह 10 बजे तक व्यक्तिगत उपस्थिति दर्ज करें; तथा
(ङ) नीलामी के स्थान पर अपना पहचान और पते का वैध प्रमाण लेकर आएं।
(च) नीलामी की दिन में दोपहर 12 बजे के बाद नीलामी में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
(छ) शाखा प्रबंधक/नीलामीकर्ता को बोली लगाने वालों की भागीदारी स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है, यदि वे निर्धारित समय सीमा में भाग नहीं लेते हैं, चाहे वे अग्रिम राशि जमा राशि (ईएमडी) का भुगतान कर चुके हो।

स्कैन करें

नीलामी के स्थान और तिथि में परिवर्तन, यदि कोई हो, तो उसकी सूचना नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित की जाएगी। आपका निविदा करना उपरोक्त शर्तों पर सहमत होना माना जाएगा। यदि सार्वजनिक नीलामी से बिक्री निलंबित/निरस्त होती है तो बीएफएल ऋणी(ऋणियों) के कहने पर निजी तौर पर गहनों की बिक्री करने का अधिकार भी सुरक्षित रखती है। अतिरिक्त जानकारी के लिए हमसे इस ईमेल आईडी पर संपर्क करे - gold.auction@bajajfinserv.in

(11-05-26) **अंबिकापुर - अंबेडकर चौक**; PLI4GOL16937471, 17166494, 17219046. **भिलाई - जीई रोड**; PBX2GOL15906814, 16932321, 17065155, 17268917, 17315489. **भिलाई - सिरसा गेट चौक**; PMM9GOL16828720. (12-05-26) **भिलाई - स्मृति नगर**; PLL2GOL16805511, 17319250. **बिलासपुर - अग्रसेन चौक**; PGJ8GOL16948158, 17084235, 17316994. (13-05-26) **बिलासपुर - सरकंडा**; P42HGOL16810786, 17068782. **दुर्ग - महाराजा चौक**; PMW4GOL17003453, 17324435. (14-05-26) **दुर्ग - स्टेशन रोड**; P08IGOL17139943, 17161627, 17157747, 17341548. **कटघोरा - BGL**; P25EGOL17090028, 17207757, 17208544. (15-05-26) **कोरबा - सीएसईबी चौक**; PEQ2GOL16769346, 16804273. **कोरबा - कोसाबाड़ी**; PLI5GOL17014831. (18-05-26) **मनेन्द्रगढ़ - BGL**: PV99GOL17118757, 17220334, 17269426, 17368644. (19-05-26) **रायगढ़ - जगतपुर**; PLI6GOL17022804, 17137471, 17138272, 17186665. **रायपुर - पचपेड़ी नाका**; PLI9GOL16995607, 17078283. (20-05-26) **रायपुर - तेलीबांधा रोड**; PF45GOL16895168, 16970462, 17000827, 16999520, 16998636, 17015939, 17112274, 17145758, 17145378, 17165301, 17221635, 17220938, 17266812, 17373420. **राजनांदगांव - जीई रोड**; PEN6GOL16995779, 17285567.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

राशिफल

मेष
मन में नकारात्मक विचारों का प्रभाव हो सकता है। बातचीत में सन्तुलित रहें। भवन की साज-सज्जा पर खर्च बढ़ेंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं।

वृष
मीठे खानपान में रुचि बढ़ सकती है। मन परेशान हो सकता है। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मिथुन
परिश्रम भी अधिक रहेगा। सेहत का ध्यान रखें। कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कर्क
शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

सिंह
मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या
भागदौड़ अधिक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला
व्यर्थ के क्रोध से बचें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। पिता से धन की प्राप्ति हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी।

वृश्चिक
कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी। आय भी बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। आत्मसंयत रहें। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार में फायदा होगा।

धनु
शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। उच्च शिक्षा के लिए विदेश भी जा सकते हैं। परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। खर्च बढ़ेंगे। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

मकर
लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में मान-सम्मान की प्राप्ति हो सकती है। आय में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

कुंभ
क्रोध के अतिरेक से बचें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा, परन्तु स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। वाहन की प्राप्ति हो सकती है। यात्रा खर्च बढ़ेंगे।

मीन
परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी।

बेलारूस ने रिहा किए 500 अमेरिकी कैदी

वाशिंगटन। यूरोप में स्थित देश बेलारूस ने 500 अमेरिकी कैदियों को रिहा किया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद इसकी जानकारी दी है। ट्रंप ने दावा किया कि बेलारूस में 500 से अधिक राजनीतिक कैदियों को रिहा किया गया है, जिसका श्रेय उन्होंने अपने दूत और बेलारूसी नेतृत्व के प्रयासों को दिया। ट्रंप ने कहा कि उनके दूत जॉन कोएल ने बेलारूसी राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ बातचीत के बाद अतिरिक्त 250 बंदियों की रिहाई सुनिश्चित की। कहा कि पिछले हफ्ते, बेलारूस में मेरे दूत जॉन कोएल ने, अत्यंत सम्मानित राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ बातचीत के बाद, 250 और राजनीतिक कैदियों को रिहा करवाया! इससे राष्ट्रपति लुकाशेंको द्वारा मई से अब तक रिहा किए गए कैदियों की कुल संख्या 500 से अधिक हो गई है।

शब्द पहेली - 6182

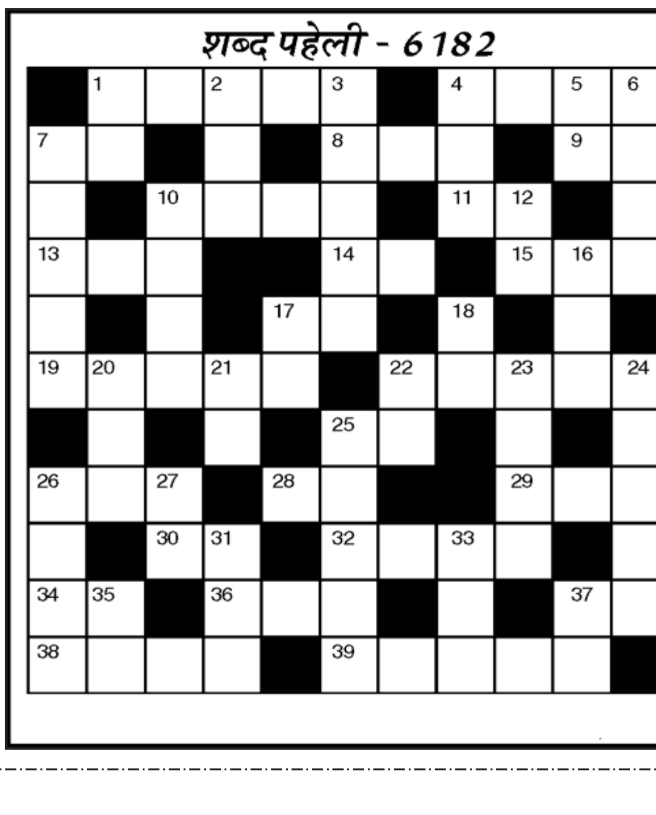

बाएँ से दाए
1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली- 6181 का हल

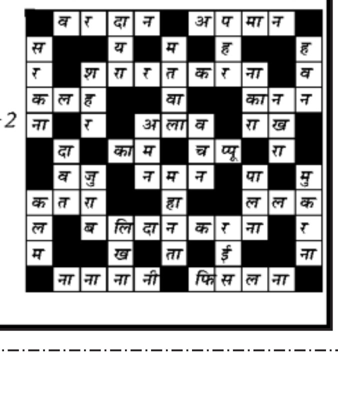

सूडोकु नवताल - 6192

★★★★☆ मध्यम

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकु नवताल - 6191 का हल

डेब्यू मैच में कोनोली ने दिखाया दम, खेली 44 गेंद में 72 रनों की नाबाद पारी

रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को हराया

एजेंसी ▶▶| न्यू चंडीगढ़

पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की है। पंजाब किंग्स ने मंगलवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादविन्द्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए रोमांचक मुकाबले में गुजरात टाइटंस के विरुद्ध 3 विकेट से जीत हासिल की। पंजाब किंग्स के लिए डेब्यू करने वाले कूपर कोनोली ने बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली। कोनोली ने 44 गेंदों में नाबाद 72 रन की पारी खेलकर दम दिखाया।

टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात टाइटंस ने 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। साई सुदर्शन ने कप्तान शुभमन गिल के साथ पहले विकेट के लिए 3.4 ओवरों में 37 रन की साझेदारी की। सुदर्शन 13 रन बनाकर पवेलियन लौटे, जिसके बाद गिल ने जोस बटलर के साथ दूसरे विकेट के लिए 46 रन जुटाकर टीम को मजबूती प्रदान की।

गिल 27 गेंदों में 6 चौकों के साथ 39 रन बनाकर पवेलियन लौटे। यहां से जोस बटलर ने ग्लेन फिलिप्स के साथ 36 रन जोड़कर टीम को शतक के पार पहुंचा दिया। बटलर 38 रन और फिलिप्स 25 रन बनाकर आउट हुए। इनके अलावा, वाशिंगटन सुंदर ने 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। विपक्षी खेमे से विजयकुमार वैशाक ने सर्वाधिक 3 विकेट हासिल किए, जबकि युजवेंद्र चहल ने 2 विकेट निकाले। 1 विकेट मार्को जानसेन ने अपने नाम किया।

पंजाब की तरफ से कोनोली ने संभाला मोर्चा

इसके जवाब में पंजाब किंग्स ने 19.1 ओवरों में जीत हासिल कर ली। इस टीम ने 7 के स्कोर पर प्रियांश आर्य (7) का विकेट खो दिया था। यहां से कूपर कोनोली ने प्रभसिमरन सिंह के साथ दूसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 76 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 83 के स्कोर तक पहुंचाया। प्रभसिमरन 24 गेंदों में 4 छक्कों और 1 चौके के साथ 37 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद कोनोली ने मोर्चा संभाला। उन्होंने कप्तान श्रेयस अय्यर (18) के साथ तीसरे विकेट के लिए 27 रन जुटाए। इसके बाद दूसरे छोर पर विकेट निरंतर अंतराल पर गिरते रहे, लेकिन कोनोली ने मोर्चा संभाले रखा। इस बीच मार्को जानसेन (9) के साथ 26 रन और जैवियर बार्टलेट (नाबाद 11) के साथ 21 रन की साझेदारी भी की। कूपर 44 गेंदों में 5 छक्कों और इतने ही चौकों की मदद से 72 रन बनाकर नाबाद रहे। विपक्षी खेमे से प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट निकाले। इनके अलावा, कगिसो रबाडा, अशोक शर्मा, राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर ने 1-1 विकेट अपने नाम किया।

दिल्ली और लखनऊ में आज कांटे की टक्कर

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के पांचवें मुकाबले में बुधवार को दिल्ली कैपिटल्स की भिड़ंत लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला लखनऊ के भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में खेला जाना है। लखनऊ और दिल्ली के बीच इस लीग में कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। आईपीएल में अब तक इन दोनों टीमों के बीच कुल 7 मुकाबले खेले गए हैं। इनमें से 4 मुकाबले दिल्ली ने जीते हैं, जबकि 3 मुकाबलों में लखनऊ को जीत मिली हुई है। आईपीएल 2025 में इन दोनों टीमों के बीच कुल 2 मुकाबले खेले गए थे और दोनों ही बार दिल्ली कैपिटल्स विजयी रही थी। दिल्ली अपने इस दबदबे को इस सीजन भी कायम रखने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। दिल्ली की टीम इस सीजन काफी संतुलित नजर आ रही है। टॉप ऑर्डर में टीम के पास केएल राहुल का अनुभव मौजूद है। दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का टॉप ऑर्डर काफी दमदार दिख रहा है।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का श्रेयस बो यानसन	13	11	2	0
गिल का कोनोली बो चहल	39	27	6	0
बटलर का बार्टलेट बो चहल	38	33	3	2
फिलिप्स का यानसन बो विशाक	25	17	1	1
सुंदर का अर्शदीप बो विशाक	18	16	2	0
शाहरुख का अर्शदीप बो विशाक	04	6	0	0
राहुल तेवतिया नाबाद	11	10	1	0
राशिद खान नाबाद	00	1	0	0

अतिरिक्त : 14, कुल योग : 20 ओवर में 162/6 रन
गेंदबाजी : अर्शदीप सिंह 4-0-42-0, जेवियर बार्टलेट 4-0-36-0, मार्को यानसन 4-0-20-1, विजयकुमार विशाक, 4-0-34-3, युजवेंद्र चहल 4-0-28-2

पंजाब किंग्स :	रन	गेंद	4	6
प्रियांश का अशोक बो रबाडा	07	8	0	1
प्रभसिमरन का कृष्णा बो राशिद	37	24	1	0
कूपर कोनोली नाबाद	72	44	5	5
श्रेयस अय्यर का सुंदर बो कृष्णा	18	11	0	2
नेहाल वढेरा का गिल बो सुंदर	03	6	0	0
शशांक सिंह का बटलर बो कृष्णा	04	5	0	0
स्टोइनिस का राशिद बो कृष्णा	00	2	0	0
यानसन का गिल बो अशोक	09	10	0	1
जेवियर बार्टलेट नाबाद	11	5	0	1

अतिरिक्त : 04, कुल योग : 19.1 ओवर में 165/7 रन
गेंदबाजी : मोहम्मद सिराज 2-0-15-0, कागिसो रबाडा 3-0-34-1, अशोक शर्मा 3-0-31-1, राशिद खान 4-0-29-1, वाशिंगटन सुंदर 3.1-0-27-1, प्रसिद्ध कृष्णा 4-0-29-3

आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग

बेथ की 26 महीने की बादशाहत खत्म, जॉर्जिया बनीं नंबर वन

स्टार बल्लेबाज मंधाना एक पायदान खिसकी

एजेंसी ▶▶| दुबई

ऑस्ट्रेलिया की युवा बल्लेबाज जॉर्जिया वोल आईसीसी की जारी ताजा टी20 रैंकिंग में दुनिया की नंबर एक बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने बेथ मूनी की 26 महीने से जारी बादशाहत को खत्म कर दिया है। हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली गई टी20 सीरीज में जॉर्जिया वोल का प्रदर्शन दमदार रहा था। भारत की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना भी तीसरे नंबर पर खिसक गई हैं।

लगाई 8 पायदान की लंबी छलांग

इस टी20 सीरीज के दौरान जॉर्जिया वोल ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए अपने टी20 करियर का पहला शतक भी लगाया था। उन्होंने 52 गेंदों में सेंचुरी पूरी की थी। जॉर्जिया ने ताजा रैंकिंग में 8 पायदान की छलांग लगाई है। वोल के अब 815 रेटिंग प्वाइंट्स हो गए हैं और वह बेथ मूनी से आगे निकल गई हैं। मूनी दूसरे नंबर पर खिसक गई हैं और उनके 788 रेटिंग प्वाइंट्स हैं। भारतीय टीम की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना को भी एक पायदान का नुकसान झेलना पड़ा है और वह अब तीसरे नंबर आ गई हैं। वहीं, हेली मैथ्यूज चौथे नंबर पर खिसक गई हैं।

न्यूजीलैंड की अमेलिया बनीं नंबर वन ऑलराउंडर

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करने वालीं न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान अमेलिया केर दुनिया की नंबर एक ऑलराउंडर बन गई हैं। उनके कुल 508 रेटिंग प्वाइंट्स हो गए हैं और उन्होंने वेस्टइंडीज की स्टार खिलाड़ी हेली मैथ्यूज को नंबर 2 पर ढकेल दिया है। केर यह मुकाम हासिल करने वाली न्यूजीलैंड की महज चौथी खिलाड़ी हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रेबेका स्टील, एमी वॉटकिंस और सोफी डिवाइन ही हासिल कर सकी हैं। हेली मैथ्यूज अक्टूबर 2023 से दुनिया की नंबर एक ऑलराउंडर बनी हुई थीं।

जनवरी 2024 से थी मूनी की बादशाहत

बेथ मूनी क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में जनवरी 2024 से विश्व की नंबर एक बल्लेबाज बनी हुई थीं। उन्होंने ताहिला मैक्ग्रा से नंबर एक की पोजीशन को छीना था। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में जॉर्जिया वोल ने अपनी बल्लेबाजी से खासा प्रभावित किया था। उन्होंने 3 मुकाबलों में 172 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 148 रन बनाए थे। जॉर्जिया के दमदार प्रदर्शन के बूते ऑस्ट्रेलिया की टीम टी20 सीरीज को 3-0 से अपने नाम करने में सफल रही थी।

सोफी एक्लेस्टोन बनीं टॉप वनडे गेंदबाज

मैडी ग्रीन अपनी टीम की हार में 85 रन बनाने के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 13वें नंबर पर आ गई हैं। वनडे रैंकिंग में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो एकदिवसीय मुकाबले में कोई खास प्रदर्शन न करने की वजह से अलाना किंग गेंदबाजों की रैंकिंग में दूसरे पायदान पर खिसक गई हैं। इंग्लैंड की गेंदबाज सोफी एक्लेस्टोन विश्व की नंबर एक वनडे गेंदबाज बन गई हैं। ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वेयरहम वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले दो वनडे में 81 रन बनाने और चार विकेट लेने के बाद ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में आठ पायदान ऊपर चढ़कर 16वें स्थान पर आ गई हैं।

डॉ.वाशानी
दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
हर्बल लेप
शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुन: लगा दें।
HMS मस्सा नाशक

फुटबॉल

सीजन के बाद गुएरेरो लेंगे बायर्न म्यूनिख से विदाई

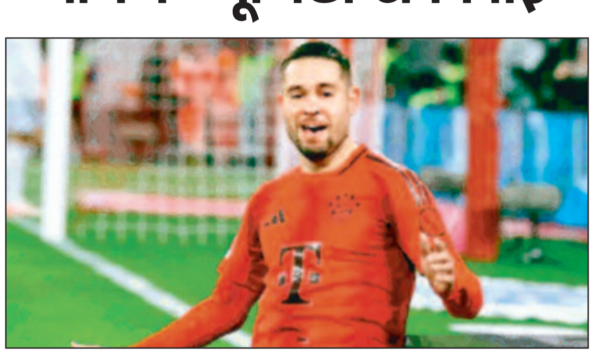

एजेंसी ▶▶| बर्लिन

पुर्तगाल के इंटरनेशनल खिलाड़ी राफेल गुएरेरो बार्यन म्यूनिख फुटबॉल क्लब से इस सीजन के खत्म होने के बाद अलग हो जाएंगे। गुएरेरो का कॉन्ट्रैक्ट भी इस सीजन के अंत में ही खत्म हो रहा है। गुएरेरो और क्लब ने इस कॉन्ट्रैक्ट को आगे नहीं बढ़ाने का फैसला लिया है।

■ राफेल ने बायर्न के लिए खेले 89 मैच, दागे 12 गोल

गुएरेरो साल 2023 में बोरूसिया डॉर्टमुंड से फ्री ट्रांसफर पर बायर्न म्यूनिख में आए थे। उन्होंने बायर्न के लिए कुल 89 मैच खेले। इस दौरान उन्होंने 12 गोल किए और 8 गोल करने में मदद (असिस्ट) की। उनकी सबसे बड़ी खासियत यह रही कि वे एक ही पोजीशन तक सीमित नहीं थे। वे डिफेंस में फुल-बैक के रूप में भी खेले और जरूरत पड़ने पर मिडफील्ड में भी योगदान दिया। इसी वजह से वह टीम के एक बहुमूल्य खिलाड़ी रहे। गुएरेरो ने टीम को कई खिताब दिलाने में अहम योगदान दिया। उन्होंने बायर्न के साथ बुंडेसलीगा का खिताब और जर्मन सुपर कप जीता। इसके अलावा, उन्होंने अपनी राष्ट्रीय टीम पुर्तगाल के लिए भी 65 मैच खेले हैं।

राफेल और क्लब के बीच बातचीत सकारात्मक

बायर्न के स्पोर्ट मेंबर मैक्स एबरल ने गुएरेरो की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, हम राफेल को उस समय के लिए दिल से धन्यवाद देना चाहते हैं, जो उन्होंने हमारे साथ बिताया। आप मैदान पर हमेशा राफेल पर भरोसा कर सकते हैं, और उनके जैसे खिलाड़ी किसी भी ड्रेसिंग रूम को बेहतर बनाते हैं। उन्होंने कहा कि राफेल और क्लब के बीच बातचीत सकारात्मक और सम्मानजनक तरीके से हुई। उनके साथ हमारी बातचीत सकारात्मक रही है, जो भरोसे और आपसी समझ पर आधारित है। अब उनके साथ मिलकर हम गर्मियों तक अपने लक्ष्यों पर ध्यान दे रहे हैं। हम अभी भी साथ मिलकर बहुत कुछ हासिल करना चाहते हैं।

9 अप्रैल से पहला लिटिल अंडमान प्रो हिस्सा लेंगे सर्फर और स्टैंड-अप पैडर

नई दिल्ली। भारत के बेहतरीन सर्फर और स्टैंड-अप पैडर 9 से 12 अप्रैल तक अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में होने वाली पहली 'लिटिल अंडमान प्रो 2026 - राष्ट्रीय सर्फ़ और एसयूपी चैंपियनशिप' में पहला स्थान हासिल करने के लिए मुकाबला करेंगे। भारतीय सर्फिंग महासंघ की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग में सर्फिंग और स्टैंड-अप पैडल (एसयूपी) दोनों स्पर्धाएं होंगी। साथ ही इस प्रतियोगिता से प्रतिभागियों को इस साल के एशियाई खेलों से पहले अनुभव भी मिलेगा। भारत ने 2024 एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में अपना पहला एशियाई खेलों का कोटा हासिल किया था और महाबलीपुरम में हुए 2025 के चरण में उस लय को बनाए रखते हुए आखिरकार जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों के लिए अधिकतम चार स्थान सुनिश्चित किए। जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों में दो-दो स्थान शामिल हैं।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल | डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA | भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, मो. 8269885003, मो. 7389485756

डॉ. पर्णिता बघेल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) डॉ. फिबी मसीह (स्त्री रोग विशेषज्ञ)
वसुधा केयर हॉस्पिटल (महिला एवं बच्चों का अस्पताल | प्लास्टिक एवं कास्मेटिक सर्जरी)
सुविधाएं • 24x7 डिलिवरी • शिशु रोग • दूरबीन द्वारा ऑपरेशन • सोनोग्राफी • बांझपन का इलाज • खून जांच
जीवन विहार कालोनी, सृष्टि प्लाजो के पास, अवंति विहार रोड, तेलीबांधा, रायपुर, मो. 0771-3523209, 7880001064, 7880001062

Sai Care Hospital श्री सांई केयर हॉस्पिटल
डॉक्टर से सेकंड ओपिनियन, बिना किसी फीस हर सामेवार शाम।
फ्री ओपीडी सेवा महीने के प्रत्येक सोमवार समय: शाम 5 बजे से 7 बजे तक
उपलब्ध सेवायें कैंसर केयर, डायबिटिक केयर, पाईल्स केयर
आयुष्मान कार्ड द्वारा नि:शुल्क ईलाज सुविधा उपलब्ध
शिव मंदिर के पास, अवंती विहार, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) | बुक अपॉइंटमेंट : 0771-4020089, 9630067422

अहलूवालिया हॉस्पिटल
8103128515, 0771-4050006
• कान, नाक, गला रोग • Hearing Aids • दंत रोग • मुख के कैंसर/प्लास्टिक सर्जरी • चक्कर, खर्राटे
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, स्टेशन रोड रायपुर

AB आई हॉस्पिटल
लेज़र मोतियाबिंद ऑपरेशन किफायती दरों में
आयुष्मान कार्ड एवं इंश्योरेंस सुविधा उपलब्ध
पता : - 119/A सेक्टर - 3, गीतांजली नगर, रायपुर | मो.: 8815096478

डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं स्पेशलिस्ट : पी.एफ.टी., ब्रांकोस्कोपी, स्लीप स्टडी खांसी, श्वांस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
समय दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड़, रायपुर मो. 7999450384, 7042974029

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर ई.एन.टी. हॉस्पिटल
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.) (ISO 9001-2000 Certified)
फोन: 0771-4044551 समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

उपलब्ध विशेषताएं • लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी • जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स • जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी • ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल) • गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साई बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
» प्रसूति » नवजात » शिशु रोग » बांझपन » सोनोग्राफी » आयुष्मान कार्ड » बच्चों एवं बडों के आपरेशन » अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

पाइल्स
क्षारकर्मा (लेप विधि) विशेषज्ञ
(ना कोई सुई, ना भर्ती 2 घंटे के बाद डिस्चाज)
राज-राजेश्वरी आयुर्वेदिक वेलनेस सेंटर
25 वर्षों का अनुभव
13000 से ऊपर सफल चिकित्सा
फाफाडीह / पंडरी, रायपुर, मो. 9039050422

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

वैरिकोज वेन्स & VASCULAR Clinic
वैरिकोज वेन्स & वैस्कुलर क्लिनिक
डॉ. प्रशांत पोटे MD DNB FVIR Interventional Radiologist
• वैरिकोज वेन्स • पैर का अल्सर • डीवीटी • फाइब्रॉइड • थायरॉइड/गॉइटर
पता- 309, लालगंगा बिजनेस पार्क, पचपेड़ी नाका, रायपुर, मोबाईल : 7400628099

विज्ञापन हेतु संपर्क करें:-
7987119756, 9303508130

Shri Shankaracharya Professional University, Bhilai
Shri Shankaracharya Technical Campus, Bhilai
ज्ञानादेव तु कैवल्यम्
27 YEARS OF EXCELLENCE
Courses at SSPU
Law — B.A. LLB | B.Com. LLB | LLB | LLM
Computer & IT Engineering — B.Tech(Hons.) | AIML & IoT | Cyber Security & IoT | M.Tech
Computer Application — BCA | MCA | DCA | PGDCA
Management & Commerce — BBA / MBA | MBA(part time) | B.Com | M.Com
Pharmacy — D. Pharm | B. Pharm | M. Pharm
Education — Diploma(Nursery Teacher Training) | M.A. (Edu.)
Certification Courses
Science & Life Science — B.Sc (PCM, Bio-Technology, Micro-Biology, CBZ & Computer Science) M.Sc (Physics, Chemistry, Mathematics, Bio-Technology, Micro-Biology, Botany Zoology & Computer Science)
Physical Education — B.P.E.S. | P.G.D.(Yoga)
Arts & Social Science — B.A.J.M.C. | M.A.J.M.C. | B.J./M.J. | B.A. / M.A. (English, Hindi, Sociology, Psychology) MSW | B.Lib.I.Sc. | M.Lib.I.Sc.
Ph.D. Programs
• Journalism & Mass Communication • Physics
• Chemistry • Life Science(Botany, Zoology, Bio-Tech, Bio-Chemistry, Micro-Biology)
• Mathematics • Hindi • English • Commerce • Management • Pharmacy • Engineering*
Courses at SSTC (Approved by AICTE)
B.Tech (CSE)
• CSE • CSE (AI & ML) • CSE (DATA SCIENCE) • CSE (CYBER SECURITY) • CSE (AI)
B.Tech (Engineering)
• ELECTRICAL ENGINEERING • MECHANICAL ENGINEERING • ET & TELECOM. ENGINEERING • CIVIL ENGINEERING
WITH 40+ PROGRAMS & SPECIALISATION
Ph.D
• ENGINEERING • MANAGEMENT • COMPUTER APPLICATIONS
M.Tech
• THERMAL ENGINEERING • POWER SYSTEMS ENGINEERING • VLSI DESIGN • CS & ENGINEERING • STRUCTURAL ENGINEERING • TRANSPORTATION ENGINEERING • GEOTECHNICAL ENGINEERING • AI & MACHINE LEARNING
MBA
MCA
BBA
BCA
Pharm (KIPS)
• B PHARM • D PHARM • M PHARM
Placements in 2025-26
Athar Hussain — Intern at Steelco Technologies DMCC AED 3500 per month
Rajnandini — Bagged Internship at Amazon with stipend 35k/- per month
Sneha Parpyani — Senior Software Engineer- Capgemini 7.5 LPA
Rishabh Baghel — TCS Digital 7.09 LPA
Anusha Choubey — TCS Digital 7.09 LPA
650+ Students Placed & the Journey continues
7000+ Alumni Network Worldwide
2003 Sourabh Bhatnagar, IT — ICT Director, London, England — NHS King's College Hospital
2004 Abhishek Jain, MCA — Senior Solution Architect, Data and analytics space. London, England — LSEG
2004 Abhinav Kumar, CSE — Vice President, India — The Barclays Technology
2005 Yugal Sahu, ETC — Principal SoC Engineering, USA — Apple
2013 Apoorv Rusia, BE — Data Engineering, Seattle, Washington — MERKLE
2013 Sumanjeet Kaur Mehra, MBA, Finance + Marketing — Investment Operations, Trade Support @ TD Bank, Toronto Canada. — TD Bank
15 LPA Highest Package bagged in 2024-25
3640+ Placements in last 5 years
260+ Companies Visited
1660+ Internships offered in last 5 years
5.75 LPA Average Package
Office: Junwani, Bhilai, Durg, C.G. 490020
Mob no.: 9039551113
Contact: 0788 4088888 | sstc.ac.in
Our Top Recruiters
amazon, JSW, JUSPAY, tcs TATA CONSULTANCY SERVICES, Capgemini, cognizant, Deloitte., IBM, TATA ELECTRONICS, TATA STEEL, Infosys, One Banc, HEXAWARE, Tech Mahindra, HDFC BANK, awakege, JKcement, UltraTech, jaro education, zimicus, HCL, HSBC, POLYCAB, SISCOL, ESAF, ELEATION, apollo TYRES, ICICI PRUDENTIAL, wipro, accenture, StratView Research, indiamart, Collabera, ASTRAL PIPES, Techment, IndusInd Bank, Bandhan Bank, LARSEN & TOUBRO
For Admission @SSPU Call 6232010132
Junwani Road, Bhilai, C.G., India
For Admission @SSTC Call 9039551113
1800 547 1065 | 0788 4088810/11 shrishankaracharyauniversity.com
1800 547 1064 | 0788 4088888 sstc.ac.in admission@sstc.ac.in

1 अप्रैल का दिन केवल एक रॉकेट लॉन्च का साक्षी नहीं बनेगा, बल्कि यह इंसान के इंटरप्लेनेटरी (ग्रहों के बीच) भविष्य की आधिकारिक शुरुआत होगी। नासा का आर्टेमिस-2 मिशन केवल चांद के चक्कर काटने के बारे में नहीं है, बल्कि यह उस 'लिफ्ट' की तरह है, जो हमें मंगल की मंजिलों तक ले जाएगी।

नासा का आर्टेमिस-2: 10 दिन, 6 लाख मील का सफर और 4 जांबाज!

वॉशिंगटन। 50 से ज्यादा सालों का लंबा इंतजार करने के बाद अब एक बार फिर दुनिया के लोगों की धड़कनें बढ़ने जा रही हैं। क्योंकि, एक बार फिर इंसान पृथ्वी के सुरक्षा घेरे को तोड़कर गहरी अंतरिक्ष यात्रा पर निकलने वाला है। 1 अप्रैल को फ्लोरिडा के केनेडी स्पेस सेंटर से आर्टेमिस-2 मिशन के चार जांबाज एस्ट्रोनॉट्स उड़ान भरेंगे।

कौन हैं इस मिशन के 'सुपरहीरो'?

नासा ने आर्टेमिस-2 मिशन के लिए 4 एस्ट्रोनॉट्स का चयन किया है। इसके मिशन कैप्टन कमांडर रीड वाइसमैन हैं। वहीं, चांद की ओर जाने वाले पहले अश्वेत व्यक्ति विक्टर ग्लोवर इस मिशन के पायलट हैं। इसके साथ ही मिशन स्पेशलिस्ट क्रिस्टीना कोच हैं, जो चांद की दहलीज पर पहुंचने वाली पहली महिला होंगी। साथ ही जेरेमी हैनसन इस मिशन का हिस्सा बनने वाले पहले अंतरराष्ट्रीय यात्री हैं।

सिर्फ मून मिशन नहीं, बल्कि मंगल का ट्रेलर

यह सिर्फ मून मिशन से कहीं ज्यादा क्यों है?

यह एक टेस्ट आधारित मिशन है। इस मिशन से सीखी गई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल आने वाले समय में मंगल पर इंसान भेजने वाले मिशन के लिए किया जाएगा। यह मिशन ओरियन कैप्सूल के 'लाइफ सपोर्ट सिस्टम' का असली इम्तिहान होने वाला है। इस मिशन में ही तय होगा कि ओरियन कैप्सूल क्या गहरे अंतरिक्ष में भी इंसानों को जिंदा और सुरक्षित रख सकता है। इस बार मिशन की टीम में विविधता ही इसकी सबसे बड़ी ताकत बनने वाली है। यह पहली बार होगा, जब 4के वीडियो क्वालिटी में अंतरिक्ष से डेटा भेजा जाएगा, जो अपोलो के धुंधले वीडियो से मीलों आगे है।

धीरे-धीरे चांद की ओर बढ़ेगा यान

लॉन्च के बाद ओरियन कैप्सूल सीधे चांद तक नहीं पहुंचता, बल्कि एक तय रास्ते से धीरे-धीरे आगे बढ़ता है। इस दौरान कई बार इसकी दिशा और गति को नियंत्रित करना होगा। कई बार एक छोटी-सी गलती भी पूरे मिशन को प्रभावित कर सकती है, इसलिए हर कदम बेहद सावधानी से उठाया जाता है। **चांद के पास सबसे खास पल :** कुछ दिनों की यात्रा के बाद स्पेसक्राफ्ट चांद के करीब पहुंचेगा। यही वह समय होगा, जब मिशन अपने सबसे अहम चरण में होगा। स्पेसक्राफ्ट चांद के चारों ओर घूमेगा और वहां की स्थिति को समझेगा। भले ही इस बार लैंडिंग नहीं होगी, लेकिन यह अनुभव आगे के मिशनों के लिए बेहद जरूरी है।

वापसी सबसे कठिन हिस्सा

ऐसे मिशन का सबसे खतरे भरा हिस्सा वापसी का होता है। जब स्पेसक्राफ्ट पृथ्वी की ओर लौटेगा, तो उसे बहुत तेज गति से वायुमंडल में प्रवेश करना होगा। इस दौरान तापमान इतना ज्यादा हो जाता है कि थोड़ी-सी भी चूक खतरनाक साबित हो सकती है। नासा ने इस मिशन को 10 दिनों में अलग-अलग बांटा हुआ है। शुरुआत में लॉन्च और सिस्टम की जांच के बाद बीच में एस्ट्रोनॉट्स चांद की ओर आगे बढ़ेंगे। फिर चांद के पास पहुंचकर वहां उसके चारों ओर चक्कर लगाएंगे। इस दौरान वे चांद की दूसरी साइड भी जाएंगे। इसके बाद आखिर में वापसी होगी।

रोचक खबरें

चोरों को लगा चॉकलेट का चस्का! 4 लाख किटकैट से भरा ट्रक गायब

रोम। चोरी की खबरें तो आपने बहुत सुनी होंगी, लेकिन क्या कभी सुना है कि चोरों ने पूरा का पूरा चॉकलेट का जखीरा ही उड़ा लिया? यूरोप की सड़कों पर एक ऐसी 'मीठी डकैती' हुई है, जिसने नेस्ले जैसी बड़ी कंपनी के होश उड़ा दिए हैं। करीब 4 लाख से ज्यादा किटकैट बार से भरा ट्रक बीच रास्ते से गायब हो गया है। कहते हैं कि किटकैट का स्वाद ही कुछ ऐसा है कि कोई भी रुकने का नाम नहीं लेता, लेकिन इन चोरों ने तो कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले लिया। मीडिया के मुताबिक, स्विट्जरलैंड की दिग्गज कंपनी नेस्ले का एक ट्रक 12 टन किटकैट लादकर इटली से पोलैंड की तरफ रवाना हुआ था। मंजिल आने से पहले ही ट्रक और उसका ड्राइवर, दोनों ही रहस्यमयी तरीके से ओझल हो गए। इस ट्रक में किटकैट की नई रेंज के करीब 4,13,793 चॉकलेट बार मौजूद थे। कंपनी ने खुद इस खबर की पुष्टि की है और जांच एजेंसियां अब इस 'चॉकलेट मिशन' पर निकल पड़ी हैं। किटकैट की यह चोरी अब तक की सबसे 'टेस्टी' डकैती मानी जा रही है। कंपनी अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रही है, लेकिन इतनी बड़ी मात्रा में चॉकलेट का गायब होना किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं लगता। उम्मीद है कि जल्द ही इन 'चॉकलेट लवर्स' चोरों का पता चल जाएगा।

कंपनी का मजेदार जवाब चोरों की पसंद वाकई लाजवाब है

इस बड़ी चोरी पर किटकैट ने बड़ा ही दिलचस्प बयान दिया है। कंपनी ने मजाक-मजाक में मान लिया कि चोरों का टेस्ट तो बहुत बढ़िया है, लेकिन ऐसी चोरियां बिजनेस के लिए बड़ा सिरदर्द बन रही हैं। हालांकि, कंपनी ने ग्राहकों को भरोसा दिलाया है कि इससे मार्केट में किटकैट की सप्लाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने चोरी हुए माल को पकड़ने का एक 'सीक्रेट' तरीका भी बताया है। हर बैच पर एक यूनिक कोड है, जिसे स्कैन करते ही सीधा कंपनी को अलर्ट मिल जाएगा, यानी अगर चोरों ने इन चॉकलेट्स को बेचने की कोशिश की, तो वे सीधे जाल में फंस सकते हैं।

जियानशिया के नाम दुनिया की सबसे लंबी पलकें रखने का रिकॉर्ड

बीजिंग। दुनिया में कई ऐसे लोग होते हैं, जो सबसे अलग और जरा हटके होते हैं। ऐसे ही हर महिला का लंबी पलकें पाने का सपना होता है, क्योंकि लंबी पलकें खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करती है। आज हम एक ऐसी महिला की बात कर रहे हैं, जिसकी पलकें इनती लंबी है कि उसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी नाम दर्ज हो चुका है। जी हां, चीन की यू जियानशिया के नाम दुनिया की सबसे लंबी पलकें रखने का रिकॉर्ड है। उनकी सबसे लंबी पलक की लंबाई 20.5 सेंटीमीटर है। हालांकि, इससे पहले 2016 में भी सबसे लंबी पलकें होने का रिकॉर्ड उनके नाम ही दर्ज है, उस समय उनकी पलक की लंबाई 12.4 सेंटीमीटर थी, जो उनकी बाईं आंख की ऊपरी पलक पर थी। यू जियानशिया के मुताबिक, समय के साथ उनकी पलकों की लंबाई बढ़ती गई। आखिरकार 20 मई, 2021 को यह पुष्टि हुई कि उनकी सबसे लंबी पलक 20.5 सेंटीमीटर हो चुकी है। यू जियानशिया की सभी पलकों की लंबाई सामान्य से ज्यादा है, लेकिन सबसे लंबी पलक फिर से उनकी बाईं आंख की ऊपरी पलक पर ही पाई गई।

न ब्रश, न औजार , सिर्फ दांतों से बनाती हैं कमाल की मूर्तियां

बीजिंग। चीन की 25 साल की एक युवती इन दिनों सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। चेन किन नाम की इस लड़की ने अपनी अनोखी कला से लोगों को हैरान कर दिया है। वह गाजर को सिर्फ अपने दांतों की मदद से बेहद खूबसूरत और बारीक मूर्तियों में बदल देती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, चेन किन की कला इतनी खास है कि उसने गाजर से चीन की महान दीवार और पीली सारस की मीनार जैसी मशहूर जगहों की हूबहू प्रतिकृतियां बना डाली हैं। इतना ही नहीं, वह छोटे-छोटे जानवर, कार्टून कैरेक्टर और पारंपरिक डिज़ाइन जैसे फीनिक्स क्राउन और मियाओ समुदाय की चांदी की टोपी भी बनाती है।

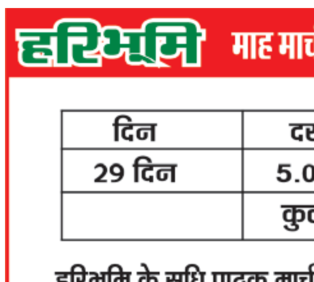

हरिभूमि माह मार्च 2026 का मासिक बिल

दिन	दर	राशि
29 दिन	5.00	145.00
	कुल	145.00

हरिभूमि के सुधि पाठक मार्च 2026 का अखबार बिल अपने एजेंट के पास 06 तारीख तक जमा कर सहयोग करें।
व्यवस्थापक

प्रकृति

जानें क्यों मिट्टी की महक आते ही झूम उठता है मन

वैज्ञानिकों ने खोल दिया बारिश की सोंधी खुशबू का राज!

नई दिल्ली। उत्तर भारत में लंबे सूखे के बाद जब बारिश की पहली बूंदें जमीन पर पड़ती हैं, तो एक ऐसी सोंधी-सोंधी खुशबू पूरे फिजा में फैल जाती है। यह खुशबू हमें बचपन की याद दिला देती है। इस खुशबू को वैज्ञानिक भाषा में पेट्रिकोर कहते हैं। पहली बारिश के साथ आने वाली 'मिट्टी की सोंधी खुशबू' को वैज्ञानिकों ने 'पेट्रिकोर' नाम दिया है। यह शब्द दो ग्रीक शब्दों पेट्रा (पत्थर) और इचोर (देवताओं की नसों में बहने वाला सुनहरा तरल) से मिलकर बना है। वैज्ञानिकों का मानना है कि सूखे के दौरान पौधे एक खास तरह का तेल छोड़ते हैं, जो मिट्टी और चट्टानों द्वारा सोख लिया जाता है। इसके बाद जब बारिश की बूंदें गिरती हैं, तो ये तरल हवा में रिलीज हो जाते हैं, जिससे वह महक पैदा होती है।

सूखे के बाद क्यों बढ़ जाती है महक

अगर लंबे समय तक बारिश न हो, तो जमीन पूरी तरह सूख जाती है। इस दौरान मिट्टी में कई तरह के तत्व जमा होते रहते हैं। जब ऐसे में पहली बार बारिश होती है, तो ये सारे तत्व एक साथ हवा में फैलते हैं। यही वजह है कि सूखे के बाद आने वाली बारिश की खुशबू सबसे ज्यादा तेज और अच्छी लगती है।

बारिश की बूंदें कैसे बनाती हैं परफ्यूम : 2015 में एमआईटी के वैज्ञानिकों ने हाई-स्पीड कैमरों से देखा कि जब बारिश की बूंद मिट्टी पर गिरती है, तो वह सतह पर छोटे-छोटे हवा के बुलबुले फंसा लेती है। ये बुलबुले शैंपेन के बुलबुलों की तरह फटते हैं और अपने साथ मिट्टी की महक (जियोस्मिन और तेल) लेकर हवा में तैरने लगते हैं। यही कारण है कि हल्की फुहारों में खुशबू ज्यादा आती है, जबकि भारी बारिश में यह दब जाती है।

हर जगह अलग होती है खुशबू : बारिश की यह महक हर जगह एक जैसी नहीं होती। यह इस बात पर निर्भर करती है कि वहां की मिट्टी कैसी है, आसपास कौन से पेड़-पौधे हैं और मौसम कैसा है। गांव की मिट्टी की खुशबू शहर से अलग होती है, और पहाड़ों की खुशबू मैदानों से अलग महसूस होती है।

वो बैक्टीरिया जो खुशबू बनाता है

दरअसल, यह खुशबू मिट्टी के अंदर रहने वाले बहुत छोटे-छोटे जीवों, जिन्हें 'एक्टिनोमाइसेट्स' कहते हैं, की वजह से बनती है। ये जीव अपने जीवन के दौरान एक खास तरह का पदार्थ बनाते हैं, जो सूखी जमीन में जमा रहता है। जब तक बारिश नहीं होती, यह सब कुछ मिट्टी के अंदर ही दबा रहता है और हमें कुछ खास महसूस नहीं होता। लेकिन, जैसे ही बारिश की बूंदें सूखी जमीन पर गिरती हैं, एक छोटा सा बदलाव होता है। पानी जमीन से टकराकर बहुत बारीक कणों को हवा में उछाल देता है। इन कणों के साथ वही खास पदार्थ भी हवा में फैल जाता है, जो हमें सोंधी खुशबू के रूप में महसूस होता है।

एक छोटी सी बात लेकिन बड़ा विज्ञान

बारिश की यह सोंधी खुशबू भले ही हमें एक सामान्य चीज लगे, लेकिन इसके पीछे प्रकृति का बड़ा खेल छिपा होता है। मिट्टी, पानी और छोटे-छोटे जीव मिलकर यह एहसास बनाते हैं, जो हर बार हमें खुश कर देता है। अब जब भी बारिश हो और आपको यह खुशबू आए तो सिर्फ इसका आनंद ही न लें, बल्कि यह भी सोचें कि इसके पीछे कितनी दिलचस्प प्रक्रिया चल रही है। यही छोटी-छोटी बातें प्रकृति को खास बनाती हैं और हमें उससे जोड़कर रखती हैं।

यहां तोंद वाले मर्दों की दीवानी हैं लड़कियां

अदीस अबाबा। आज के समय में जहां हर कोई जिम में पसीना बहा रहा है और जीरो फिगर या सिक्स पैक एब्स के पीछे भाग रहा है। वहीं, दुनिया में एक ऐसी भी जगह है, जहां पुरुषों की खूबसूरती का पैमाना उनके डोले-शोले नहीं, बल्कि उनका गोल-मटोल पेट तय करता है। हम बात कर रहे हैं इथियोपिया की ओमी घाटी में रहने वाली बोडी जनजाति की, जहां जिस मर्द की जितनी बड़ी तोंद, वह उतना ही हैंडसम और ताकतवर माना जाता है। जानकारी के अनुसार, इस जनजाति में हर साल काएल उत्सव मनाया जाता है। यह कोई आम त्योहार नहीं, बल्कि बड़े तोंद वालों की अनोखी प्रतियोगिता है। बोडी लड़कियों को इस उत्सव का बेसब्री से इंतजार रहता है, क्योंकि इसका विजेता ही समाज का असली 'सुपरमॉडल'कहलाता है। ऐसे में भला कौन लड़की नहीं चाहेगी कि उसका हमसफर कबीले का मोस्ट हैंडसम मुंडा हो। इस प्रतियोगिता कि जीतने के लिए बोडी जनजाति के पुरुष छह महीने की कड़ी मेहनत करते हैं। इस दौरान वे झोपड़ी में पूरी तरह कैद हो जाते हैं। कोई भी फिजिकल टास्क करने की सख्त मनाही होती है। क्योंकि, उनका एकमात्र उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा खाना और सोकर अपना वजन बढ़ाना है।

डाइट ऐसी कि सुनकर दंग रह जाएंगे

जहां जिम जाने वाले प्रोटीन शेक पीते हैं, वहीं बोडी के मर्द अपनी तोंद फुलाने के लिए गाय के दूध में उसका ताजा खून मिलाकर पीते हैं। वे गाय को मारते नहीं, बल्कि उसकी नस से खून निकालकर उसे मिट्टी से बंद कर देते हैं। बोडी के मर्दों का मानना है कि यह एनर्जी ड्रिंक उन्हें तोंद को गुब्बारे की तरह फुलाने में मदद करती है। काएल उत्सव के दौरान बोडी मर्द अपने शरीर पर राख और मिट्टी मलकर खूब नाचते हैं। इस दौरान जिसका तोंद सबसे बाहर निकला होता है, उसे 'हीरो'घोषित किया जाता है।

मछुआरों ने पकड़ा अजीबोगरीब केकड़ा, आधा नर-आधी नारी

तिरुवनंतपुरम। केरल के घने जंगलों में छिपे साइलेंट वैली नेशनल पार्क से एक ऐसा चौंकाने वाला खुलासा हुआ है जिसने पूरे वैज्ञानिक जगत को हैरान कर दिया है। मछुआरों और स्थानीय लोगों की मदद से वैज्ञानिकों ने एक दुर्लभ केकड़े की प्रजाति पकड़ी है जो आधा नर और आधी नारी है। एक तरफ इसका शरीर पुरुष के गुण दिखाता है तो दूसरी तरफ महिला के। यह केकड़ा वेला कार्ली नामक मीठे पानी की प्रजाति का है। यह केवल पश्चिमी घाट के जंगलों और झरनों में ही पाया जाता है। वैज्ञानिकों ने जब 120 केकड़ों का अध्ययन किया तो उनमें से तीन में यह अनोखी स्थिति देखी गई। इसे वैज्ञानिक भाषा में बाइलेटरल जाइनैंड्रोमॉर्फी कहते हैं। यानी शरीर के बाएं और दाएं हिस्से में अलग-अलग लिंग के लक्षण मौजूद है।

कैसे हुआ यह खुलासा?

एमईएस मम्पाड कॉलेज के सेंटर फॉर कंजर्वेशन इकोलॉजी के हेड प्रोफेसर के.एस. अनूप दास और उनके सहयोगी के.टी. फाहिस समेत अन्य शोधकर्ताओं ने बायोडायवर्सिटी सर्वे के दौरान यह खोज की। केकड़े पेड़ों के पानी भरे खोखलों में रहते पाए गए, जो भारत में केकड़ों के लिए एक अनोखा माइक्रोहैबिटेट है। अनूप दास ने बताया, 'इन केकड़ों के शरीर के कुछ हिस्सों में नर जनन अंग थे, जबकि अन्य हिस्सों में मादा जनन छिद्र मौजूद थे। एक तरफ क्लॉ (चिमटे) और खोल के आकार में भी अंतर साफ दिख रहा था।

केकड़े की अनोखी आदतें

वेला कार्ली केकड़ा आमतौर पर छोटा होता है और पेड़ों के खोखलों में पानी जमा होने पर वहां रहता है। यह आदत अन्य भारतीय केकड़ों से अलग है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह प्रजाति पश्चिमी घाट की जैव विविधता की अनमोल धरोहर है। साइलेंट वैली को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल का दर्जा प्राप्त है, जहां हजारों दुर्लभ प्रजातियां पाई जाती हैं।

लोगों में उत्सुकता

सोशल मीडिया पर इस खबर के बाद लोगों की उत्सुकता चरम पर है। कई यूजर्स इसे 'नेचर की क्वियर आइकन' या 'डिवा केकड़ा' कहकर मजाकिया टिप्पणियां कर रहे हैं। कुछ लोग इसे प्रकृति की विविधता का प्रतीक बता रहे हैं। वहीं, वैज्ञानिक इसे बायोलॉजिकल डायवर्सिटी का अनमोल उदाहरण मान रहे हैं।

अनोखा मॉडल

2005 में सद्दाम हुसैन भी यहां की जेल में रहने की हसरत जता चुके हैं

लग्जरी होटल से कम नहीं है स्वीडन की जेल, मुजरिमों की मौज

स्टॉकहोम। कल्पना कीजिए एक ऐसी जेल की जहां सजा के नाम पर आपको एक आलीशान कमरा, आरामदायक बेड, प्राइवेट वॉशरूम और पढ़ाई के लिए शांत कोना मिले। सुनने में किसी वेकेशन रिसॉर्ट जैसा लगता है न? लेकिन स्वीडन की एक जेल का वीडियो इंटरनेट पर गदर मचा रहा है। हालत यह है कि भारतीय व्लॉगर गोपी कपाड़िया का यह वीडियो देखकर लोग कह रहे हैं, 'भाई, इससे अच्छे तो वहां के कैदी हैं।' भारतीय व्लॉगर गोपी कपाड़िया ने जब स्वीडन की जेल की झलक दिखाई, तो सोशल मीडिया पर जैसे कमेंट्स की बाढ़ आ गई। वीडियो में जेल के अंदर का नजारा किसी लग्जरी पीजी या मॉडर्न हॉस्टल जैसा है। न धूल, न सीलन और न ही भीड़भाड़। कमरे इतने साफ-सुथरे और रोशनी से भरे हैं कि पहली नजर में यकीन करना मुश्किल है कि यहां मुजरिम रहते हैं। इस वीडियो के वायरल होते ही देसी यूजर्स ने भारत के टॉप संस्थानों जैसे आईआईटी और एम्स के हॉस्टलों की तुलना स्वीडन की जेल से करना शुरू कर दिया।

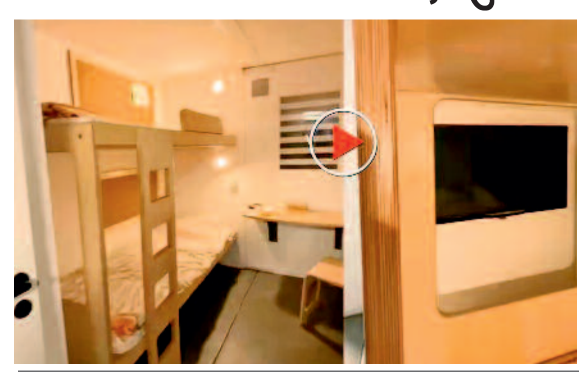

भारतीय संस्थानों के हॉस्टल बनाम स्वीडन

अब सवाल उठता है कि स्वीडन आखिर कैदियों पर इतना मेहरबान क्यों है? दरअसल, स्वीडन का सिस्टम 'प्रतिशोध' पर नहीं बल्कि 'पुनर्वास' पर यकीन रखता है। उनका मानना है कि कैदियों को इंसान समझकर व्यवहार करने से वे समाज में दोबारा बेहतर नागरिक बनकर लौटते हैं। दिलचस्प बात यह है कि 2005 में सद्दाम हुसैन भी यहां की जेल में रहने की हसरत जता चुके हैं। स्वीडन की इसी सोच ने उसे दुनिया के सबसे मानवीय और प्रगतिशील देशों की फेहरिस्त में सबसे ऊपर खड़ा किया है।

स्वीडन का जेल सिस्टम और कैदियों का सुधार

स्वीडन की जेल का यह वीडियो हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि क्या सजा का मकसद सिर्फ डराना है या इंसान को बदलना? हालांकि, भारत में हॉस्टलों की हालत पर उठी बहस जायज है, लेकिन स्वीडन का यह मॉडल दुनिया को 'मानवता' का एक अलग ही पाठ पढ़ा रहा है।

कार-बाइक छोड़, घोड़ी पर सवार होकर डॉक्टर के पास पहुंचा मरीज

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा में इन दिनों एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जिसने हर किसी को चौंका दिया। शहर की सड़कों पर जहां आमतौर पर लोग बाइक, कार या ऑटो से आते-जाते नजर आते हैं, वहीं एक युवक घोड़े पर सवार होकर डॉक्टर के पास पहुंच गया। यह नजारा जिसने भी देखा, कुछ देर के लिए ठहर गया और देखते ही देखते यह मामला पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गया।दरअसल खंडवा के घासपुर इलाके में रहने वाले अल्फेज मंसूरी अपने अनोखे अंदाज के चलते सुर्खियों में आ गए। बताया जा रहा है कि उन्हें पेट में गैस और एसिडिटी की समस्या हो रही थी। ऐसे में उन्होंने डॉक्टर के पास जाने का सोचा, लेकिन गाड़ी निकालने के बजाय उन्होंने घोड़ी को ही तैयार कर लिया। उनका कहना है कि जब घोड़ी खड़ी ही है, तो क्यों न उसी से चला जाए। इससे घोड़ी का घूमना भी हो जाएगा और उनका काम भी हो जाएगा। जैसे ही अल्फेज घोड़ी पर सवार होकर शहर की सड़कों से निकले, लोग उन्हें देखते ही रह गए।

घोड़ों को बताया परिवार का सदस्य

उन्होंने बताया कि ये सभी घोड़े उनके लिए सिर्फ जानवर नहीं, बल्कि परिवार के सदस्य जैसे हैं। इनकी देखभाल भी उसी तरह की जाती है। उनका परिवार पीढ़ियों से घोड़ों का कारोबार करता आ रहा है। शकील मंसूरी, अशफाक मंसूरी, अशरफ मंसूरी और जुनेद मंसूरी मिलकर इस काम को आगे बढ़ा रहे हैं। यह उनका पुश्तैनी व्यवसाय है और अब उनकी तीसरी पीढ़ी भी इसी काम में जुड़ी हुई है। शादी-ब्याह के सीजन में इनके घोड़े काफी डिमांड में रहते हैं,लेकिन फिलहाल सीजन नहीं होने के कारण घोड़ों को खाली नहीं छोड़ते।

राइनोप्लास्टी

नाक को सही (रिशेपिंग) करना
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, चौबे कालोनी एवं पचपेढ़ी नाका, धमतरी रोड, कलर्स माल के पास, रायपुर (छ.ग.)
9827143060/8871003060
छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त
Ajay Advt.

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com